

क्रानवश्चितःकुद्भः मिन्नो

শানৰ জুৰ ই ই.শ.হ। ছুল দীল ট্রান্ডি ব

artines are a second and a second are a sec

्रिक्त । विर्ने ग्री के रनका श्वायमा पर है शह्म पा पर पु के नः क्षेत्र द्वेत्र केत्र वे वर्ज्ञ सं इत्य द्वा । सम्बन्धे ते हे ने स र । सद्य प्रत्म हि र्श्वेट हो प्रदेश हि र या या क्षायक्षानि सहरायामिक वर्षा स्र्रायते द्वारा सर्दर यहेंस स.चबुर.बंचस.चरेनीस.सर.चेनीस.च. पर्.चबुरे। वेदः ग्री-मुभःरवसः ढेंसः द्युदः सद्दः दवा मी-क्षे-क्रे-सु-रागुरः यदै भी ना है दि से के भी न न न । देने मुन देने में न हिन स त.रथं.शुष्ट्र,श्रु.इत्रोब.चेर.द्वेत्रोब.चेल.रचश.श्रोपश.च.से. विनस | (R. A. STGIN) वसमारे सेंद्रे नर निष्ट. ब्रिन नुः कुर्मे १०७१ व्यून यम यह प्राचन यह हो व सुन स्रोत चे निसाद हिमा वर्तमा च देर स देवे च हे व देस श्रेट हैमा न्ता नेदायन्ताक्तरमायद्यायहरूमा विश्रायर देव त्वत्र हुंच सिट हुंच दवत अया मदिश्र स यर : अर्द : यदे : अर्द : लुक : यदु म्क : क्रेस : यदे : मा हू :

गुराक्षितः हुन्यमः छ्टं त्र पट्टरम् बिस तः प्रतिमा स्था



न् अन्तर्रेट नमर निर्मासहर त। । मेरेश निर्देश महामाया सुगाप्तरंथ है। ।यगाय केन ध्रानो लेय से हो। । यह करो म् मिन्द्री महिना महर के मीका। सेका होंदा मह र मी मान्य केसका ग्री भे ने महिट सुरे सुना महिट न। हिन ही ति तम भीस ₹ 3.4.2 . 3.4.2 4.4 . 4 א. 5 א.ם בל . מלא מעור ו בעל. <u> न्वेंब्र्स्सण्वेस्रिन्स्यामुयाचे ब्रेश्वेस्य गुन्दरे हैटायान्स्र</u> यत् अक्षात्रवृत्। देविदानित चेत्रेहेश शुरूय दुर्चत य दिन म्बादि लियंश हुत स्राया वादिर श्रीया मी मीया भक्षा मिर्स्याय । इंदिर सेदे सर्हेर महस्य गुर सर रू निर्मूद है। दे:त्यः रदः ददः माल्कः भ्रीः वदेः ददः **स्वीः सः सर्व**ः दे**सः ददः सर**ंदाः वश्वर वर की परे प र पेंडिंद वर्षा एड रेव्ट्रेश हे हिंद्रे दूरा ग्रेशन्द्रियञ्च दशः स्ट्रिं। क्रयः देना दशः यदे छैदः वा द्वादे मक्र.मोर्म.क्री.पिर.क्रुम कुम.ने.च.च्रेश.पर्यातरेवा.न. दे मुडेर प्रमा झे लेख मुन दे र प्रमा दर्गेर स दर्गेर स दस मुद गासु भे गो प्राप्ता । नाक्ष्मासाई दागु सारानाकेसासु नारा

नु क्रमानुक्रियानुपानमा महे न सद्यानुसाम्सरामा नामा सारम नुस वि न नि स नि स नि से स नि से से विस वे र है। देनिकेश क्रिक्ट इत्यायम क्रिक्ट मानेश गुष्ट्र व्यामर् श्रे वस में पर विदे पर्टा विसेर विदे रमाय के मर् नादस च दे नार्क्स सुद इत्स दस मुल वे दे सकेंद निवस शिस्ता हुए निविष्टा सामा से मिर है मिर है निविष्ट ने हे स तमर वन वन रमर तम्र नवता सकरम से बे राम । सनारमरमा छ । पश्या लक्षा मार्था मेरि नी मार्द्धमा समामिट नट हा प्रवेटश प्रमा विट गार्न हे हें हमा हैत वस सन्वत दस हेन की वह व विदे निय है त के ता केंस मान्त्रवात न निर्मे सर्वर न्या स्वा ने प्रेर वस लेखा स्रोट ट्रेहरेक्ष्यरीमाश्र्यतम । हर्षेक्षातम् मान्यम मान्यम र्ष्ट्र मिन विरम् मि नद्र्य पर भागिता नाम मिन है. म नुर्भे धुन म हेना विंन दर्द में म वेर म नहेना क्रवा वि. लट मुंब्र देशसा ग्रीश चर्च श म्यु मी चारा मारुमा र्ज्न ड सन्तर्भन् नद्वन्य स्। वि.नद्वन्या श्रमः द्वेते. , तुःर्खे प्रतः । । । इवि महिष्स **मर्छे प । । प्रायः परि प्रते सः** क्रे.च.चेष.वे.मह्स.च.चाक्रचा.चद्स.चस। वटासुर क्सस व रे। वेंद्र ग्री पर व वें पद मुक्स के अहर द्वारा ୢୖଵ୶ୖଽ୵ୢୠ୶୕୷୵ୣ୵ୢଌ୵ୢୠୡ୵ଌୢୡ**୕୵ୣ୵୕ୡ୕୵ଊ୕ୡ୵୳୶୵ୡ୲୷୷** पहराक्षं क्षार्वेद्वर् नार्श्व। दे स्मामनारकामरामुराकः व। वेद वमस वद होतु तु भे द मस पदि हैं होंदूर से देश। वर्ने या मुद्रे चुन्नें लेवा ह्यर पर कर वेर्ने गुने मुल र्च तान चार ना से शाहीं रान विष्णु के निष्णु ना से दिः ह्मिया पर मानाहा दिये माने महि मुह मिर हे पर्युवा हर लुद्र। टु.लट.लु.च.मू.चू.चू.चू.चर.मून्या श्रमः म् गूट हु लुब । हे जा ना द्वा जना नी नाय हे खिम नयी. वित्रकार्या के वित्रवा वह वा वी क्या वर्षे मुना का का का का का वित्रवा का वि शंस मिह्न स्ता देव शंस मिहा में न। देव. र्यक्ष.मि. वेष त्वर. बुर । - ट्रेल सिक्ष मि. हु. वट. ववटा । - ट्रेले. श्रम में इ. में मिं नर्षेर यह श्रम श्रम से मा न में मिंदिर. नर्दे श्रम में मुम-पूर छिट है मु न दे न्नुट पर रेन्स

स्.क्ट.वंश । चोअवांश हि.च बट हुं वं त्रीचर शिक हि.चोड़े. त्राचिरावेश । मि हालात् ३ तशःश्रीमानी सीमानसानी में नुद्द्रम् । छिट हे व न्युवानी में वेट वेद्रम यथ। व्रे.मी.सीयास्यास्याम्यान्याः देवी मिता स्विराज्यामा सम्बद्धा द्वारा स्था स्विराणी स्विराणी स्विराणी स्विता यु मूर्य देश वट से ही यु हुना वदे हू व । छाट हू देवट घट दुर्व प्रम । कुथ दे भेद बेर दश क्र क्र दे छाता क्रुंसम रुव्याचिमा त्यस्य में मान्य तमा जन्मी प्रमु कः भेव क्या से विद नी नम् क भे र क्षुस्य भेद स द्वाद व्या क्रेश म्याविष रिटियामी इसाचि रसारमा चे. यहेचा वसार्मेच धी. लेक। सर्वा में विदासह ह्याद नीय रस वि पहेना है दार्गु नार खिल व दस पर्रे क्स महिना हे नव खल कर र है। ने ता प्रमान्य प्रमान मा कि वा स्थाप के कि लगानी अर प्यंदे दे। या अया सुका सना रेटा दे त्या चलमान्यमानना कर्। चेर् श्रीमार्च मान्र में मुक्षे अंदर् । ब्रिंग्येन्य गरा है। वेंद्रे में ब्रिंग

र्ह्मेन में के जेर विद्या में व दे होंद रोस हे दे 'क्षव है. मार्थेर प्रमा हेदे लय दश। न में या ही सामहीर या रे किर्येन में स्थानस्य य पुत्र नु क्रिंग हेस द्वार । ह्यट हू ब र मीज व. जुनास च. चारुचा. लूटे. डेर.ब.ट.रट. वसामामधुदारा भेदातस। ५.५ सुवानु महीयर से म्र्यम भीना र मेश्रार्ट पर्ये मेश्री सेम छाट हें प रे द्वे वे वे वे मिर्पट वह दे सकेंद्र मानस मासे र ही झ न्यूण खुबुब्यायहेव्। इर्वसा मुलाइनार में के वहा मैं मलुनास दस । दे गुद दु सकेंद्र या रे नेद है दायह वा ME. M. & L. 48 . \$. LE Z. MEZ. CI. BA CA ! **१८ मिट झु दिव स्वर् ४ वस व**ेचा च ता । १८ मिट झु. वर्षे त्यस से द दस पदि दर्श हिंदा महिंदा सुर र्थेद वर देश लेश । मूर् दर्गर में भारत में देश दु यह दश यश । श्रेरामि विद्यु अस्य स्था असे छे न द्या नासेर छे छ नुक ख. रु. संस्ता अहर् वंस रे. पु. मू हे. में का जिया हैं र हना नम्ला ने र देश मह्रेर् म नद्वनम । ने दे पे की माला

अरे.श्रेस. मुटे.तथ. हुटे.यी. कुर्स टेर.पश. श्रु.पी.य.ज. न्तुक केना भेरा। वेदाय केंस्स सर्दर नस होते वे हिराहे बेर दशकी भी स वन नु हा के हिंद उस मासदय सारे हुँद में रे नुसान्द्रया दे या चेंद्र की केंद्रिस ना सुसार्धिय ह्य लूस वर् जू त्यामित वित्यकेषा हुत रेस व मित र्य के स् विष्यं विषय देश र देश विषय । जिस व ज्रार्तिर खरावर क्रम वद्य मिश्रम प्राप्त वा व विष् त्व दे निरं बहु। मिना मिर मिर मिना मिर मिना मिना मिना क्वा संस्था दवर देशाय बाढेवा वद या वर देश। दे ता रेम में भ्रिन केना मके। दम खेर व मकेर हेव मनु ह चक्रीर चब्रेट्स देश मार्च होना साल एस सेर्च होता निन्देश रहा अक्ट्रिने में समा कर प्राप्त महिनास । वर यर खु अ वैर है। श्र्राह्म श्रम हमायर भक्ष। मैल म्पंतितर्वर्वित्रेश्वाचेत्। द्वार हु हु वि वि वि वि वि वि म्बेरि-हेटसाग्रेस-पर्सेन वस-पर्-ट-पान्नेस स् मह । ह्ये म् ग्रेथ मुश्च घट हिनास ग्रे दीया तर दी चलेया वस श्रेस मूच

वेद-द-पद्धना-पद्म। छ्यट-ह्य-ह्य-ह्य-प्य-वेद-प्य-ति-हेटस-ति-वुव तथ प्रेट हैं कुब रह हते हैं। इस्ते विर हर वस मर्टा च छाट हें ने भेद पर वेस। ये मुहे मा र्सेट र व लियम द्वामाणी निमाद में निमाद ने निमादमा नुर-क्षर-इ-जना-ब-ब्रुचिश-बश्च-बर- त् तु-सि--रे-प्रेचा-तुर। मुल.व.४.५. हे.ब्रूट.कं.चर्य मेवा.क्.ह्मांश । है.यंश. बिट मी के प्राप्ती प्रथा। पश्चिम्स वस मुद्दे प्राप्त प्र स्ट.वस. श्रट.मिस. चर्नास स्त्री हे.वस. मिल में जू चढ़े चड़ेश व.सू चंट जूंश में क्या थ चड़ेमेश । में हु मिल तू क श्रेश कुर तू श्रेर नर ५ व. वंचर हुवे. ला वु कु बुना मार सामक सेर मारे कुला चे वे हेर हिर हिर खुला लव मी म मू रेश यह कुश कहरे तर चंढेर रेश कुश मी. मेर ब.मोनोबार रहा। में नेर मी मेर में मेर में मेर में मेर में यह रूब रे श्रिश्च रट खे के य है यम रे यहार तथा चीता ट्रेट प्यवस गुरू प्रसंट र सिंट यवस सिंट वर्डे र वर्ग पर्के व कर् वस नाव रे प्रस्थ पर्या चिल्यं प्रस्य मान्य मान्य पर्वे

नुसाम्बिमानु त्यदायसानु नवि नुसाम्बिमानु नगुर्या दे मोर्ट्र यः के पर गाँव क्रीस श्लोट य है। क्रीस य स्वार्थ स्वर हिट निंद दशन है नशनाश्व । नहेंद है हिट ने दें दें हैं। विष्युं नुस्र हुनास । हेना या ह्वेंद त्यस प्रयम । मु सुनान्यर सायव दट छ हैट वट व हेर यदे वरस हिर्गित মন্ত্র-ব্রাধ্য প্রাধ্যম ব্র-ব্র-ব্রুচ বরাক্র্যান্তর ই ट्रेंट वववस ग्री वर्षट नु तवद देवस नुस महिमा या से र्दे पले प्रमाद यादे मार्देदाया के विस्मिक्षा श्रीवापदे गुरानासद र नार्दे या के प्रसासी के लेता 5 सार्द्धनास गुसामकेर वसायर एमानु सम्बन्धान मासर व मेन्द्र होना है। द्वर नार्षेर च नेर च रट १ नायर व खुनाय वर वरोय. बुर । मैं सैवा.ची-श्रद्रवस्य में दूर ने दे वाद्या सवा सम परे भ्रामुक्षाक हे चेंदा होना या के सके होता। सुता सुन इ.स्र.म्.मश्चा पाना व.ह. श्रद प्रवेट मश्चिट य.पा मे सुनानार भागवासर विश्वासके द्वारा द्वारा निवास विश्व केंस्र मुडे मा क्षुर दु मुकेंद्र दुस्। दुस्र दुन दु दे ह्योद न गुद

मु. १५ र राम। पर् स्मिम बुंध मूजा रस। मुलामु र्स्स र्मान हेर नम् । ह्युंस न् नस् र्यास मी निर्मा के नि मुदे नहनायन देखेर दुर्व ३० वर्द रात्र विद दुर्मुव ब्राम्य निष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष देवसागेषु भेषु भे तब्दा भा सेन। देवे पुरू सामु हेवे श्चित्रस्य न्यास्य स्वरं वे दे दे दे दे हे विना सार्यः यः मोद्यमान्त्री राष्ट्रे ह्वायामाश्चम वायुपार्ख्यमान्द्रमान्द्र क्रमासेमसान्यतान्विनायदेशस्यात्रमादेशस्य । देखे म्य नुसायस । देवे क देना दूर देन देवे वहवे सके वस वयना निष्ठ न हिस। द्रारा देश दे के हेदे के र दे निष्ठ म नमा हेमार्च १ नहर देस दे दे दे हिंदू माना ना दे भ रे अ में पश्चेदाय सर प्रवे प्रवाद में प्रवाद प्रवेदा में प्रवेदा दे नुसाक्षानुदादसाने त्यानुदोत्तान्तर वी स्वा नुस हे वर्क्षे नन्त्रिन् नुस्रस्तर्भात्रम्। मुहेराण्टार्भायान विश्वास्त्राह्म अराह्म तामहर्षा द्राष्ट्रीय विश्वास वि हुस शुरु व रेट बिर वंश नहूट नर वंशर वेश है। में है व

रे हिंद प्रवद देविदे विक्ये दे विद्यादि का हिंद विक्ये औ इटाटसन्मसुटस। देत्याचस्रसायसाटावर्देरावर्नादः कॅ बहै व्यक्ति क्षेत्र हो। वेंद्र खुया दुः झुकेंबाव बटा वेंदि पिटमा वर्षेट पर्ये हुँ र रूटमा मुका गु पर्देश पर्य देवे । द्रम मीठेना नहं र चे दे खेना नु खुभाय। अनु में भिन्य सा मुक्षा ला श्रेय दे. च श्रुल श्रेय हो। चरेचा वर्ट च चर्च दर चर्च दर वायर यक्षेत्रमात्रः द्वेषः के द । यद् में पर्व व सं है रमाद व व केर नेशक । यर्नान्ते संस्वरा तथाकी नीश्वर में निया चढनासः ह्यूरः चेर् 'र्'अक्टे'सास्य'र्दः मे्सि-उसः रे 'स्वसः ग्रैसः लक्ष्म् नारा के साजुराका चिंदानु द्वारा के पदेंदा वे अदे सक्ररावसाम्प्रताता सारमाम् मान्यास्य वस्यामावेदावाकायाः महिद्यामा नुमावर रेमा मूरि कर नुषा नुम यह द्वहार्च वरे। मुंदाई है स दरे श्रुवाराद्राय मके। ना पर महन प्रेम उन मुका गर हिंद

M. से ब. चेश. ते र की हों र त र ट. होर न शटश चेश की. अट. वसन्य नमुरे व साम। नार्दे दसर मु खुलार रहा पते क्रमणी मिटक प्रीक् यह रेने यह यने स माने के रेट यर सिर पहेर में दे हिंद के दार ज़ेर म क्या दश गुर में हे विद्रः बुर क्या पा माश्रर क्षेत्र विश्व स्त्राच्ये क्ष्य प्रमा च् हिंद मोर्वदा निः द्वाद चावदा अदा के वदा ने मोर्वदा दक्षा बॅ १ व श्रूर वेर खुव र मके पर विश्व वा वर्त्तेव सिक्त में स्ट्रिय सिक्ष महित्य है सिक्ष मीर दिनाम य अर् र्रे॥ रे मूट हिर छोना उदे है स नु नट खना ल ना न न नाम न दे अमर दूर महीस देश । छना चक्दर द्रास्था वदान्यः द्रातस्रुक्षस्य वसाक्षाप्तः हेनासामः य। ये अपमार्श्वमा सद्भावमा द्वे य द्दाप्य प् रेश। त्रे.र.भवर अटम.मेश.ग्री कुम.क्याशमा त्रे. टे.सटम.मेश.मेश.पशिट.रचस.चसैनास.स. च्रं में.चम्निस. शुब् खुंच त कू प चीर दभ । वद्द प्र लव संस यदे प्रमाद्भायस । देवे सहिं ने साग्री प्रमान

वर्षात् श्रु नालेगम। नुष्य नु श्रु वर मार्थे प्रमा सेंब बना ये वार्नार नम हिस न छहर नहस्र दस्र केंस्र मिनेना येच रेशर वियोध यञ्चर ये. यद् . सैंबोश रेश चीड नी. परेंची. ग. श्रद बस वर्षेत्र । विंद ग्री चर्र व वें वे विवस वर्षेट प मर्हेर मा अर गु मुभव रे मुक्र सेंक यादर। देवे बित रेश शि हेनाश हेर ग्री के श नेहन मिट्टी देट हमारे. उद्या देवे हेस सादर् सुन नुमार्सेस न्दा **न्दा**स केर हुते। देवे हेश या दरे हुन पुराने सेया नहा हुता वि.कूस.पुर.तर वर्चीर.ह्या वृष्य.पीट.चर्रेय.यंस.प्रीचीय. यमःमिश्चमःपञ्चरःर्भे। वेदःवःर्द्धमःगुःपञ्चवःवःर्वदः सद्यर केंश्र मुख्य पर देंट । देवे द्वीयवे यवेश्व मानेद इन्दर मुक्त संदे सन्नो क्रिंट नार हो है लेख स्तर ८२्ता नम्नता भेर र्रे माश्चम्सा वस त्राप्ता नाकेस अर उट्या दे दस के दायस मा के सा खु महीय। दे दस सद दी दम्मद वज्रास्थ वीना याल्ली वाका वर्षा वर वर्षा व

इ. अ.च्. इ. व. मु. इ. व. । अ. अ. अ.च. व. व. व. व. व. व. यतु. स्ट्रिक बिना चर्षाया हुनामा गर् प्रत्योद या प्रथा द्वाया की स्वीता द्वारा वा स्वारा हो तो के प्रतिमा मिश्रारीतायह्मास सामेश। माद्यमानीरी हे त्य क्षेत्र मिट.कट.भासत् । नाकृता ना अपना सम्दर् है से सा ही । मीठ्रमी चीक्ष ह्या सर्वेद्र दे मी रश्रामणाय हे तर्जी शास्त्रा कर नुषान्दर नु के देव प्रमाधायाय सुना नुषा देवे द्वे सिंट्स.र्स सुर् द्भेर.टरा. चादर.चा≅र र्रोस.सीस.सी. यस. वस इत सन र न वर्ष न र न न न न न न न न न न न न न न य् लर् वर्ज्ञेची. सि.क्षा. टे. कुनश चुरे. तस.सुंटश. च रेटी मिन व से बर्भ पर मार्थ तथ । विद स विदास्त्रिय प से स ह। मैत्र व से कू पर्वेद्या त क्र्य वेश तथा पर वर्गा था. वैशक्षेत्रभेत्रम् द्वार्याहर्याता के वर्षे में रावेंना मालाविक्षा शुक्कानुद्वादि विरूटा नुष्कर मानकार् नमुन र धुक कर वंदा वस उर में ह्या र में हेदे में अ.से.में में शे बे अर में लिय रे शिया हर बंध पंत्रीरश नही.

न्। यर पद्मा दसार्से र पर्देव । दे प्रसास समास विरादमा स्थापन विषय नार्टर दमासा दिन्या दमा ने दमसा सा स्रम । क्षामद्रान्ग्रावनाकेर नामानाम् मानाम् नश्चर । देवे अभाषान् केषा चेद खेवाद असारास देव रे दु दिया केंबर में प्रवाद मा बाहेबा हुर दूर वेहर मके हिर । स्रायन प्रमान्य । वर्षान्य प्रमान्य विका नेदे हिंद सहसम सदे हा भारतीय । र सर महिं मा माई हा यन्त्रमः प्रसः देशः यञ्जातः यन्त्रमः विद्यानाः स्वानाः व वद क अभा । विश्व मा द्वाय विश्व में किया दि विदाय नाकुँसाया सुन् सन चेर् सन् चेर महमा 👙 होते हुस कुझः वश्च.ह्यं, इ. सट.ज. वचर. सेट.सट. हेट. ज वश्चित. बंजात्यः लालेस तथ पश्चिम र स स्ट्रिक की मान माना कर है। कुभार् श्रीशायवट मेजाम् हिन्द्रायट वती हजा हुन श्रीभा ने मा नाया श्रम न अंदिय मध्य मान्ना प्रभा = विकासी से र्टानक्ष्माः भाषत् । त्राचे भाषत् । यह का स्थापता है। यह स्थापता स्थाप श्रि.श्रम.प.श्रूचा.कृष्.मी.क्षेत्र.भ्रम. त्र.रंट. त्.मी.चार.तीता.

वकार्यट-देशहै। कुन्नर-दर-केन्न सर-स्राय-दुन्नस यर कद वस। जेर देंट वस यहेंद वस। इंड मार्डस ज. मि्र्येश-रम्भेश-रश्च. लम्. ज. दश्चित । देव . रेश-शि. लेज. द्या केता विद्यालया विद्यासम्बद्धाः वास्त्र के विद्यालया विद्यालया नदे विस्तान कर वक्सानदे देना रुपायम विमास क्ष नामका द्वार भी में क्. भूट हीट में हैस ने स मह मा का मान क्षेत्रभव संस गुद द रे क्रिंग परेद केरे हैं पर व है क्रिंग ्रवमानिशामदावस वे त्याची, शु. यूरे हे. एई वे.क. तील . वस पहर नुपर्सिय दह हैं हैं है पदेशक हम वस हैं है मध्येर के प्रमा है। ह्या ने प्रमाद ने मिरा पर वर्तेस.डे.ष्ट्र.वर्त्वम। व.नट.व.इ.व.क.केर.श्रेश.व.रेवाच. **तब-छर-छुक-द-दन्द-क्रेट-दन्दा** वन्द-दे-छुट-छुक-तत्त्रीय जेर स्व व र स्ट मी खर ही य द्वाद में दे दे देश यायाळेचा प्रमाने नार्दाना देशमानु स्टिश्वर क्रिय विमा नमय। समें दीमर स्नीन स्वम र म स्वप्ने दु श्रमाम्याद्धमानक्ष्रमानक्ष्रमान्यक्षमानक्ष्मान्यद्भामा

देनायायमीयादे। केना सुरायसाहारीमा नुप्तायस्य । मदे सम देना नुः श्रुस ने। अर व्हें हिंद रहा है उर है। **ल्. धुम.पिट.भक्ता.लट.**श्रट.क्र्र चेश्रण हीट हो विर.ज.वे. मारेमा हो सामा दे पा दर का ही ने पास के किया में दे हैं हुए। समामा देना मी ह मेंना मि से नक विक हर देन म नश्चन पर बिर दर के के से दे कर गुर पे स पर हैं है स **ब्रॅंस्टर्फेट्केश**व्या ह्रेमायुटामवेस व्यानह्रीमया पर् **हैं। हेदे इन्-न्यन** सुद्ध दे हैं अप दे हैं या यदे हिन् **मु.सीय.रट.यम.सीय.**रे. अक्ट.चेस.तथ । हुनु.लेय.येस. **द्र-४-८स-अट-लेम-मु**.चि.मु.सू.२.-वश्चे ल्य.चीश्चटस्र। चीमारा कटालरावास्ट्राचारे व्या है। सटाकी व्या अवी श्रीना तस वसुवस अर वेंद्र खुल दु सकेश र व मुल वें भु दर मामुर्था मेर्नु क्रिंग महमस्य स्वाह ता हिस | दे **१५ रे विवाद।** कुंग छ श्ले वर्रा श्रेव या परा । अया के **भै नो मठिना नहेनास दस ।** व्हर हें द समस दूर सेंग म महर्पास । दर्व अव सेस क्रेंटि व्यवस्थानि

नर्ने के स मुद्रे मेरु। के गुर-दर सुर-दर्ने स सेस गुँभावितावर्षेत्रस्यात्य देते हे ह्रेर । स्त्रीय प्रतितात्र देते मुरे अन सेस ग्रे सेतु हैं ग्रुट दे के दर्भ की भेने न मु सेस समें स ले हु के गुद्द न क्षण स्थ। पर व से में व रे हर्तु .लय. मुख्यों). कूल.पीचील. तबहः त्. **ची**ड्यो. **से** असल. शु नविश वर । ५ तहेना हे द नी हों र न नहर में निहना वैद्यान्त्रा रहेते। सदानुःश्रमान ग्रेम वित्ताना महेते यद नुस दर् थे । हुस नु प्रम नि मुद्रे हु हैंस प्रमान चुद व अव सेसामेतु कें गुद हो तिसुय सदी चेंदि अद से हुई विश्व पर्य पर्य ते हैं विश्व देश में के प्रें प्रें प्रें प्रें प्रें नार्वे. भून मिर् तः भूरं रिश निश्चा नर्ना में ता मक्षाः तथ.ल्रे. भक्ष्यावम । भक्ष्यमा त्रेत्र ह तम सेटम हे भीम सर् नितान दे ता नुका द द या क्षेत्र। दे दस दे हे निक् य प्रानुब यस कुम व द्र हैर हैस। दे दस स व व्हा द यान्यन्तर्भ द्राचे श्रुद्धित्याद्रम् वरम् विक्रियाच्या

. वहातर द्वापर नी श्रास्य वहार्ह्ह्य स्टाप्त वरा मिन्स र्देश या भेर देश है। दर् दर् दर् देश सुन्स में बरातु एट में दूराजा पड़ेशाता। शामिशश स्ती पर्यंश विषय हो। के.राज्यक.वर मोरेट,रचाक.चरेट.हुर्। मोश्रज. क्रांट बरे हो। क्रिंश में मुद्र में दिए हेर पर है र देव। मास्या श्रदःस निष्य नाष्युः नुदारुषः नार्थरः केषः व किष् भी मिर्रायायाये नायायुक्ता केंना नुः नाये र हिटा वा क्षेत्र । **५ मिं५ ग्रेस** मु खुवा में . इर सा ५८ । सट खुवा में . इर सा र्टा मि.मु.म्रम्भासम् रटा मि.ला.वव.२.८८ स्मामश्रास्त्रीत्र्र. मिन्सुर निर्वे न निर्देश दे निर्वे सन्दर सद मे नद निर्वे स जिस में रेवे ने सिद्य व अर प्वच्च र पवे नु र नु । विव केंग्रे र देहा। बेहासाबिहासुरसाबसाझुरी मिर्ना मेश्रिसा क्रिक् नेत्रप्तिषा से विद्यान प्रमान । दे विक्र ক্রীস্পণ্ড । প্রিমশান্ত ক্রিনামন ক্রমান্তর करानु मान्द्र सुना यास स्रेश समा। इति नु सानसिय पर वु.पिट टे. कि.शिवम.ज । वुस. मिश्रम. रेट. श्रेर. ज. र्यं वर्ष.

नार्वं सम्बंदेश सकेर् द्वार्तान्य दे हे दे क्रून्ट्र निर्मेश मधा द्वानाश्य हित्याचितातर निम्नाम मानहीर नि मिश्चरका ह्यें के कर तार्मित न देशक दे है। सद दे हुर्- दे नाश्वर हैट में जूनाश शि परेट अकु तमा हिन्दे दर्ने मु सुन दहरश य क्रिंश नश्चन **गरा नुपर से । क्** अर.पर्टा पश्चानुकादायस्य <mark>तेसारमान्यस्य। सदार</mark>्दे सके विश्व मिं में मनशासी कर की मार व देने हों में सामा र्वेर व नी अप्ति है। द नी है अपा मुख्य दि ने दे दि दि । क्षे वे अके नदम हेर्न में गुरा हो सम्मी परेन शट. चु. चट. चेट. वंश श्रेट सिट. राष्ट्र स्त्र में श्र. हुंश. परेंग. त. ने नला वा परुषा द्ये नला व परुषा हेट सार् वर्श्चर्या अटा श्री मारा ने वारा श्रीटा ने अड्ड अवस । विट स लिए मी सिराम्डन है। मानु ही है दि पर में का से इर महें य नुस्। प्रद्यानुष्ये हेर् मट द्वे पर द्वे महर्द य नुस् मुन्दर रम। नुरस्य गुः विद्या व

वस । वस मानव थान्नो व लेस पर्व ही नुष्। मानस नाग्रीदालाक्ष्मानश्चन । चलासुलादु द्वान्यवाहे ला टॅ के ब लुस है। सम्स केट वसवाय के वह ५ ५ म्हें ५ सट तिज. रे.हिंब. रटम.बम.बोद्धवी. जनी.चट न्रोडेश.वट्डापीम । श्चेद:रेश:वरुम:खा:द2:वा:लूद्:खेत:देश:**शंधस:पश्चेद**:बेस: वस। ८.ज.लूबे.सेज कुचे.चिश्चरम । चेश्चर.टेरिज.ज. र्श्नाश पदे र्दू दरा अ दे दे दरा ह शुन्तर दरा इस न्यून दर ज्ञव दर में इ प्रमध कर खेला दि उट खेला के ना नासुरसा कर से इ. गुरु वसः सुझाया सर्वया पदे श्चीत्रा रयामुवरायुवाक्षेत्रसायक्षेत्रयारा द्वाव य सर क्रमावद्यमा हिर है। य. पर् जार जेश वर प्रेब यर भाजरा श्री पर देश हैं जिस देश श्री श्री के के कि र्वस्तु व स्त्राम्याः विद्यु श्रेट सट से वेस न्यट. त् वेश वि.वर प्रवेर रू विशेरश का भवा प्राप्त श्रेण वेल. शहर । विश्वासूट में मिट पर पर्नेश मेर्डेश पर हैंश वार्श्वेव द्वेव वर्ष नु नु वर्ष वर्ष वर्ष के द्वे दि दे दे वर्ष के दे वर्ष के दे वर्ष के दे वर्ष के दे वर्ष के

मनेशमानेन सहि यर है नान्य वुस यस। द येंद्र है क्किया व्यव देगुरिमा बेना क्रीयर पुष्ट स्वय स्वयाप्य स्वर हरे र् यर वर्जे देर वर्जे देर हिर हैर हैर वर्ष र दें देदानिस्मार्केस गार्ट वंद सिंद वंस दुसाया ययस यस। दस वर्न गुः द्वी नव दर्व दे देनी मद मने स मारे द उस वा ध्रम उर्देश र रे के दे ते दे दे ने ने ने ने ने ने ने ने ने हैं है है है नु-द्रवाश्चना-द्रम्द-द्रम्मम्भ्यः मेः व्युद्र- क्रुद् श्री-युव-दः डिस-छ-नदे नार्यका प्रमाणका प्राप्त नहें स्थान हेस-महास्य । ः अ.६२ प्र-न्य-स्वानु मानेगम । मंभज बेट. हो चजालीज टे.से. भू ने नम कूम. नसिव... गुर्देश भुष्य । यामाय कृतमा विदेश । विदेश हित प्रतिमाश्च महिम देश तुम च दार (क्या महत्र पर) च १ यन्द्र प्रमाणियां स्टब्स् वार्टियां स्टब्स् वा प्रमाणियां प्रमाणियां स्टब्स् हे ता बुरमास्वयानमा हेद विभावमानामाना सूटा हिंद हूमा ना मना नेद्रिक्ट वर्षा बेर वा कद य द्वर अद्वास सम्मानहरू।

वर् ने व्यातिकाति । व्यातिकाति वर्षे र्ट.लट.वर्.भकुस.बुश.चंदीत्था इंश.सम.वंचनस. म्बर्यायदे हेसाया द्वेबाया महिमानु कुयाये हा हेसा ग वज्ञानु रेन्य । अस्यायान् १ रही १ न्याया माञ्चन, चर्चेनाश. तट्च. **शक्टर. बुं**च. रें. शुंश. च सीज. च**स**. हुंद्रे. विम दश हिंद् वि हिंद के के लिया निवा पार्गु व मीस नासद दे वर्ज्ञे वस खुवा नु स्रांदा व विवस वा स्रांदा नवः सिर् ग्री नामूल ने नविनाम न्यानाश्चरम । नामल हिट देविन खुम नुस्ता वर्ष ने प्रस्ति कुर न्या है। वित्रात्म संग्रम् या हेश वा न्याव पदे हें व व गुव न्य हैं नि.चर्. भूषा मेरेश. चेश.तश. बेट.३.तबट.ची. भक्षरे थंस । बिट.भ.बिट.र्.ट्रांत.क्र्स.ल. भ्राट्यंव. तसाचीमांस.ट्यॉटस. में त्यापासकी हिंद ही पत्र पर दे ता सरका गुपर क्षेत्रिम विविद्धास्त्रामितः मर्देष । अत्योहेदैः द्मेर्द्रश्र.च.प्रमुच चे सके च ख्र.क्र कर् । हि च बर मे हि द्वानी स्वा है बर्ट अं मर्टा चहमामान गुराय।

भूच.रे.च.रचाच.तव्रजाबस। चेजाचेत्र से.क्यास.कु. कवारीनाथ महिन्यावेटाचरासार समुदाया हुरा सुरा सुरा । दे भक्त हे त्र प्राचे देश है अप का । हे दे अदि देश मुं ७८. सुर् श. ष्ट्र. त. बट. त्रीड्रच रतीट जू. त्रीक्ष अकर धर द्या नु यह मान हेरी सु कें दरका होद वरेवा कें। विस्तायन में देग्राव सम्तुन्त्रमान हर्व प्रि चडरानी निमाल ने में अन्तर अर्मेष में इसस म । बर माल्टामा हु र के व र्रा मान्य स्तर यादे परे व वे ले स र्रमा दशन् निर्मात् निर्मा साल्दानिया देशिया स्मानिया यंडनास यर मुर। वृत सुनास गुःवाद से नाहेना मीस वट में दे में टें या हे रे प्रमुख है। वट म वट मी हेरे महूद स्वि-यार्वेद् व्ववस्थार्भेदावाम्बिक्षादे । सुव केव वे विपसाने में परिवादमा महिसाम के साथ विष्य विषय के परिवा इ.इ.स.क्षेत्रा.हे। ४८.ची.वित्रा.टे.वेत.३ज.वेस.वंस. प्रमुख्य। अर् भेर्नरे लिए हुँ के हेर प्रमुख्य प है बुद्धा हेर । हाया बदा केवा से चुदा ही बिक्षा मुखा वयदसा

गुरुश्ची८ दे और । भै.यदेव.इर.यस । बिट.ची.भु.लूट.ल.यकेश.यस.चेल. चित्रस गुँ मि ता तो भी स गुँ ख़ुद रे रे दे दे न परे द हेर देस छ. एवं. छेर छिर । दे. खेंद हिं. पत्र दा नीस खेंस देश । हे. तयदशःगीवःकूर्यासःतपुः देशःश्व । वदः ३ व वदः मीसः कुय वर्दे सुरुप्र हे सेया पर्दे रेस मूँ वादर म्रार्थिय प्रश् मुर्धितवार में सर्वशा हेरे समार नियम सं वैय पु क्षा दस । दहेवे वयस स्वी क्षा के प्रसायद लेशासके प्रमा में दे में समें सामि प्रमाद रे हे दे ल्यस इंगमरे है। वुकि देने थिन दुष्ट दे है। हुन दायशके पार्श्व भेद्र | नार्हिमादानुदिन्देर | विदास विद्यारे। ब्रिंगामार के विदेश विद्या सूर्या माठेमा में दुर्गर मार हिमार है मार म्रीट पर्या सर्गेश द रे यन देर म तथा। अट द पहते सिर्वास शु ने द के प्रमा विर म विर द रे हैं। वसःस्यास्य हेनान् सके वस । वस्य देश वस्य स

बिट. मीस चार्शिट. यस । हे. देवीय सुर है. यस सुरा नीह मा हेर । दुस्के हेलान रे बनस हेरायारा पद्मा प्रमुद्धावसा मुद्द म्मुक्ष वटार् रामक र से इटायस। म् में मी व है मी द है मी द रहा भर्मा श में श में श वेश । मेट ल.वे.सूर ग्रे.क्षेत्र सूर् तिश्वाल क्ष्यः श्रम् रेसीचुः बैकायः म्बिन्द्रमा ह्विन्द्रदे में दिन। विन्त्र विन्द्रमा र १ हिंद केद वें द रे कि स नवर महिना हेर। पर्रेर वरानीनानेमासमा द्रिरादे । द्रिराह म्ब्रिनामी बेर हिर वर्षे पर्दा स्वर हैर है या थे थे प्रोत्। व्यासं प्रमान्य वृक्षाय पी के प्रवासे र व्या मुस्यान्ता व्यापने नियान्यान्यान्या । अ मूर्ते के हैं हैं र नाट लगा द गर्न । स न अर्ग मूंस गु मेना नी उट म मर्घेट यस । अर्गेस निय में हो देना नुस्ट व लेस व्यव । वे के मुक्त हों वें वेंट मी वागव र्राप्तिना व विकास स्त्राप्तिक विकास स्त्राप्तिक विकास स्त्राप्तिक ट्रेवि.लूस. वर्षां त्याचेटा तते सर वर्षेस वस् । क्स.

भे त्रोयावदे र **प्रुर्यय श्वस्य रे** वसीन व्यवस्य सद्वाया में में स्वायम । स्वायम मान्या मुक्त विशान य.बुर.पंतरी हराम.बंद.जा.भुरे सवस.बूरम.जस.चीव. त.र्टा इ.स्.क्.क्यम.नप्र.रेस.सं.बंट.३.ववट.न्यं निर्मात । असः सूर वहव नी साझ क्रस सहर वसः जुनास । इ.संस.लय.ग्रेस.ग्रेट. ई.स् चवट. त् सहर. तर्रेत्न,र्ने. बट म बट मुझ निम् मेर्ड झे निम् खे हैं र्हेन द पर द्वार दुना य। क्षेत्र मु खुता दुना वस भे हिंद नी स गुद स वेनास । सद धु अ दु क्षेत्र वर कर तस.ट्रेंद्रि.चोर्थ.ग्रीश हुच। मुद्रे ही ही र अर प ही र टेंट्स पासक्री वर में र क्र में व राम श्रम ग्रीट स उर पर मुमारे रेपर। त देन में सुन हैन रूप हिंदार र् श्रूर व मु ह विंस है कव श्रूर वेंद्रस यह व्यापिर छर्। र्शेन प्यया सेसा स्ट्रेंस सहदे या हर सहदे ते विवास प'वड विश्वास्त्र प्रमान मुक्ता के कि कि कि कि कि कि कि कि E. प्रमाने प्रमान विष्युत्त में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के

में हैं हैं र सद में देवास वस मिल में नगार हैं में र नहना देश । ट्ये लय मुश्यक्रिश झे प्रूश ४ हर्ट या खेर नी श क्रीनायादे वडा में झे अर श्रुव हर मा हेर रट.लट.प्रुस.चेर.ज.१८.टघ.चश्चिटश.तथ । प्रुस चे. नर तक्यावया र क्रिंग नेर पाया समय विद्यार पर्वे भे व्यामुक्ष उदासु व्योद विकान्नी वासम मिने व से नामक श्रेट भट लिक वस द्रमारा हुई सेव हर त्रा.सकु.बंश.वंशन केंद्र,इंद्र,व्रिंशकर अकुस.हं। ट्रे.ज. बिट अ नवट वेर न ने स बिन ने नाम के वार वि वार **१८.**यम.सीम.स.स.सी.सूरी स्रीर-ट्रेट्स-मून पर में पस नासत श्रूट नास मार्स् वा च हें दे वे अ हें र दामहैस । दाष्ट्राचयापुवादा अन्दिनुवार्य दे दादानी **श्चेंदः नदर्न रही ५ उन्यानार्द्धना अन्य अभवस**ाया महिनाः मर्कस लेस न्यांन प दूर | देवे लय दस हिंद खान रू मार्ग् पर देर मे द्रमुन् दु में कि प्रमा त्ये त्याप श्रुम वर ख्यां म सम्म पर श्रुव र्ट्र स विव

चर-चर्याच-ङ्गिता। चास्त्र-इस्ट-चर्या-तीय-टै-मकुश-४४ । नम है स से के निर्म देश विय सहस्र । नर्द में दे नगाद स्यय वर्ष्ट्र दे विकाक्ष्य दुर्मिक्ता यक्ष । प्रतिर यह वर्षे श्रूट र दट होर पर्ना वर्ष के होट मी वेनास दटा विद्या मुन विन मानिन मानुसा सार धुवा नु स्थापन में पशुर सकैसन्स्य। हुरिक्टर्नु दर्र दिनी स्वयं सर्भातर भट्टी वटार में ब्रैट र-दित्। का. व् ये देर प्रविभावका स् वितः दे हि ता वे का खुवा यस। सिवा सः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वरः वर्षः वरः वर्षः मक्षमा लट हो र दना वर हो नय हो से दव हमास दट। स्य सेव मी नमा न मी द से नमी द । दे न दे ना से माइद भक्ष.यंश । मट.पु.रंट । श्रुट.वर्ज् के अट.वाज्ञवास.रंट. मक्रमस में झ नाश्चम प्राप्त हा र दे दे स्न स मी दर क्वा.श्रुट् चांत्रच चांत्र कूट वर्ष व । ित कु.श्रुश वंत्रट चां कुष्पत्वर निर्दे निर्देश वर्षे या वर्षा या वर्षा वरा वर्षा व याने याची र्दू वर्वेषा वस । स्मार्ट के व्या देश वस होन

य येन्स से 'हेन् य मे नु य मे न हैस से हेन् य मे यनदायं सेद। इ.र्गोदा सकेवा नाश्चरा सकेरी महेरी र्वेर खेमस उदायायदाया मुल्लेर दुसामित । दे हिया मास्यान्या होत् च कु के व व वक्ता हामा विमाय मिना पर्वेशका वर्षा वर्षा प्रमा वर्षे इता नु सु राज्य है ता सुना वि चर वास्ता । दस वा के चर्ना में नाश्चरस । नसाका द र से व तुर होता होता नहीं नदा नाहोर हि नदा विमानमा मुंग में ने में में में मिन्न नमामुह्म । छा ठंड द्र हेर् कर्ल्य सम्बद्ध लेख चगाद सुवा चाया हेर् सहस्र मुस देर श्रुट मी नहंद राज महिना यन मदनी मुद बुद्धनि जिस य नाश्चम मुस्य ने सर्वे देव पुरु है। स देटसं म करस महे न सुना हिन् गुस सबद व्यवि गुं सुन त्त्रिय। नाश्यम हैट मी.यट कुर.येश मार्थट प्रिय मिन. मिस्स छ । दस पद केंस दर पर पु पर क्रेंब सम पहन पंत्र क्षेत्र त्यम निष्ठात्म प्रमा निष्ठ प्रमान क्षेत्र निष्ठ

म्स लिब बिट वहा जब हुन जब चरेंच। त्या इरे ज है चरेंच यभः विश्वन्यशः मुभः वे मिंद् गुः देव वा वा संह्रदः वर्ष्यवा वः दराञ्चराव। ब्रॅट्र<u>ाच्याच्याच्याल</u>ाक्यावादारा व्यवसा माञ्चरा निर्माणका । अर् नुःसार रेसा स्मार्का निर्मा त्राप्त्रिम्बर् क्रम्बर् स्रु त्राक्षे स्मार्थ स्मार्य हेटसारा दिए सुर व पर मिश्रक प्रदेश कुथा वे दे हिश्यक खुरा न प्रदेश हैन ल्रा द्रिगण्टार्र्द्विःसम्हिनस्यायस् । द्रमायदेःह्रस उर पर्नेचा बाश्चरका । डे.बेक.ब्र्. चंट.प्रैंट.वर्ष्ट्रवकाश्चामाञ्च ल दर्भन्य लें दू व वश्रीय ने व्याविक निया वह दूरा प्रमास वर्षे वर्ति द्रा । हेद प्रतिय वह वहिस गु र्रेस य-१९ पर । यडे शेव'वन ये गुब स दन्य है। ये च बट. बट. क्ष्म. मिर । क्षे. म. रथर . त्. रू. ज. सूचा मिन। सु. वर रटाल केम चेटा वा वर्ष त्रंस क्रम वस वस तम तम वर्षा क्षां उ ने प्रमास मिन्न र्मायदे केंस प्रमुद्द मं प्रकार । जार हु मिट खेट द ्ररूप्तर मुख्याय । क्षेत्र मुद्दराय । मुक्ष वर्ष हुद

लामावसः महोराष्ट्रेः हे माराष्ट्रियः दसः ह्व महिला ह्वराद्धः । श्रद्भा झासुदाना ना दिए हास दिया वर्ष श्रामी द्राप क्षेत्र भून वह व ब्रेट न हेन्स द्राप्ट हैंद दश। ला.व् रेट.चीर.व.चेबेचेश.च.ज.श्रे<u>र.च.चेश.वे</u>चे. महेम वस नासेर नियाने तर्ना व्यामाश्रम नुस्थानमा यर्वाःश्रेषायाद्धराष्ट्रेः येर् प्रश्रसारुर्वित्ये ये विष्रार्वितः नवे नुसासु क्षेत्र हे वनस देंदा द हा क्रिंस मे न्यान न रदा ह्यांन ्रहर। १४.६२.शर-मि.चर-ये.चाचुनास-चुना चर्नाः नी विर स्रेश्चिम् उर प्रवस्त गुरु से द्वार में विर है। क्र भ नमि भ दिए पर मिट पर हो। क्र भ ने पर पर माचना नुःश्रुव पट्टेव पन्दर्द लेखालुख । ष्यार् ठ्वे लेखा वस। ह्रेंब प्यासेस ग्रे सु रेसाय। झारा महुना य उद्देशस्त्रम् द्वि पुरमा द्वेद्र यस । वेद्र ममस्य सु मुक्रिक्षेत्रमानुमाना केस त्य की दम्मून नसामुसादत देश मुल वे वे सु के मुदाय दे त्यश मुदायश सदा सुदा में है के नगु. न र पक्षा नश । झे प्रा देश होना नु पर वा नक्षा । हा

मुन मु अपादाद्वी श्रीदायह सं हासाबेश सामान्या उर नार्द्धना महिना महिन्द्र विकास मिन्न विकास क्रा.जातनार खाने व नार्य क्रूना रात वर्षेत्र व सि.मीहर मध्याम 'मायवसायस' यूर् टे.शि. हुंचीश त भु. ४ थु. चीशिट. वसामार्थर से मिर नाट नाया है या नमूसका वसामालव नार व लर.चर्चेर। श्रुट.चर्च्ट झे.लिट.चोड्ड ५.क्रुश्चर्ड्य १४५.च्यु. **४%या यहः क्रिंस.ता** श्रीट.ताश । व्रिक्स.सम्.स्रा.पश्या यहः र्क्स-पन्धरमा है। हर दें मिट हैं में व्याय श्रेप्तिम। जार वर्मे क्रिंट र दि निश्य हैंट निश् बैट कुर के जिया शर तश्री राजशा कुरा के कुरे रे के लीज. नु वि कर वर्से व है। मुव व व व भारह्मा है व व व नाम है। वनसासु नाद्यायर कर उस। १८५ र्वे र हिट कुट कु जेन्द्रान् ने ने निष्या निर्मा निर्मा वित्ता निर्मा निर्मा

য়ৢ৾৻ঀৼ৾ৼৢৣঢ়৻য়ৼ৻য়ৣয়৻য়ৢয়৻য়ৼ৻ঢ়ৢ৻য়ঢ়৻য়৻য়৻৸ र्यादेर-मि.इ.प.चेशासासाय- ६.७वा. भारतातायक्वायः रे। राष्ट्रे ज्ञाच र्नुना रमालना र्नुना सन्त स्वास समान हे भार्चे १ म पुर रूप सेसम ५ मदि ह्यू या मिहिमार्देर हेर। दे के मेश हैं सामस् दि हैं विवानी केंस यस मुद्देश देवै द्वासद्यः प्र द्वास पदे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे म्केश हुरा। दे.मि.हुरु क्षेत्रे मासूर तथा दे माहेश. त्रान्ते सम्बोद्धे स्था । द्वे दुट दुर हेट हेना यर खटा वुरा। कुंशानुभागन्यायदे नुम। वें १३ मासुमार्डः वुदावस। वयमानदादम् न्यंदन्दाञ्चदारा त्रवदापसः दर मुं केट मिट वस्ता भीट दाया वस्तुर रेस मुं वस्तुर दश है विद्युद्ध प्रमा संकृत्याम् विदायराया कना सार्था **३.प.इंशक.ग्रु.मे हु.ज.से.ग.चेका ।** चे.ज.स्.३.२८.क्प. शुष्रश्चर्वत् स्थ्रियाचान्त्रिश्च द्विताचराम् निष्याच्या। स्रीत ब्रैंब नवेंब नु पनुषा विद्यान हैन देश द्राणान द्रा

दमामान्य वसमान्द्रात्र मुकानाना । असार्यः राजा क्रैट ज सु हिर् जराट्ड विक शि. हेर् च. व. व. मेव्ड. हु लिना समिव दे रे प्राप्त । विद हिन से सस द्वर में १ व्र बेर मदे दनगणुर हुँद दर्श हिंद स्ट रहेन सेमस न्यव न अन् मुन्यदे सुवाया प्रवाद हैर । हिंद् के वर्देर यवे छ द्वाद हुँ । विश्व नगव दुवा न्याय दूर क रे हेरे ल्या अर्थेट या हैं दमार नरे सेट र माल्य प्राप्त के पर चयु स्योत शिट स्थेता व तासा १ देवी र कु व सा सकुरा थे। निवर ह लट से निक्या दे निट निवर ने से सारी ट प्रेर निवर केर द क्षेर्र पर है मादद सके य रदा र नु हे मादद है नासमार्श्वा कुट.वर्च संत्रीतात में इन सुद्रावस वहार वर्दा। खुन्न-वद्दु-कु.भ.स. निट.चकुना चर्मान वस्ता वस्ता हिट. मुक्षः सूत्रः सिद्धः दक्षः वर्स्से स्वरः देवः स्व । मुक्तः हैट.ज.व.रचर केंद्र,वुवे नंश्रर मंजून,हिट वक्तिय नंश्रित नहिना हारिनाः श्रदायाः द्वारायद्वीरायद्व। <u>र्रा</u>सुनाः वृत्ते ।

अदिनामे हे द्राधुना नहीं । नात्राम्य हुर यर रू न्दरा वर्षे प्रतिक्षात्रा हो स्टार हुद पर वर्ष व त त हो स द र सुन हि स से र ही र व 85.24 I म्राम् लेलि रे हिर पर्स मार र महिमा र सुर। মান্ত না क्रिंगाल्यं देशसायवरा नुप्ता ही घरा नुपार देश। से अत्रात्मरान्द्राचन्द्रशानुषाञ्चर विदेशानु । यहना तं दे श्वरश्रम् क्रिस सुमानस सुना सस नाना वर द पेस मिट्यवरामित्रालटा में राह्मसान्दरा हुरा में पार्टी पर र् २ दे हिंदामाय <u>र्</u>टेटमायर पार्ता । नामता हारा खाया न वैना डेश नगव सुरा । नास या कूट नी स्वट सुरा नु सुन र व हैं है य दश विस्तान हो हो त्व सम् हो हों नश्च समान्त्र समान्त्र समान्त्र समान्त्र समान्त्र प्रामान्त्र समान्त्र प्रामान्त्र समान्त्र प्रामान्त्र समान्त्र प्रामान्त्र समान्त्र समान्य समान्त्र समान्य न्रुमार्देर वसायपुन देर सा सुतावसाहिए परसावसा क्षामान्यक्षित्रमान्त्रम् नर्श्व. संस्तु वियावेश अट वे कि. वर वि. व.के क्र. पट्ट.

रिश्चमानास्त्रीयाताः श्रीया है। चित्रानशिष्या देश । हिप्या है। वा मझुर दशा वे सुना नु नार्ने सामन प्राप्त साम हर यश क्वादहम दमार नुरा । शहाने गाया या नेदादशा विराह्मभारी बरशामिता प्रदास माकुमारी सुराविद्वा संग्रह्मा य दर । मुद्रार्कर पु यदे हैं कर हा मुकेमा द है। मुदेर हुँद वर्षायदेश्वयमः यहेष वर्षः। श्रुवः द्वेषः पर्धेरः मुर्य कुर, त्र, ज.रथर, येच र्रंज, चशिटश, रथ। अटश ज. ह्र्यातात्वयीयातशः सटाईः अप्तिंशः तशः चीटशः लः चर्वेताः वर्ष्ट्रम विद्रम् श्रुव वर्षा क्रमास वस व व्यापा ना श्रीम दि से र प्रवस् । देवसम्बायनायार्वनायाः स्ट्रीट द्वार् वेद वस वेद क्रमानुदासाक्षेत्राचर्या याद्वाराच्या स्मार्थिता माहेना स्पर् दे दस देन नु चढ्डमा या देन या दर्भिय महितस या दर। य दे खेदे कु मर्केर वर्षेर । दे पहार भारम देना नु पहुना मशिद्धाः वस्त । द्यीयः विद्दः विः चलेटशः वसः लमाः मशिष्टाः र्मोट्स य महर्पयम । नात्र ग्री पर्ने ना पहेंस ले खुता ग्रेट वह्म रर मैंर। श्री पट देश वार्म् वार में

्यामः ३४: र मिसः श्वटस । श्रेंच र प्रेंच भी विहर में खिया र् हेर्या अव दिए वर हिस । अया भे पर्वेर हेर्यस। वयबालीय त्यीयात्व, २. र्. चि. ही.च .वटे.चर.श्रु. वर्चेर मिश्चरम् नस् । हुर्निस् स् राय न सर हुर्नि पर्वस स् व्यूटानी मुना खार कुन्ती हेट या वह या वह वे मेंट अपकर द. चूरे. शे. र्हेचोश ग्रीश. ठेचीटश.चेश्वटश. वंश.बुंट. घर. कूर, त. कू. मूं. वंच. मंश्रीरश. व.ज. थे.श. शक्रम. तंस । क्य. त्या चैट. चशिट्य. येम. चश्ची. चट. खे. च. म. छ. वश्च. वस्यामुनायसारुमाना नुः नुः। नुःसान्दिः पदा है क्र-मानास । देन्द्रस् भ्रे वस्ट दुःदर् वर्मे द्रवन्नासुद्रसः व दरा मानर दग ने मर्के पर विश्वा वह द द्वा में **५५मा ५६ :५५ म: अंबाह्य । ५६ : मैद:५ अधु: घ मा**हेना परेता. पर् ज. परेजाचेर. कृता.च. चीश्वरका वसा चर्नाजा वर्डेम स्दर्भमय दवदे सुन्ति न मह्द। वयार्वे हे माम्ब व रे वेंद्र मु रे वा वर्डे वर्न् मा समा व इस महिला वस येच जान में हु मंडिमंश मंडुमा मंश्रेश हों। दे रंश हम वर्त्राया वेदावस हार सहर तहर वार् दे वा सडेर् हे दाष्ट्र

शहर विका । सु सार दे सुर्थ विषय पर वे सुर्थ विका शहरा पदः स् अस द से र वस । पद व प् त त प् प प् प प् यद् र जू. रता. ने. चैटा यद् . सेना. मु. सेना नेशिटा रेमा ता. चूटा या. विन भइदे तर् नेनिम ग्रेश नेम। यद्र त्र्म विन विम वसा श्रुव-र्वद-ग्रीस-श्रुव-श्रेद-चर-सहर-श्रुव-चर-विवस्त हेस याद्या सर वीस देवे यर दु हें दे या गृहेवा द्वितारुं स बस राना दसर त्यादा पारा दिस्स साहेरार्से सा सक्ष्य च नहे न है नाया द न । वर के प्राप्त समी हेंडे. न्तरमान्त्रे हिट य निहेना हैनास समासाय। देर सुना नुपमायर विश्व। ला. द् रे. हे. है. श. दश. पद दे से ला. नेश्चारा। ह्रिंशास्याम्यास्यान्ते । व्याप्यास्य कें। इसर्विन्द्रमःवेनानुस्र ह्वन्य सम्बद्धायर रेन्स च थ । वर्ष पुष दस दस देन् नु स हुन चरे न्तुना च वद सद नु सकेश यथ । वदद में केश सहर नुः मेर मेर मे वदावसा दामा वदावदेश मिद्र वुसार्य केनदे यह विवृत्तनाहरू। लेख उपाधुदाद्वरसादसा

चनुनासाम। यूर्णी सहसार्थे कुल सहरा है है है न वस्तर उर् सर्कित नहिर नहिर नहिर नहिर । रूप रा दर्शन्य य वे स्थास स्थाप स्ट्रेस हैं वेल रह व वे केंस सहर य वा नहरं हर स्थान विद पत है र हिंस ही गरें हमांब श्चित्र वे वि व वाका श्रम् शाया मा शह श । नह वा प्राया हुना व इस.रट च्या प्रेम ह प्रेम हना यहा। हिंस क्ष्यमा समा मु क्याया ह्या गाया खामान् परी हमाया सम्यान सर् एक दहिन वृत्यान प्रमुन विमान्न त मिस्रान्य । सरावि राष्ट्र वर्गेर प्रचार मुझासाद नीस्रा श्चिन द्र्यर प्रज्ञात के द्र अहे अ च दर। श्चिर हे व द्र दे स सकुरा । कैट.कृद त्.रेट.। कैट.कृदेनोज्जसस्यत न गुन मकेश है। श्चिन देवन चर्म है सदन नास्त न है वश्रम वर् वर वर वर हेर्नचर हेव। वश्र छेर व श्रें न रचें व गीर ही,श्रम स्राष्ट्रिय दशा सहस्राताला दिए द पहिसामाञ्चनासा महिना ग्रह से द वह हैंद यर वर्षा वह यर हर है व ह व । पहुत्रान्तवितार त्रमक उद् के मान्य पहुं व पहुंचार । दे

वस र्सेन रचेव पर्ने सकर य हैर न रहा। ह देसस नहस महिंदि वर्ष महिंदा वर्ष महिंदा वर्ष प्रमान महिमा गुः से पर्ना सर में समय उर् राष्ट्रपर। रेंग म् वस्त्र कर र र तिर्धित । हुंस र र तियर हिर । यन्त्रस प्यत्र मान्या प्रता वि वर्त्ता वर्षा । त्र मान्या वर्षा । ब्रेट बर्वेय। अत्वासर्गिय ह्रमः चर्म मार्वः वार्वः वार्वः वार्वः शुक्रा गुट वर्कमावन श्रुं म र्वेन दिने बट पर रगे भा वितर विश्व करा। निहेमस स्था करा है सि दर्र प्रवेर श्रुद योगायाचा श्रुप्तुद पुरुष है। श्रुप्ते व पा प्राप्त व वस ह्य-न्याया विद्यु हु मु में न्यु द दे में में मेट श्रुम है। वया घट दु क वव व व नमार्गा झ मर विनासिन्य वराष्ट्र । सु ने दरायों हैस से वद निर्देश पर्व सं पढ़ मार्ड सार् सामाना गुद हुन। देते सट क्रें रेम्बावनदेशें देनु क्रमाम द्रा मे मुक्तिसायाया नम्द्र नगुष्य दस । मुलार्च हेदार्च नलेद सुप्यन दस। नार्र् हिन में हैस लिय मह्द शिमानहरे। हे.श.म.२८म.

य दूर्य श्रे. श्र. या. तता वस । इंत्रास में र त्या है र त है म् सम्बद्धा संबद्धा सम्बद्धा सम न्यायादर्भायायावे ही है सा इया सहन्। देसा माधुया ्यः मञ्जूषाः चुत्रः स्वायः मञ्जूषः मञ्जूषः । देः वर-व-जर-मोडेस-वग्नेशरो हैं। ह्यूंच-रत्त्रमञ्जस-बल-दस-क्षायान्त्रादेन् नुन्द्धन्येन्द्रान् । न्निटारे तराच वदन्हेन् यसी प्रता अव कर से क्रिय है परेर महर पर्टा मिद्धनाः भनाः किटः द्विटिशः चः चत्वेदः नुः है नः भीना मिश्चरश्चरः बर समाण्या द रहे या दे या नहें या नहा ना है है दे देहें शासा चैट बेश्र-अर्च. होट. ब.चीया. त्. हि हीट. हो. वद ब.कु। अही. विमान मुकार्य दा के दे हो दे न न मुना मान हो न मान । मुका स् है किट चुर नहार नोश्चर हिंदी किया नहीं नहीं दश, हैंब कु मी नक्षर किट मिट स्कर हुँ व से गुव सेव न सेट हर अर अरस व्याचन्त्रम् । नम् च नम् व नम् ल्यान्य ल्यान्य नि स्मान् क्षिया क्षियाद्वेदानी में पाश्चादश दे हे मादे दस है मिकामार्ज्येन अराष्ट्रायहेदायदायहेदातुःस्र्यादसाहे हे नम्पन्त्रार्क्षः द्वान्त्रात्रम् । न्यम् त्नाद्यः वि पदे हे य

नश्रम्भा श्रीन द्विताय दे हा सर्वे द्वास वा हेर । श्रुव रेत्रे में लिया वस मिर्ट हाला सर्हे सक्स साव । दे हिंदे ्रम देन पुने न न न पुरे हिंद सूना में नहार सरसा E वना में दे ने नाया प्रवृत्तिया निष्ठी वन यन या यदिया । इ मन् कर मर्दिर या मे नि प्रेस । दे दे दि दि प्राप्त मार्थे र कर्मु स मानारमञ्जा देश हर नियम्भाय महत्र । र ही न होन हेना वर्षे दें नाह्यस्थाय दहा। द देहरावर के से द्वा नम्बर्मकेष। ने प्याच उ.में ने साउक्ष नामदादश है। ना दश मेद हेश देश यश । हु ज्ञा दशर देश गुर्केय वस्र प्रवेशक्षा हिर्द्धान के प्रति । विष्य व अन्य व्यक्ति। देवश्राह्मदश्रादे निवासीया व सुर्वे में इ.संस.र.चाराचीर पंत्रपा कवाहीर के वासिता कवा दे विद्वाचर सुक्ष तुक्ष श्चेंच द्वेंद धूनाक समद द रे । दे एका कूँ स्थानिश्वीदक्ष वश्या सी.नीट्र. प्र्यानिका न्यानी. प्रिका ग्री में में मानी कर तथा में बार माने में मान रेट मी मन्दर देश. वर्षेर् श्चर गुंस नुस वर्ग से वहंव नुस दस दस वस समान

त्या विश्वद्वा राज्या हे अर्थे हे अर्थे र अर्थे । अर्थे र र्ये व मी पहल किए हेरा झ. हुई. हुँका विषय प्रथा **वर**. हुना म लिय व विश्व व नाश्चर किट हु । श्रूच रहार ही श्वर रें विता प्राञ्ची वर्षा वर्षा के क्षित्र प्राचा के वा वाद्या देश न्**व विश्व** लिस होते ये गुनायामाने प्रमा दे महन अर चुंसरा रक्त हैं, श्र्य ही. केंय. थे. कुरी क्रिय महूट. चेर क्या स स्ट्रेस पर प्रमुख । र्ह्मिन द्वे क् मी विमा**दम** चर्यस्त्रीं सिंदाणी स्राथाच बाराच्यूर छ । हमाराज्यूर छे. मान दर द्या र है। मू दर देव स्नाय दर स्वार से देव कर के मुद्र म क्षां शि के र वैता। वीषा म अभा वर जा हिम्मुसामार्गेन्ग्युरावर्के नरामु। है माराम है सार्वेर नी अर प्येर हे जेना वर पुरान महार व राम महा रचैनास श्र.चढन क.ए ब्रेट्स तम कून न.च । स्म. रव मुद्र, रे.कव. पंट्र, चका श्रु.च. तंष्ट्रचा, रंग्येचाका श्री .चळचा, खेक मी. क्रमाश्चरका दे स्ट्रास्ट

न्नित्या व अर्दन वस्य सु हेट नु कु दुरा। नु नु र रसन् **३ सः चसः त्रा ५**सरासर्वे से दिनुषः इसः हे कसः सः वहः। रेदे से दर्भ मन्त्र हा वदे स्या वदाय है। बन्हा लामान्य । यन है। हैं दिन्द्या या सहर देश वहुं सकत है । बद्दार्थार के हुंश देर वे शाक्ष चुंदा प्रशास्त्र । मुर्द्धार्द्धा पूर्तिया वचा सूर वेश वशा क्रि श्रमण મું અધ રાજ્યન સંસ્થા શુરા મુખ માટે છે. સે સાર કે વર્સે હોય . मर्व पार्टि दे मूँब पुरा वस वर्षे द्वीस वर कर्। श्रेव र्स्ट्र मी. लेप. रंबं दं कुट. मेर्ट्र मेशिटम. प्रमा कुट. लंद मीटम. मु.क्र्म. इर दशर्जनाश समिय जानी रंगांच कुर सिंपादश । श्चरम् खुषान् वतुर्वर व्यावायायाया वर्षा देर्वर दे दे थ विर स देनी स दस श्रेंच द्वंद वा पश्चेर च तुस दस नासेर हैं नाट खुल बस् । क्षेत्र द्वेद मी लग दस नासेर वरेंद्र यास क्षेत्रहे। वर्षेत्रम्मिन हु बडे हित्महुना च वहुला ला वरदायो केंब्र पुरावर्षायर छ। वेद्र खुवाव बार वे इसाम । वयदशायदे यात्यावम्द्रियदै स्वेदारशावेदसाद

महोरा पर्दे द व पर्दा अरा समार्थमा नश्चरम दश । अर रास्य है यारे न देव ने बेर ने सूर्ता विक्रण देव में देव में म् ब्रिट् वर्षेट वर्ष होर हिर बट १ थर से वेच र वर्ष से हैं। अनाम केर पहन ये वासमा देर हैंने में मेर पहर कराक्या श्रिच रेपूर् अर चीचे ग्रीमर हे हुर हे से. जासबरन है. यह पंतुर व समिर वस । विभार हुन. त् त्यं निषट विर्मा पर है है ने क्षा में हैं दि पर्ते त ग्रेंट.च चेट क्ष्म.में. स्नाम.चंट.चर्नेच. चर्ने.चर्च. ब्रेंचम.श. श्री देश हर हे हैं श्री श्री श्री है निर्देश में हिंद निर्देश हिश शिक्ष मानस्मार्थ । बहुसास् व सक्त सम्मानकृतसः वशः मूलाचर भे त्नीर। दर् नश्रद धनश्रस्थः बुन्य वर् दर वर नमा ह है। मर्चरम पन केना मे न्देर दे से स दे । इन्दे न्देर दे स हे द न सर में हिनादन सेंट र तन्। तर् सेन प्रमान रेस सेसस उन सर वि देव नेदानश्चरत्वा देशे क सर वि विन ह याञ्चरास्त्री वह दार्च या में माना माना वर्ष यदे द्वर सर्द वस नासर हानास में हार नायर। सुर व प्रमार्थे प्रमार वस । प्रमार्थर प्रमार्थर प्रमार श्चेत्र पद्मात्रम्म । क्रिं स्यस ५६ ५६ क्रें स्यस मार श्चेस ग्रीटा विना से दे ले स मुद्री मादस सहना दसारा है। दिस प्रमुद्द्र होना केर प्रमुख स होत्। बिस महित्स. ब्रैब्ब्रेनानी, पंत्र्चित सामीव, धर, धर, लट. 921 नीचुनास । श्रुण सस. कुनस हिंदे बस. लट श्रिव २८ स. तम. मुंद मि. कुची य हो। ज्ञिचाश समिव है. श नश्रद व वेश. यके है। येंद्राय पुदानुषाय रेदेंद्रायके वहा मार्सेद्र भै वर्षे वर्तुर में उन्हें र दश वर्टा श्रेव र्वेद सम्ध्रय र् केंद्र यार्टा सर वे दिना वा वर्के वर मेर्न के वनाय प्रामुख्य। देरावयम कुव्यूटाया देंदायादा अमा ब्रूरके वर्षे वर्षे द्राया व्यायस्य सद्दारणारः। या व्यस्य त्रीः स्टानम श्रेंच र्वेन यानो दे भरे हैं। श्रेंच द्रें में मुस् मु परिद्यापम । दिसामा अनास मिलेर पुनर हे स

मेश। अर्द्धरायथेर यादः स्ट्रिंग्स मेश हे चे दस। देवे. वन्यान्नित्यायदे वर्षेत्यव महिमासुस । दे सासुसाव मियार्ट्य मुंके हेटा करा ही दाके के अपन हेटा दा मादस यायम । नर्ने समाय दे भेरामायनम् सं नास्टम क्र्याक्षेर महिना वे पर्ने दश्य वशावेट हो। देर प्राप्तमा च केश्स्मिक्वाणुटाद्दा क्रेश्यक्षेत्रम् वनारे द्दा हेश् व्यत्। प्रायद्भिः वहे वडित्यवे के दे व्यवि मार्दे मोशिष्ट्य.वंश.तीट्य.मोर.सॅर.च.चाट.मोरेट.वंश.सु.ल.सु.श्रर. मर्त्वेच र रे मैन र य के खुय र निर्देश निर्देश ट हैं वुन सर्वस्र ही ही द रें वर्ड मर्जे ने महिट दस । कुरम्माम्यस्य प्रत्रम्यस्य श्रीवानास्य व्यत्मः क्रूसः म्रास्य श्र इ-इ-म्बन् नि वि वे च व व म वास्त्रा निया महिरानमा ही विश्व विरावर्ती विश सर मिर है।। श्रु इसस से मिर ने सहस दस । स्नास

वर्षक्षं दे भ्राप्तर पश्चिट. व. हुत . श्रेष. रे वाश्चा तथा। ने क्य केंश ग्री मुन्य या विव नु नाउनास यर नुर । मन्द्रसामके में द्रमुक्त नुष्य । न्या क्षा क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र म्भारती द्वार द्वें र मर्सेश र मरेर वेंदे वेंद्र हुँ है स. २५ वियावस्य । मुत्यामस्यामहिमात्याहरू खनाशमार्थेश चुट व नेव नु होना के । वे उना हराया चिश्वाय। छिर्नुताय वर्षे श्रीयादाष्य दर्गी मिया व त्र्वे पश्चितमाय देश पर् हूश ने पश्चित्स । इट केंश विनाद पर विक्र प्रशादयात्य में से द । विक्र वर सर् भिर व प्रथम र पर्य प्रथम हर्ष है। मर र्वे व निर ३. च अट. रेट. । र्रेची. च ६ थे. जूट च व व माश्र. रेट.। सि. पीट. ती ने तीस. देरा १ अट. ते से भू में हैं है स रेट्रे मि. वहूर रट निर्माश पर्ने प्रशास शामिश । इतार मु मिट रहा है स यक्रिक्ट हिन्द नुस्र वर्द्धवास । हिन्द हे हे । ह्रिंव ष्ट्र, श्र. य. सूचेश. च. पूर्व मी. चि. 四. 野生、古女、古女、七七

Litter by Acc. No. 2443
Control Institute of Tibetan Higher Studies;
Sarnath Varancsi.

वह्रव-म्न-प्रदेवस-स्-वर्ध्वा वर्षा प्र-वर्ग्वर-देश-श्री तुर्वित्वातान्त्रीरेवे.श्रुची कृता। कृत्याचित्रा तज्ञताता मी. १ वर वित् है। विवाय बर पर हैं है पूर् मी स सेव। ब्रिशः त्र्रे त्र्यात्वर् त्रिणः रे.चे.चि.चर्त्रेरः चर्यः वयशः वर वश्रेरम्श सुनुरयस। श्रुर्कर वर्षे भे नु वर्षः। माने न मे तर्र न करा वद विदर्ग के मेरा हेरे सुदे वर कर संया वदी खुर। वर्ते सूब या दस व्या रे रे नु या वस्यान्त्र से नु च द्वा मार्ने र हेर नु र मार्से र द द । र्ट्स शु.च.म् चरक्रा ट्रंब में रचे गुन क्याय वर्ष्ट्र झ्ना स खेस सहेद देव वना चेंद्र नावव। देश सुत्र कर हेस. वि.च.रटा है। वट.चकु नामायर कर तमा हैं व.चने हा. म्रायन्त्रमः हिल हित केंस हित या या मे त्वाद दम हम यथा भूर व पर पर हैं है अध्या रस कुश पर **१८ मिर्दे १ वर्ष मिर्ट के अपने में अर्थ के अर्थ में अर्** यस । ते क्रिकेर हेर देर के मुख्या भी समीका है बस्तासट तियावस । मि ही त्यी सा वे ही व ट्रांस है ही र

र में केर महुम्बा स्रेश सु से वि रसुर शबा पर से है कर निर्देश सर करे व वी निश्न हैंट मैं श हैंर र मिन शर्र स्मिटा है रे बेश से या क्षेत्र के के साथ पर्योद। परता स मानेनास गुन्न हार रेस गेंद्र य द्वी वर वर्षेस वाहेद नुस । विश्वसादः खेन्। या स्टार्टिंग राजेर वहता। दे ब्रथा हेंबा रेट जुरे हुटे तथ कुल ग्रेज वेश हैं। श्रेव देशक कुल ने वर कर् वस । श्रेंय-द्येंव हें दें स इन्दर्भ वर्व वर्षे दर्भ। म् १ र स्पा पर १ स्ट म् जैनास मार्थस । विमास रसः **로**디가 휜 :크리·스러노·디저저 :씨자 :뭐 '스萴도 :흙숙-휜서 -피디 다. नर्वेद्धाः सर स्था वस । विश्व शु है दे में दिन्द वस । श्चित द्वेंब मुकार दीर सहर बहा वर हे मुकार्ये मीर्यामानविमायानान् र्हे नामा। रे क्रियानायान मगानामात्राक्षेत्रमा अस्तरे हेर्ने वे ब्रह्मामात्र भे पत्रता | म्बराह्याचे पर्व राज्यादर दुग्या ही मु हि ना से वि 45.8.43E.1 4.Mx.38.4.8.48E.42.8.43E.1 देवाबद १४ ६११८ में लेव वानहैदाव वह है वहर। स मबि,पट्ट.नास्य मब्रिट.मी.मीश्र-मीश नगीट न.पट. हे.सैनाश. द्यापर्दर्भविष्याक्षावादाः गुःचराचसुराते। सुना प्राप्तरः मिस स नेस महर्। स नि दे पहला मुक्तर है। सिट के श्रे शेंच रहा श्रु. नामाय मर्हे ने परेना नर्ह होट. र्श्वे र र्ह्मा दश्य होत प्रीचेना ग्रीस स अर्थेश श्लेर. वस। द्विरायस्य विविक्षयम् वेषानुर्दे वेर। दे वसावित सुर्व झे.चिट हुन्यात्रायं न्याप न्यूरायस । सुर् महर् कर्ने द विषय मार्थिन क्या । दमायदे केंस्स मे पर्नुत । शुन्कार्माणुदासी प्रमूपायर मेरिका कना सकी वयश ह केर वि.च भूजायाया। इति.चयायाचा३३.चरा । यगाय विश्वसन्दर्भायायः वदः द्वाः नु वास्रयः दरः दर्देसःगाः च्रायाश्चित्रका मेनि द्राकरात्रमा च्रीत्रवस्त्र गुद्र केनामा ने नम्दासुयाय। वर्धमान्नीदाय वर्षि ग्री मुक्ता वर्षि के वर्ष ग्री मुभार्च : दास्र हे : य दे हिराम नुदाद । दाया खुन् रहेस

भेर्-च। सुनारिश मैना मुेर् वर्श मुंर् वर्र प्रवस्था प्रहार पार्ष भरा में प्राप्त में में प्राप्त में में प गुःषः हे दे न्नादः तसः सर्वे। युनाः हेस नादः सर्वे । नगत सिट विदें सके। हेदे विय वस ट दिस्स में वट में मिर् तिता सर्वेट च निश्व हैना नाम। अट र मेथा मी. शक्ट्रेन्न्याम्बन्दे रुषं याम्बन्ध्या हैनाम्बन् प्राप्ता साम् मूर्व द्रम्बेर खेंबर्नाटमा अट द्रम्बर्स रेम्बेर कः बद्धानी मिर्थः भ्रम् । त्रद्धान् स्ट्राचिद्दाः बद्धाः भर्दः स्रिवसः शु पहिना नाम । अर क्रिनान रहिन पर मिंक पर पर्में मार्डमा हैना मारा । पर्नेस्साम चॅर देन नगाप हुता। इते. प्रमाय विद्यु वा भूप प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय विद्यापा विद मिश्रामेश्रसास्त्। प्राम्यागुन देदायाद्वा। ल्वान ्यवर मीस सर्वर वस । हे हे समास वामर में दे उसाम यु वे पहेन हेस द वे से पूर्य। मेल रेव में

के मात्र प्रमा अर्थे अर्के मेहे दे र अर या अर मे वर्जे स्था स अट मूंब मुं बंधर नक मु. सम ग्रीट भे मिर । मिर श्री है जर मिया क्षेत्र कर अदश्च होट लट भे मुक्स । मार्थट ग्रन्तिष स्वयं श्राक्त ग्राद्ध ग्राद्ध र त्राद्ध । साद्धि मट. विश्वास्था के हुं भाने पुट. यश विराध मार्थे । के प्राप्त में विषय र विषय है। दे त्यस देश हर माद्र प्रमः भक्षश्राधमः त्र्रायवासः ग्रीमान्यात्रमः तक्षाः देशः हे त्रा द्रः केश वहवावी। दे वार् हे राष्ट्र मीटा केश वामादना यस। अस. सेवास.स.ज. पर्यक. हे सिट. हुवास या दे केंब भेब पब ह से दगद। हे रह वेंब मु बेर पब। हे दे लियानुबादये नगद हेना न हिंद ग्रेस र र छट दु स्तुर यन्नासाने क्रिंगानस्मासाम् भाषान्त्र प्राप्तान्त्र । विष्याम् होत्वस कर भे हेर । हे वस हा मर ने स हेना हमा है। M.zan.ŋ.a.q.a.n.yn.g.qc.a.a44.2.wa.a44. य र दूरे हेर् द वेंबा नासम। य मुनास ह्येरे हेना हेर।

यतं व र्येश मार्थेर मी पहेंद्र दिश्व माराया माडे ना हें ना है। सा मर्झेस रखा में दूस दर सेंवा न न सेना म है में नादन। शास्त्रात्रायामीवेमा मादवायसायहराचेर। देराला हुँ र र नाया पत्र मीया पुं रूस पश्चिम प्रया द्या र गारा से सुतार् द्रा। वर्षस्याराम् सुतार् मावर्षस्य परायुदा मशा अ र र द्वारे में भारत स्वार से दे से दे माश्चरमा दे चर्रक्रमेंस सामिनामें दूरवाय। जार्र र हे हेर रहस यस। विंदु व करो। व बदारि व बदारी। व मुव वें त्मुयः यं माह्यस्य चेर। देर अर्हेद् हेद केद यं प्रवेदे सुर मान्द्रन। दे दस नर्द द र्यस र्स्स र्स्स न्य देव हा महा निहेटस नर लिय सियानमा स्रेंच निर्देश मी लिया देश। मुत्र में B.L. L. J. B.L. Par. L. Syn M. L. B. L. L. L. E. M. B.L. M. लेव। यामामान्यानुमार्थान्यार्टी हिनी नार्वानु हिंसा गु विष्ट्रं त्र वंश्वरः वरः म् श्वरः व दिवसः ववरः हे से श्वरः वसः नेता र के मिल ते व मिन्दिक मी पर कर सेथा प्रदर्श म्स् नेर प्राप्तरायम । हुर जामितात्रमाह् मुन मैंनायर

ड्डिन भैना चर सिर स्चा चीय न्स् ग्रीर हैं र्श शिखा ? या वि वि मिया या है है है । विना स्वेत्रसाधेनास य द्या। ह्येंवः र्त्र मान्या या कर लेग्या हे हे स सक्र लेश तथ। वर्ष र वे इंग्सं में पुर र दें न स व में पुर ने न स है दें पार दें दें मिस मिश्रम्स मान्द। देव मेव न्ये न्य वसार्द्ध मु मर्क् 의·오석·日· 디 의·정조· 경조·청조· 영·청조· 본· 미도· [교지] 월조· क्रमान्य महिल्लमानु विन्ध है। विदेश महिल्ला रिट है र्के हेर यात्रावहमानु ह्याद र मान्या है। वेर् गुरे नर्द न 런 음사는 용대자리를 함고를 다는 위에 를느라 다양대 및다. दे-चर्-दश्मानदायर वहदार्चे द्रद श्चिन-द्वेद-द्वान्ययार्चे सु 레마리· 독· 다음· 최소· 다 명· 다 최 다 다 하 등 मी पोर शिचास शि ने तथा मू पु शिचास शि ने हुर। श्रुव-रत्व में लिय-वहा वृद्ध-मु-र्गर-त्र्र हुव-त. लेब्स्या मुन्त्रार ये दे सुर सुन मुद्दे वासुरसा वह ब में वरी श्रिव नर्येव व्यार में वना में व्यान्न व वस्त्रम र्ट. त. में र प्राप्ताश तथा है पूर् के अधिश शे. व. वर.

कुरामिरामिरामिरामा । जुन्मूर्यं त्राप्तामा महिता नुन, च्रं में अन्तर में स्था वर्ष में क्रं में स्था वर्ष में स्था वर्ष में स्था मे स्था में स यदै कर कर | स्था सकर य मि हेना ह्या व रही नुसा है। वर्षे व लाउ पार्वे विश्वराय है। यहें हा में यामर्कराव क्षेत्रार्राम्बद्धानुः कुटायाद्वी नुसाहे। क्षा मॅं देर डेर हर ने मेर र ने मेर मेर र से मेर र मात्रप्रसु न सूर्य त्र द्री : इस ने : र्सेय स्य मायस सु : इस । वगावबर मृना लेका निवादित हुन कि कि कार्य के कि मिन्द्रिन य देदे नामस सु ५ सा अन नामस अर् मा देवे निस है। ष्य ५ मन् १ मन् १ स्थ ५ हैंद्र वा । यह व वेंका क्षें नुद हु में व महिर्दर मुं नाव है मञ्जूष द्विमायका। क्षे प्रदास मान्य मान्य वि विदा क्षान्त्रं वा न द्वार द्वार नुषायाद्वार । क्षान्त्रं वार र्वोट मी हूँ या स के साह । ह्या या प्येष पर पद्धर । ह्यें व द्विन्ती महर्दे च वनम न नास्त्र है। न्तु महर्स य दा ष्में च वे वे प्याद में ने वस वेद हैं से मार व दस देगार म तुरा दे हैं 'प्रेव विष एक। दे में दाया हा से दे प्रसः वेंद्राय दर्गोद्ध परे वेंद्रा र्धन प्रस् । हे खा से दे प्रेरे भट हुंने वेत् संशिष्ट रायेश । लट हुंचे रे ला. मुं रे. त्रा गर्व विद्व स्वाय बेटका शु मार्थ या दे वका मुत्र सेंका ल ६२.५.५ भग्नेशस्त्राचर, लिट बिस रेश । नस्तितात. विभागारा वि वासीर वेश के भारती से स्थापन से निर्वापन स मन मुख्य पर्दे पर । हे में द दस्य ग्रीय में स्वता ने दे के भेष देश पार्टा। स्वार्क कर के से सुभावेंसा मञ्जून य महेस वस र मर्ग् र मुँश र क्रीर पव नाडुका नहेंबर বম:বह्य:वी:म्रीट:पश्चिम नाक्षेत्र श्रे ह्य है। मुल संदे: कव श्रेन जार ने दम में मुश्रद्य। े ने न्या प्रमार वर्गेट चर. बिश तथा। ला. ६ २,४-४। रेतान सेना रेशर. प्रथम प्रमान है नी मैं ना पर । पह्म में म्निद्द न न मर् से द्वा वर्ष न द्वा सद्य प्राप्ता नासर स्वास वस्य उद् द्वा स्वीत विद् से वनाय व वनाय में दूर मेर म हुन ममे नक्ता नीश्वरम । का. ६ २ थ. दु.के. वे. क्षित्रं तथा वेशातश । दशानेशा दे ते मु छ न छ दर्भ है द अह से द । दे है द द द है द हुंगमः द्रुवासः पह्रथः मुःस्त्रुचः यः यं सः र् वस्त्रुचः या वः रदेः द्रिंश मुव ये ये ये सक्र द्रम्भ दर स्व या गुर दु वर या यसः सन्हेदः य देखा गाउँदैः दनो ह्येटः यसूयायाये वि है। मान्या में दाया करा यहा दे लु बदी के दार हों व द्यें पा भष्टेलाला नाश्चर मी के विश्व वर्गाश्चर ना लटा देटालटा ने सेल. नमा नने ह्यान के हिन्दा मारमानन कर्ते दसमाश्चरमा र्मा-रहर नुसःश्चराय । हिंदा है जारस देवद वद न्नाया क्यादि जुटी हेरा देश है त्या खुटा हो। हे वस ह्यून मिट र खुर स दट रें स्वीश खेंद र स नहिन र गुँ स दिर मी बेट व पर्म में। दे यादने द्वारा हिर रे ताद्यादाती द्रमाथ व्यक्त साम्बद्धिमार सम्बद्धिमार है। दे पाकेर मुन्द्र से दे न दे हो । दे पाके के माने पार माइद्रायर वर्षे वर वुकाय केददी द देना केद ह रेमाल वहर्ष्यञ्चय दुःवर्षे य प्रदेश देवदे मार्थर दु वर्षे चर्रा

दे हिंदायाष्ट्रक परार्श्वेदाहेर, देरादेश सक्रम पराप्तलगा मी द्यो द्वार्श्य (विद्युक्त मीका है मोर्ड र नु पद्वार य:दरः। रे.वमीय:बुर:श्रम वर्षिय:वि:वर्धः वर्धः मारमा कुर्रा प्रमास्य हिना चुमायामा हेराही। यदा माकेश खु म बेद च द्रा ५ देश क्षे म केंद्र द द्रा चे देद रट.चाकुस मास्र्र। दे सम स्ट्रिंट माशुस श्रीर या माशुस में भे शेमक उर निसंद ने वेंद्र नम । क्षेत्रक वस रेंद्र हैना ने र रहें। देश रे प्राप्त मि सुर व्यक्त से स्राप्त परिता कुं सेंस बेदादस पठरायस राया मेरामुरादस अस सामय त्र र्मुन्यस । वस स्वत्य त्र र्मे द्वार प्रमुर् देना तहें ब दे दे हिंद बटायाया समाया वेटा **या भे**वा रामानी । वैप्तान्यत्व द्वारा स्त्रीया किया बेराया । दे खा प्रेव स्त्री दशःस्थाः स्वास्त्रः वेरः व्या । रे रामाणीः सरः स्टाबसः म्रीट निले रे रन हैं जिस्ट निश्यान क्रिन निले मा स्मिन न जुरानी चर, चंदेश, वंश तह्याचे. धुटारे, मी देवैचारा तहा देना वहें व में दूर दुर देख । दें व देख मार्थेर र सुव ब्रेट है। उसपायामा यहन विना वर्के या श्रुत का में ही मालव दुः व दूरः यर यर यर गुरः वुवः हो हो दि । वेर दहा रयामी वस्त्रामयाया द्विमास हे देना सेव दे सेट है। देनी द्वादेशःश्चितःद्वेत्वाश्चरायःदः। दे उनाद्वेशश्चरः वृः यमुद्, पर्वेगंश. स. मंद्र्म.लब्म.चिंट. कुम्न.चे. दंग्रंश.चरा । मन्रियं वासामिले लु पर्दे मिर्दे स्मानु दे 'डेर क्या महेंर म नुकाय मु रेन् मीका पहिरादका। मर्के दे र्गुलादा देवु के मा व्यद् न देवे । सर नव ना मी देवु । सर माई मा यम् मिट हैन न देवे द्वे रे रेन में ट पति है है है है है है इट-वरुश-दा-भारते-तुस-हे-वलेटस-द। र्का-हर्-सु ३-नु न भेर् । नर्द र में दे मुनास दस मे दि में दे ने मानु दे मिश्चिद्य। दे-वस ल्या येषु-ल्या-ल। यदवान् ल्या-स माशुक्र वेद प द्रा विकासु रे विकास वेद मेट देवा 5도착·중 | 5명·중요·왕도착·비스도! * * '씨도'연도'대5. य स्वी देश स्टिश । नीट प्रीय य रिट दे हैं य प्रेश प्रेमीश

म दूर। वर्ष मंजून पर्व ही यस नु से नगर में नाहेना बर्ड । मिलास् हिर्मे.ग्रि.डी.डी.डी.सी बहुबी.फ.चे.टर शुश्रका कर। दे ह्यूंच द्वंद ता वर् नुसाम दा दे द रे सामाले पर् हु मु हैं जा सब हुन हीश न मिन राज ता होने लिन स. ग्री परमास राज्य। मिस न रेट्रे हे द। नग्र हुन य मोर्क प्रिंट वड मधुम वड्स स्वाप्त्र प्राप्ति गु नेव मीस वक्षयार्थेत्। ते श्रुक्तियायावन्तिमः बेरा देन्ना व र्भेर में र प्राप्त । य प्राप्त में तुस परे पर पर सन् विर्वेश रे द्वित्र र स्थ्र मक नुमा पतुना नुमेश वस है है पुरु पर्य । अनुमार्य ५ पदि है प्रमान ५ र र क्र यर हों निमाय वहिंद क्य सूर सुक प्रशास कर मेद वह श्वी निमान्य देश मी नि मा श्वी मा द्रमानि हमा पर्वा है नमा नस है दे शु रूट पुट बेतु दे हेश से द य नहीं न महिंद बना हें सः मञ्जूद नग् कुना यदे दुर हुर हेद रे निर्व ना नद्द है विट ५ व वतुर व द्रास यह मारेमा मार्थेश हुद द्रास है

न्दः क्षेत्रं वुद्रायः दृष्टाशायदः मुहेमा मुर्थेश । द्वेष्महरः मिट र जेंद य रहा साथ द नाहेना नामसा हिन्य चलुनास्य सन्दर्भ वर्षे दश्चे सन्हे। सन्हे दरमा सेरान नक्षा सुमानवन्ते। नवन्ते दे माराचन्त्र दाक्ष क्षित्रमळेखाद्या प्राचाना सामा मिना ताला नार्र में मी सार्यना लक्ष पर्व नार्र सार्य वहा प्रवा र्द्रायसः नुसः नुष्टे ने ने ने नुष्टे शुनासः सुः नुसः ने । ह्रे. ट्रस.ग्रे.चोजाजाचिटाक्ष्य. शुक्षकार्यतय वधाक्षिटा त्। मेपाना नेमसान । सेनासा हुक्र रात् सिनारसा मिड्रेग्स। सदे हिंदर्। न्मवाय प्राप्त हिंदि प्रमान्त्रम् नास्त्रम् सम्यान्त्रम् न्यान्त्रम् न्यान्त्रम् नु पत्रार में सुना वर्षे हैं। वहम न्या । श्रीय पाइमा रोय। नने हो द के द ये 'ये क मुन्दे स से द यर मून्या ! र्मि वे में नार्य व दमर वे दान । नार्वे दानेर वह नाह्यम। नीशर. य. पर्नेश. य.ज. पर्मेज. य.वर्गे.इ. वर्गेर. लूरे य. लश श्रुच द्वार सदस मिस ले नेस लेवस मे ले के ने स्थानमुद्दं निक्षित् हेत हो स्थान प्रमान स्थान स्थान

वि क्वा सेमस द्वत द्वाव वि दि वे क्षर द्वा गिट लिस नुस हे कु दना से दे अत्। देंद देन मिट दर भविष । ग्री भारत है कुर्मामा यह कि र्टा यहेंगे। बर नी क्रिंट्र अ.लेश.क्रिंट्र प्रिंट्र पिष्टुं प्रेंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र क्रिंट्र चर्ट्राय चीयात् कुषात् चुल् । श्रूरामिरामा कुराचनाया मर्केर् हैव नमुर पा छादव समा प्रमा भवे मुर् देश। मि वर नक्षा मर् हे हैं विवक्त व व मिर हुन। का मर हिन चकुष्र,श्रद्धाः सेहः निवासः विकासः विकास र्टा यसमा तमा ने ने वंद्रा निर्म हैं र न क्षम है. यनम केंब हुट य कुया हो कि टा अ ख वा मान । दे वश्र खेट विट. ची. चीट. वश्रश्र वर्ट. वट. थ. टेट. प्रांस्ट त्या विश । इंदर वर्षे मैं रश्रादा वहवा भावते में देगर दूरी खनास । नार्डे में सहस्र मुस्र द्रम पर ह्राट सर्द गाँव हैं ल्यानले दि वे प्रहेम दे रे या द्विर माहेश 5 द ह्व मुम्बर रेवर ३.वर शंभ.वस्रेर। वट.मी.झै.कूर्याम. 5 - द्वार सेमस प्रव रहें हैं मुख सर्व का सेव्स प

ब्रेंड वर्ष क्षा क्षेत्रका यह निर्देश हैं वे के मर्भे यायले। सुनाकरे हे यले है। इ. ५० है क्रें म्मानि निहाले निहेश । मुद्दर्भ मद्देश स वक्षा क्षा भीटाच मिकार्त अन्य के ज्या कर। र्वेन कु दक्षेत्रका अदेन के देका उद्देश किना पति द होट में विट मिश्रस सर्द्रस रमार य उद में सदस मुश न्निय निय नियम विकर किर केर केर केर केर निय निय नुकास स्वास यदे मुद्दार स्थापति। देवे रहें सुद्दा मुद्दा श्चेर'व्यम्'द'रे हे मेंश श्चेंद उर्रायके व्यामान्ता प्रमाद पहरूमार्थराया मेयानी हेना उदार मार्थमारा देखरा अर्विर सः वरः वः हैनार है। 🏇 शद हैना मदः सैना दनुसः प्रश्लेर के द्वीय है। हैं देवीय रूल मिट ग्रीट यह रहेर मीशिक क्या नहीं नीहर हैं व तमा व निवास हैंगे. इसके दुनाश्चम व नाइद्रा व व न देश सदे मुद्र केंस ग्री बदः ब्रह्मित् माश्चर्यः वर्तुः द्वेः वर्तः वर्षः वीः द्वेदेः श्चिमा वस हमस ग्री प्राप्त है। ध्यार्व रायमा व हु में

र्वेनाय अहेर नंशुम्भ या नाइर । प्रदार संदेश हेर ने हेर ना हेर मु.यट.अहूरे.चंश्रभं वांश्रर.देश अटक.र्जुर.स्.ज.स्चेश मसःपगांदःहे । मानिदःहेः त्यमादः चे उद्दे उदः अकेदः माह्युयः **ल.न|5८। मैं८.र्.स.सर्.मे.ष्ट्र**-र्.ल.च.म्रेस्। पर.मे. स् मिर्ना पा प्रमा प्रमा में केर विश्व दिन दुर्ग देवे देन नुरद्द वर्षे वे वर्ष्व पर नुन हरे हुश्रामा **नश्नमाना**नात्रश्राम् हुरान्तामा श्रासानामा हुर वर्चेट-व हुस.री अ.स्ट्रान्य-में श्रेश-क्रेमंश-लून-ल. यगोंद् दश स्पेंद् देश दे देश देश दिन सा हिंद सेंस यगोंद है। द्वतः क्षंत्र पर ब्रूट सर्द, दद स्ट्र ह्यूटस पर्दे द्वीतः विविद्य विद्यार्थे अद्य भव गु देश विद्यार है श्रमः रवतः वः स्वांशःवः रुवासः वविदेः हः इससः ववः ब्रेर-वकःच। बट-ट्र-अर्दे बेबा यू वर्षीय वट्ट-बेंबर-इक्टरा द्र्राची वंतर सूर्वी वर्ष वर्षेश चिष्टे वर्षे सा यदेव या देश हो। देश मानित्य या वयनाश या द्वारायन्तर ग्रे.चर्गारा कुल श्रेरायीय मिना साला खर २ त्ले सामा

वानात्रार्वे क्वार्ट्र हें हित्यक्व खानाव हैन्स गु व्यानी मर्देर दह्या वर्भेर व । बेट र सेह वलना वसा ଝ୍ୟ ଞ୍ଜିମ୍ୟାର୍ଟ୍ୟ ପ୍ରାସିଂସ୍ୟ ସମ୍ପର୍ଶ ବିଷ୍ଟ୍ର ଅନ୍ୟ ପ୍ରାସ୍ଥ ମଧ୍ୟ ପ୍ରାସ ପ୍ରାସ୍ଥ ମଧ୍ୟ ପ୍ରାସ ମଧ୍ୟ ପ୍ରାସ୍ଥ ମଧ୍ୟ ପ୍ରାସ ମଧ୍ୟ ସ चेश्रारयाणुष्यार्थानुन्यान्त्रात्राच्याच्याच्यान्त्रान्ये ह्या किर्दा सक्तरमासेर्पात्रा हिन्यासेर्पारे हेर्नि नद्भा के हे न प्रायम्भिक्षा है । अदस्य मा वह कि स्टिंग वद्भा वह र्नातः सम्याता देवे हेम्रा नामा नाम्ये हेम्रा नामा नेते बेदानु मानुदा नेते बेदानु स्था नेते बेदानु सद्येपा देवे होट दु र विष्युम्। मियन गाउ मीस वर्भेर। व्रेट ल.चीश्रिश्र.क्ष्यु.ह्र्चा.रे। टेर्चा सिट.ब्रु.क्ष्य.ज.चट.लटश्र. यानु अर्के सु व व । व नामा मे पहना यदे केर दान। ब्रूट सु में १५६ ना पर में मोप हे क्रूट मी में १५ ने दे पर से विस्यम्बर्गः हिट'नु तहें नुसावते मु अस स्ट हें त्य नुस । वर से यमा होट केट तर उस। पहरा परे मार्ट उ उस हे से प्नीयः वर् अवासाना हेराना नियम स्थान स्थान स्थान

पत्ने श्रीट संबं पद्म प्रकृत मुक्स के श्री द्वार पद्म प्रवास प्रवास के प्रव

लक्ष. तें स्वाहु तिपूर पर्ने । ह्या प्रश्ने तिपूर विश्व विश

मुद्रिश्च सर्हि अस हैन नर्गेद् य। यसेदे सु से स्ट्रेंट इ.तोहुस । प्राप्तः स.प. य. य. य. य. मूर् । कूरा मुर् य. २८ .श्रॅट्.२.भ.र.४ प्रिंट.प्रंट.च.चीच.४ र्चेल.८८.चश्र्मा ची. नार में मिट व हें चें निट किय के ब से साम मार्च के मिर है। मुद्द देश सर्वोद व के द्यमा दुः सेद च दूरा प्रदूरा प्रदूरा प्रदूरा 출자·디자·루데·디· 저기자·작·전·전 및·디팅 HC·디· निहमात्य। से संस्टायमात्रा क्रिंस सुद्दार पार्वेद सुन र र्वेद । तुन ग्रे ही द हुम न न न है रें ह नदें 테스 4. 44. 리스 NC. 버트스 크디와 대한 김선·다 1 스턴스. माश्राद्य त्रिम प्रति देश पर् हिट शहर मार् र पर हित. पते मुंद देश केंद्र हुँद्र मावेद हुँव माद में समें उदा र्वंश य ब्रीट ब त्यम्य व ज्याय नाई विमेर वर्षा क्षे च्यूट नानेन हे नाने द नार्श्य। कुर्रेश सेस से देने न हुद यथ। नेग विव तर् नहेर रासर वर्ग्याच रास्टा है. लू पश्च. त. वंश. सुरु. देवी .च. पेश पश विश्वश. पट्य. चर्डेय. च. लर त्येव प द्रेश | इं दम कुं के झुट नेश वस

र्वे र्वा चेर प्रवसर्दा। जुद क्रव सुद प्रवास ग्री स क्रुनेश टर्गेट्। क्रुम श्रुट स्मित्र दर्गे स-मी श्रीट नीश म्बि. १९४। नश्रम नान्य म्रीट व देश सर श्रेट सहर अत्र गु. विचास दम ना३व सं नु व उव र नाम है। व मूर ३व व्य के द विवाद दुन दूर वर्ष या कुद रे ब ना बेर दे दूर य हे पर्व ही अनास। देश ही य मुक्त यें नुस्र चर् अमें में उद । सुर में ब्लीर मू पिले मार्स प्रमा रेत केव इ के नम होट व नग स वे नहें निर्देश न्नर स्कृत्युमायाळेशाचन्द्रया देवायकावर्भवः पन सरें। हुश श्रेट च चीय सं रवी की पर र ख्या श्रेमश पश्चेर पुर खप ब्राह्म व स्वांव रे हे वे सं ब्रह्म के व कर्रम रव के खेना करें है। दें है खर या वर्ष है पिन व माश्रम। यर कर चश्रुट च माश्रम मार्च में सहस मुल म कवास पर अदे ही व वस समित पा हे व पा पा नि क्ष्य श्रेमस रवत ह्रीत व इस श्रेम ग्रेस नुस हू न नुस ने स पढ़ पदे पुर हुव सेमस द्वव हैं है है है कि वे के सेन्स

य से अस प्रति व । दे ते पर पर व से स्वास पर व श्राटशःमेश.टे.ज.नेब.मेश्राचम्यशःच.खे.मेश्रेश मेर्ट.इस. मर् राम्बामकेवा हीव। पहिर का ता प्रवाहा र द्वा पु 5. पेश.रव.की. य.र्जा. केंद्र व प्रहूजा व। क्रिंश होंट. मानवः वर्गों मः सेट नो वे वर्गोंसः उद । द्रांट सर्हेद द्रये पर म्रीट व नृगु मुच च मार्ड निर्दर द्या। अव दर रूझ शहता नद् सर् हे किर इस । श्रित देशका व नशका लश्र प्रमुद्धारावे भूर सुना स पर् द पर व्यूर गुंस हैस ल्य.ची.सिश्च.चीट हुंचू चर्येट अ.सिश घट ची. मुभयो। धुरे कॅश श्रुट द्वे वर व गार्र। अपू गेरि श.माटान चंडाः त्रु फिट त व लेगी विन न माड्ड विप्र है। मिर रूस पश्चेत पानवट वर्षे सर् सदस मिस हिट स नाहेश कुर् श्रेट शर के जर याचार हो। लघे त्या भ नेत्र श्रेव बूर वि. तंत्र हा हो पट पत्र । होर सूर हिंद की र हा समीय। क्रिंग क्रिटा व नक्षा चु मार्बेर क्रिंब क्रिंग चु मानट वे त्या मान्त्र। दे माकेश के मार्ट हैं या पर खेंगमा है ही ए दर वहश्राया मा

द्वास्त्ररात् हे दस्स्यविद्यापित्ता नुद्रदेशप्तार म् निमा विकार्श रिमर में विद्यार मा स्वीस ग्री लयायान्त्रेर मार्केर प्रकृत प्राची वर न्यार त्यालय सुदे मु अर्के भ दरे पुरुष पा अर पुरु शो दे दश कर मर गे द म्रीटन। मेटामन स्रेंच द्वेव हैं है स रें दे नाडेम लया रटा व स् क्षीयट द्वायट व नाम ववा क्रम सुट वार्टर श्चेर सना व र पुना मा खेनाव र । रना नेर मिय ग्री मिट प बासिंब न वह मीश नगर न। देन संबन में भारत र. युद्ध न भी वस गोद दस ही दस न र्स्स श्चेंद-नार्दे हें वे सना व सुम पार्चनाया । समु हता प्री ब्रीट र श्र.च बेट स्था ब्रीय होना चेश वर् लाज ना वचेर. हैं ले न नगर में निर्मा ने निर्मा निर्मा मुन्देश ३.८८.सेंग त ८८ थे. हो थे. ज स्वीश व होश । क्र्य सुट. सन्तर्वानाक्षरम्या रहा क्षा श्रा र्लर् । वहा खेल ही विव.त श्रेम मिट वर्ड वर हैं भे हुन व नेश्ने मके। दे क्यां सकेंद्र हेव द्यार यें जुर क्य केव ये वे सकेंद्र हेव अव ह्म ग्री सिवास दे चलुष वाचे वास तह बार्ट बार्ट बार्ट वास व मिया निर्ने ति एक में में में हैं हैं से पक्ष निर्मे निक है। केंस में एक नार्वेर् हो व स्मर्य नार्वेर न ता मान्त्। सर्वेर् हेव देशर तु . श्रृक्ष. में. वेष्ट्र जू. वेद. श्रृप्त श्रुप्त रेवर्ष . विवास. तर्रक्षात्रमेषाता श्रेषमामीक् के बरामी पंखेरका कूम. मिंद य मात्रव भेवा दसर वा मान्दा अर्के देव देवा चे रहा सदस मुंश गु. अनाश सकूर हे र मीश मीर ना। हर ताम नेवा र प्री ज्रि में चर्निया। क्रूश श्रीट य मार्चे र श्रीव श्रीमाशः गुःमकु उदायामात्र। मक्ट्रेन हेदार्य द्वाया झायसा यवश यारे प्रवेद मिलेना सार्व सिनास । सामा में में सं वह द्वा नीय वर्नुक प मकैसस दें र वर्षेर हें दु हुट मैंस यबेटमा कॅस क्रेंट पर्वे क्षेत्र के सदे पर्टे व पार्रा देवे के वड़े में वेद उद मम में देव में हमम ज्या पर मन सहय वर्ष्यात पा. सूर्यास. वर्ष. वर्ष्ट्र. व. सट. टे. वेश. वंश । दे खेंच द्वेंद भ लुम न। जुमरा मदे ब्रीट र् अर्डे दे दे

वेर् प्रवर पहिन दश सद्दा सकेर् हेद केद ये पदि वर् मळेर् देव रागर ये मान्य मानाम यस daz.a.2c.51 लस्तर्व के दस। जुर साही दही निर्देश में साह स चश्रम देश कुर्चाश जानाश त दिहा वह हिंद स सकुश दश श्रेंच द्र्येद व्य लुख यस । सना ह दे नुवा चे दे निव-गैं से अनुवादा इरानु इसारे नुप्यदे व्याद नुप्या मात्रमास उद हीट वेंद्र निर्माण मार्च निर्माण निर्मा यद रहे ्यश्रेषात्म, चा.हिंद्रे ही पिता. चीडुच, चलियांसा तर चीचींस स् नशिट व रेट । की अ व्यस्त है . श्रेष इंट्स पर है है । वह ग्रे हे हेंचा क्यांका क्षेत्र, सदेव या मोड्स, ग्रेट, ध लेख. यर कर वा नर्शेश है । नर्गेश गु रामा रेर दूश पहना श्चित द्वित मुक्त रा मुक्त पर सहद द्वा वट विव मु द पदे रक्षमा दिस्स वस्त । रचता स्त्री रचन वट दे मीट्स म चर्च. तथ। १ व वे व स्वा वढ वढ़ वटा में बर धट प्रिवः र् हैं व न न । अव देवे ज्वा वे ने दश महत निव के मुल यें देने द यानदे नड वर दस्य स स्टिंग कर नी केंग्र दर।

विद्यान्ति व्यान्ता व्यान्ति विद्यान्ति विद्यानि विद् विग्न हेर वस । ये ब्रह्म ने प्रायम वा वह व वे वि ह्मस न्द्रमासादी देवै देवा वायर विदेश द्राप्त वहाय वस। दर् मुलामससायदे परंद में मुद् मु लियसायेंगः नु वर्ष या सम्मित्र कु कव स्थित होत् है। वर वर दहा ही स שׁיקאיק קבתיקד דאי פר לאיאבת מַקוֹיק׳מְלָאים· प्रमार । दे वंश ह च वार्च र पर्वाय वंश स वा हर द्रभम् इत्स्य च द्रा माना ५ च द्रमा गु द्र प्रमा कर हो २४.सी इ.स.चश्चितारका शु. वशका वर ची.चीर न्येस हिंचाका श्व. मुंस देश। निलिल श्रिट मन्त्रीय पर दिवस है है निर्दे रे.वेट केंच के चेट जामकूरे त वेम वंग भक्ट्र नवंश श्रीव ट्रायायदा सुरामहेर् हेरामासे वदा वा महेरा करे. मिर लिये देशीय वर्षे व वर्षे व पर्वा व । दे शिक्ष गुर सिट वर हिंस हेरास । कुलार की वाद या नारे ना नार् व करें। दाया हें की में हो दार के किस भेरें। हैं न परिते प्रदार देश व दें प्येय के व वि द गुण्य में जुन य वा

हासदे विषयायायात्वसायान्त्रसाने प्राप्ता विसाया दे । ्रु वे महरू द्रुट हे दश बर या मालया है हा **दर** यामिश्व-तश्च-थ्र-थ्रश्च-श्चर्य-कर्त्र-विद्र-त्य-र्ह्य-त त्रुव-बेराव विश्वाचेरा दे है अर बेर य दे पुर ठ्र यस. मदेव-धर वृद्धः बसार दूरि वृत्राय बसा दे प्यविवः मानेमासा त स्मी खेद राष्ट्र द्रार श्रेम में देना क्षेत्र रेट्स रेस स चीर-वाश्वतात्रश्चाक्षः वर्गरः वशः शक्ष्यं कर्त्रः वर्षेत्रः वर्षे हाः शः ब्रायमिर मी। दे वस हुर मुंब वस ह ये महिते प्रमूख तृ वेद्राणी से निले निर्म्भ क्या वि निर्मे क्या विद्यालय निर्मा यदर लुव. यस. वर्टर. ह्. इंट.वम्रीश.चुन, दुश.चग्रव. कुत्र में निव रोंका ने मिट न खुनाक ग्री मान महिना ने। धेक यु निव दसना ने दे निवेना यस। स निनास पर्स मेश प्रवासि पर्दे भेर र्रा दे सार सुना के प्रहना मामर मी भू पढ़ी से सिवास मा वर्ते र म मी रहे. हुनास मे यदे मूर्ट हिर हे व ये महिम गुद भेर रें॥ इन्स्मन येर्

न व्यन्। या नेत नु कुट प्रसायहरू में लाम्स प्रसा मुन्निर म् जु.लील ववटावशावर्षेट्राताभूधेवेष । सर्धावर् श्चित्र द्वेद ता है सापस । कु द्वार वेद कवा वा देवेदस पदी केन न पर के प्रस्ति हो या पा प्रसाप केव । दसना न प्रमा र्राज्यस्येर्नास्याम् मार्यस्य ये मेकुमे ग्रीटःस्राप्तरा इ-न्डिन्। गुदास कर्पयर कंट पर । पर्व में भिर्श्वेद में वर्ष व श्रुम वर मानामा स्था दे वस केंस विमर 5 वेंब वस । रेट होया में हूर्र रहूदी जा में हेना सुनास प्रसा यह वर र। रेट श्रेम वयेष व श्रेम व स्मा व द्वा मर्के र हे व मी व म हेना य मलुनाम । से म गी ना अव में मासट च दट । असार्शेट चद् व मी विनास दस हि दि लय में विवास रिंश बीड्रेंस. ग्रीट ट्रेंट चिवास तंस. क्षेत्रा तर. चुर्य कुर्या देव हुन नेट निमा से हुन मिन ने प्रा त्स. पञ्. हेर. प. रेट. । शदश ह्यूची. हेट. वह्चास. पर. कर. नमाने हिंद में इसमा प्राय विषय द्या में दिन वा मुंदिन विश्व-दा-दूद्। वर्ष-द्यंश-गुट-श्रद्ध-श्र-श्र-श्र-वर्ध-तर्थ-तर्थ-तर्थ-तर्थ-तर्थ-

छैन यदः। र्श्वेन वैदः तुभः इन्देवैः नहेंद्रः। देन्देवैः क्रुव-दु-वार्थिय-दस । हेदे-चे कु-वन्द-दस । देश-सून मेट नह नमाने नमान महिटा दे अद कुर नु निर्मा नस । गुन्नमास ने दर्द त्यदस सम स्विस के न प्र श्राधित व द्वाद के घट दे जावट है के स समा मिश खेब दाशि.लह.भ.भकुस । ते.भविश्च वे.इ. परेट.एपु.से. समान में निर्वेश स्नि निर निर्वाम है। विर ग्री मर्केर हैं (न्यू के स्वाया या या वर्द सेवाया र न । सकेंद्र हें दुर वहंस वर्ष ब्रीट व है व के है। वर्ष व का शु स्वारट वर्षेट व वित्र य दे प्येद विकाद व मुना विद्र के विद्र मान वदे म यमुंश सक्ष नहां नहां र में भारत महेना नुन। महिन सर् उ द से निव में से हार । अ यह तर की हेर वस मासेर विच पाठेपा गानव । अँग दर्वे व द रे दे अद र्षेत् च ने मुलार्से हेत् चे चलि भीत पर्या दह चे मुलार्से हेत त्रात्रिके नीवनास न माश्चिद्ध देश। विष्यायदे निर दियन नते वस वस नवन मा दे कर समें मिट नवि वह सुर

- व.ने.मी. श व. ना.ब. प्राप्ट नाश्चम । मट्र. व. सर्ग्य च् नाकेश. मुरेश। देवे भें द पर तुष्य । भें वे धे व र प्राप्त र्ट.चक्स। हेट.व.क्स.ग्री.विस्र.ज्.चार्चर प्रशासिका न् र र र र । निमार मुल सक्र र र वरुर र वर्ष र वर्ष है। इस.श्रेट.च मेल.स चढ़ि.ज.चर्रा झेनस इस. बर भट्स है है वर्जेश जासक्टर देन वसी स वसेर में खेल. 5 PX THE GN 2 3 XE NEW BN B 2 E BU 2. वर्षेत्राश तथा। श्रुम सेट व मेज त् सेट के वर्ष प्रचिर ज. नार्त । नशस अस हिंदे केंस हिंद दयाय सर्वेद दया द त्यानार्त्र । देनस्य वर्गाना प्रस्त्वस्य स्था हुत निश मीय न त्रिक्ष के प्राप्त हित्स सह त । मी प्राप्त पर नग्रिम लेग्स म हेर्दे शुरु दुस्य प्रवादश स्पेट्स की सर्हेद मान्स । संस्थ पुर्वे लुश्चरम देश वस । लूस विदे लूस विदेश वायनशासी। हिं में व मन दिन्दिश यात्मा । अहमा प्रवाद है के नव्य १८। भाषर कुर नजद अब्दू मिल में हेरा मी व त.

महर्पमा सुना रेश भेर्। वर्त्र वन्त्र मि मुना मार में वर्ष र नव नु वृद्य वदे महत्। वृद्य हुन हुन मुर्सेय वदे स्वारेश। द्वी मुंश ग्री महिना यन निर प्राप्त है। श्रूट य सहय अस मार्ड ये सहद य। मार्ड दिन्द दिनार श्रह्न मा खन्म हेर् नु मन्न वर्ष हुन न्र मन् । मुरेस क्रवाय विर । विद् नुन से नामस व रेनास नासुमः श्रमुरे हों नोलूरे व शहरा मेश श्रेव में से देहा। शहरा मुख गुद नु च बट यो से मार्थ समेद ये चलुनास सु नासेता श्रम भ्र. भटव वस व भ्रट मी वर्षे अव वर्षे रेटा विस मार्श भ ल्या स्ट स्ट सके वस । क्षेत्रियास सर सहर । क्षेत्रा पार्स यना व हेदे हिंस ह्यूर बदरा है वेना बन्नाय । र्ज भूर प्रमीय नवट. मोधूना नहु, बुट तकुट नेतु है ज वश्चित्र व दे थे वश्चिद केंद्र व वश्चित्र । इद वर दे व व के सर मार । अ मेरे नदे खूं मनर दर्भन न ने ।। हें के के सेंद्र पत्रव के देन सेंद्र वा अस कद पन प्रमम् निष्म अद्भाष्ट्र निष्म निष्म निष्म निष्म । अन् ग्रे

द्वार्रे य द्वा त्रास्य दश्य प्रतिहर्मा श्रु निर्मा र्थ प्रतः वत्रवः मिता मुनव्देशमितात् उत्तिमाष्ट्र पत्त्रं तर श्रेंचा रत्र् मुम शिट पर्देश तथा। यत रे पर्वेश वस पर पर पर्ह्य. 다시 [다리 : 5] [14] [क्रिमार्चना पुरम्बद्धायम प्रमु द्वया नासेर निष्टा है हे प्रकृत्स गु.र्गुजर्मार्मे वर्षेद्रस्सुगार्थ्य। क्षेत्रज्ञेत्या अस हैं. परि. परिष्य, रेट्डा राजा। यह है यह मिलिस विद्यु । म्द्रिम्पायस्थित्र वर्षे व्यापायः सेन् य। वदः व गायः सेन्या मि. मूर-मी. मू. र हुडू मी. रेट. वश्च मू दू तवनाम होया ता शामाने रामा राजस प्रसामा मासुर मार्दा सामा मार्सर मु दे मैं बार तर दे दे दे ता वाजन हु र त. च में दे गुरु निर्देशन विदेशन अहार में में कुर के हैर नहें. बट चड़ लूर् च। के बश्च कर वह ज बंद सट मोद्रीय बंद प्रवास पारे ड स्था भी मुनार वेंदाव। ही परेंदा व्यस्तान्येर मी नेत हर्मा निर्देश । ब्रह्म में प्रदेश क्षे क्रिम्स ता है मार् नार नार मार मार मार मार मार में में निवस मार

सहरयायः प्रिसाववर नुर्दे या क्षेत्रे वुक्ष हिटा में क्षेट्रायस न् र् हैदे हुस झाव मुस महिल में दे मळर य पाठेन पलेटम हा नास्ता हे दस होत द्वेद त सद्य प्रस्ति भी व देव प्रस्ति से में निया स्था विश्व देश विश्व प्रश् वेर् तवहस्र सद्व देश वस्त उर् या वस्त दूर विय वस्त लाल वर इंजिंश मेना हुश शिर मोबर। श्रेंच रेचर मे ५ मिट व मठम परमं वस सुन याम न नुवास । न स है। प्रदास पढ़े पढ़े व पड़े कर । यह व र् वे अदव निया गुरायहर हे स्वा द्रमर क्षेत्र दे केवार के विद्रमा श्चेन न्यं भा द्वारी के विषय मार्वेट से ने मीस नाम क्र में परा महेंद देव दान में दे में द ने ने पर ने में व लहम न्याम हें है लग मासुम सुना नुना म सेन में केदे में निनार्थेना पानिना माहिता क्षित न्ये मीश नेट दे पहले मुक्त रव हुव विवायर मी झ ईश हुर हुव उरका है। बहुर हेब द्यार में या प्रमुद्र या पुरा है लया प्र मुंग्रा हु। माडेह

र्देना नार्द्र । है इसस दूस नाईना दु ना ने नास है। हर में नाय पति १ द पति । हिं व नारेश में मित प्रा भे वेश में हे दवर वश्य हैंन व होंच होंव ने हैं है हव वसर गर्नेर सहर पस से ने वदे नुया गर्सर स दर्म। वर र देश में रेवा र प्रेर नारेर से महिंद स नाट सुवा हता वमस उर प्रवेश प्राप्ता दिए वर्ग मुक्त मीस प्राप्ता है भूत से य, क्षेत्रश्र जर्ट, रेष्ट्रज, यहा । श्रीजान, मोड्रेश, मोड्रिश, मोश्रीय. मश्चम व्रेच । अपाय कर च वे भे मामके व । देवे हेंस त्यगुर वृद्द कें के चट रे छेत्। अतः रे त्यायन तमान अमः क्ट. हे. अ. हे. यद् . वट. ने. च. च वट. च . त. लगाम. यमा यवट. वस. स्रि. नक्षर विस. स्रेर त्यं विस. सेनास. विसर शर्. मुस्येत दे हुन वस लूरे हु। बार वर तर लार श्रेंच रेत्रे. में इ.मीट वस्त्रमानर महिंद में हिंग में स.चगाद वस हुंद दा वद् व र्श्य द्वी श्रेंट रेषाश्र हिरे रिव क्वि छव रिव विका द्वंद मोश नेटारे वहेंदामीश द्वा है पर मिटामी है हैर हैंद

इटकं है। विविद् सबै लिंह ला ल्या वर हु न विन्या माना में देना पर्वेर प्रमाह दमम दुरा नारे ना व्यवद द नाये हे रूर मीं नाम नविषान् परिष्। यर कर विकास मेर ही नार्वेद य नाट प्येद द सुरा । वय ह्यू केर चेंदे दुस शु स्ट सें न मक्तामर धर पहित न मक्ता देश हिशाम स्र में के बर रे नेता क्ष्म प्रकार में ब्रिट चर्ड वा लेंड रेस नेत हैर हैर वैटा। यायाचा दे मिन वह होट द रया मेंदि ही पर्वत । पाया से महिस महिमा मेश वयद व युर या स सम्म या हर सं यर वर वस तमा क दमकार मिर अर से मित है मुक्त की। लाट श्रेंच न्यं में उ मीट क्या मानर नालेंट के देन मेश नगर च नर्रं भ दश नुंद च दे नद द वर्ष दने होंद वहमायदे हैं है द्व कुंद उद महिना नु नाजेनारा होंच न्यंबनीश न्यु है । भार विना मी ह्म ब्रम्स नर हुना से दे । पर हेट दे वह र के अपने हुन दिस वस रव है वे घट वस से हेने त्रें है देश ने सामार मा वट ने माने हे हिर मी मान प्रेंद 5 विनित्। वर कर्यस्य विस्ति स्ति नित्र नित्र वित्र वित्र है सुत्य।

लय हैं है व में दे दूस कु हे द में व या महायादमर हर. प्रविश्तु प्रतिया हेसाय सुद् से के शहर होता पहर वार्त व श्राम्य में मार्पास पढ माशुस वेर्पाय मार्ड र वस र् क्षेत्र वर प्रयम् मुना क्षा है ते ही ते वे का पर चेर। दे इ.इ. अट श्रे.इश श्रेम से भेट नहर व श्रद वे भेट मर ब.सर.पर्मेंचे.त.पुट.डु.फ.स्री.स. भारब तिश पाझ. पंतर. बर मेरल के कर बिर में बेग व.ज म्यंश व वैर व कर मू व अप निम निम मिट हू अकर नश विम्र अप ही है. मिन र में श रें। देर शून रेंग रेंग राशम. लश में कूश प्रमूर स ने देशका जा भटन ने सूज जर चने दे निस हो। यद नित्र निमायदे हे द दे हुतायदे हु दिय वर्षाया मिट ची आकू बेट रे . वर्षेत् कूट . व् क्रेश वर्ष मर. चर्वेचास देश। वैवास देश मुक्त के मिट पर्चेट्स राजा. न्वेन्य प्राप्त विक्तु न्त्रेय है। हि द्व है देन्य माश्रम तर् हैमाम पास तर है र पत्र है र पत्र है र रे रमात्र

व.न.ज.श्चम तपु.रेनाच.मी.चयः तथिम समीर.रे.चब्रिस. स्। ध्रित्र्यस्त्रियःगुषःगुषःरःरःरः ने हे दःरःमुषःरे व्यार विद्यारे । अकैमस ग्री द के मुद नानास व सेनास यर्गा व्यापक मार्गिस की पर पुंची प्राप्त में के के पहुंद्या र्भ रेश शुःरे। इंदे नदःरे। इंदे अदःरे हुई वेदः की मदे क्षेत्र हर दर यम्यम् । देवद दे हे दे की मुन नुद्र देश के नेश व्यद्र देश हैं के देश हैं के किया है द में रूट-लूट्स स्रेट्-ज-लूटस-चस । चसम-लस ग्रे-ड्रिन्स-शट समस कर ने हिट रे ने स. हे । है कि प्राट ता सर्हर हट. ल्यश हेना सेर प्रसावर व में मुन्स सामरे। व्यादस क्रमस त्य देश पु नम् १ देश मार्थिय देश 🎽 🎽 व न्यं में मुन्तर में अन् स्वित प्रमा सम्माना सूर न्दर। इ.व. व.रटा भक्षमात्म वेत्र व.मी वेर व सूट. श्चित य स्वीस.तस. श्रेट जूरम । अष्टुम.जूट, चाञ्चवास. वार्मिमानावा हुन हु उन्ह मालेन हुन का भर मे

ज्यम वस । अर्रे. त् भग्म. यो मी. मष्टर रस । श्चेंच-देत्त्र-स्रिर-तार्थस्य स्थान्त्रात्त्र-भश्चर्थाः तथा द.रचुं सद. श्र व. भू मूम् त्राचा चार क्रू सी. मह. वेम. श्चेंच न्वंद के वंद के ला सार हा ला समी श्नान देवा वेना-नुम्बेनस-ने। हेस अन् न्द्रमानुन-नम्। वेर सर र केंस वनर वस से के नि सर होंच कर निस न्रे नेट.किय.श्रमस.रेतह.श्रेंज.तह.सेट.लेब.तश । क्र्स. मिर से व म् मिश्रदम। दे वस अनास में दे दिवेद वि र वदे हर्म श्रिव-नेत्रं मी मार्यमश उद भेंद धर श्रु निर् ही। न्वराय ने व्या नुःश्चायते न्ने श्चेंदायक न्रिस श्चर्द्रद्रसः वस न्रेस्ट्रिट नर्टा। चरव ने वे वे लग वश हते. मुं में देने श्रेट रेद प्रमा दे वर मुंद हमसाय दे पर्प नमाम नर्न हे सानग्र सुत्यानदे त्यत्र । नर्ना नम सर्भरः नुभाक्षात्रस्य वर्षः अर्द्रायः केषा वर्षः अर्द्रायः केषा वर्षः वर्षः मित्रमास रमो श्रूर-प्रसास व्या र्मा र्मा र्मा र्मा र्मा रमा स्वर पर मेर पर रमेर यूर्यमा वर्ष चर्ष निम्ने ने देवे ख्यम है। वर्ष वर्ष ট্রিন্বির্ শ্রীংবু রে ই রাবাণি ইনাবরা র্মানের र्दु डेश'न्त्वास'हे। वेंद्'ग्री'रन नु वृद्'न'श सून्त'दे'पीत वय-५-५८-४-५-५-४ व्या के स महित्यायस । क्ष्मान्त्रस्य स्थान्यस्य स्थर द्रा विष्ट विष्ट सद्भी :5'रद्दा धार्मेर व'नर्रे छै'त वे दे व दूर E4:41和.到水,41:41更过,612年12日 新.61.4.4.4. क्रुन मक्र्मार्टा जन्मश्रम मिल्याये मिटिल्स द्वार्च श्रुट् 5रा.हे। श्रुट ग्रीट प्ये प्रेश द्वार में दिए। **द**्याया रियेटश्राजा श्रृष्टे याचरेचोश्रावश्चा शर. श्रृ.चैच्रारचार्चे. वैद्रा यश्ये. मृ प्र. विषा. यश्य. पंगी. श्रीय. राष्ट्र. यझेय पा. प्राप्तीय या. - नेर्'र'रवर्रु'त्युद्र'र्वोर्थ्य'प्येर्'यम। र'वर्ड्'र्स ह्येर सः हेर न रहा। वह हेर्न में हा कं रहा वार श्रमश्रावत्रप्रतातु वृद्यान्वेना वेशान्यस्य । होते य क्मसाक रे रच नु जुदाक वर्क च मेर् में मकेस परा। पद ब र र वे र र र देश पर्के प मुंद ब्र हुर है न न न सुर । हों वे

चें ब रे दसन दर हिलास नुसान कर कर के वेंटर हैं हेर ! दे मा दशक्य देनित्सावरे भेतामानुत्रे मर्केन मत्सामुद् नाश्चाद्या। हे हेंद्रमाश्चिमानह्यनःस्रेष्ठ्यः वेरावरा दे व्याद्नी व अग्रवाद्रार श्रेंवसाथा श्रेंद्र हिना हेस वनाव नावर हैं। देनसाय है क है सकेंद्र या मुसायदे दूसा सु हैं कें वर हि मित्राया स्र्राचुहुर र रटा। स्राप्तव्य र स्र्राम्याया स्त्राया वकुर्वमार्यानु पुरावमा नव हेर्दे वा वन्यान्य। मर्केन देशकेश वर् चलेद हे में खुनाय प्रनाभीय होय। देख स्यक् अमेरिक्न नामा दे क्या समाय दर था मे अ । अ माले मेंद्र- स्ट्रा रहेक स्र मीश वर्गाट वस स्राप्ता वर्गाद र्ने के ब वर्षे चुट केंश ही विसस परस दे वस से सना से दिहार पर्दा र्रेश्वासी पर्दा सर्वासी स्वापन मु त्रिक्ष रूर् गु हेंद्र नग्नि अन्त। हे न्यार व्यक्ष व। रेष्ट्र मुनवरे केर्नुनवर्ष दार्गे अवास्त्रसार्दा द्वा केष्यं अ महिन्स्य सम्बं चेर दी। दे दस्र हे में र गुन क्र्याचित्रद्रात्य। मेर्राज्याद्रात्याद्रात्याद्रा नेस'द्वद'र्ये मळद'न्न'म'के'ख्य'द्व''्र'द्द' नु'मे वर्गेशनुरा मु मार्गे वे वे वे वे वे वे व ग भेन्स गे दूर। झे. तर प्री. गुर. रहा। वर्गे प्रमूच रशकार्ये त्या श्रम। देवे. 2. 4c. x. 4c. 34. 2c. 4x. 4. 4d. 2d. 2g. 2g. 러Ո스 1 원,소네간, 및 영, 및 환, 레다, 크뤼스, 그, ME, 1 및. यत् भे यत् निष्यं या या । यया हे द यदे भे या। निष्यः यदेव.राष्ट्र.क्रं.त । भर.त्रा.राष्ट्रीय राष्ट्र.क्रं यशिषा चे.ज. MEN. तम. त्रं जा. भु. पंचला. नम् अष्टि रे. पंचा. म. चर्में र । रदान्तित्र श्रेपति च्या वर्षेत्र । दे वसा इ. यद् . अट. के ची. वार्टा मार वे दे हेवास वार हेर् के अहाव व सहर । शर्व.चर.३्स.ग्री.यो.च.चश्चर। ल्यू.वा.श हेचास निर्द्वा वायावत्यवि केर् न्याव द्वी मेर्पर वर्ष् क्रमानुद्र हे सूर वामानुद्रम् है। येना यर प्रविभावरे मृत्यायम् वीरावशार्वेद् त्याम् रात्रक्षायम् मावसूर् यो प्या न्नमः त्रे द्वो प्रत्य प्रत्वारा प्रदे द्वा द्वारा द्वारा द्वारा व्याप्त द्वारा व्यापत द्यापत द्वारा व्यापत द्वारा व्यापत द्वारा व्यापत व्यापत द्वारा व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्याप माद्र हैं किट.वश भारवधिर। त्या वे हैं यवी ब्रव्सा वर्षेष.च.च्रे.रेशश.ह्र्चे.कु.चश.भ.वर्श्वेर । त्य.च.ल. प्र- अ र व र अम्बिन वहा भे भे स र वहार्य सम्बंध वहा पर्वर । अर्रे हो दृष्टा महिद्या कु मूर सुता दु स्था स रमः पर्व में वे विषया या परवार पार्व सामसूर। ने वसंचर्धान्य वारे भो नेस न्वराचे । कुन्त कुन्ति मी इर मा मेनायके विविक्त में दिस मी दिया सेरा द्वाय. न् वायोब्राइवरामेंद्रायादे से स्ट केंच देवे दाये दाया स वन व कर नर स्पेर च नश मेना स त्नुर नर दे स्पेर त यक्षभार्भे महित्स। देते हैं मुक्षन्य प्येद नागुक मुक्र नगान के देश विश्व देश हैं के विश्व ति हैं मञ्जूर। गो उन्नोट र्गिर्स्स सम् नुसरी रम रूप्ति न-श्रिष्य-दर्मी.ज. अस.श्री.चरी-चीश्रीष्य. पट्टेश । ट्रेट्ट जस. रेत्र्रे हू भू.चेर.केव हम सहरे. बटेरे बेरे चेम.त.रेट ।

चित्र स. चम. श्. इ. ज. पूर्व है ज. इ. व. व. व. व. व. व. व. व. व. इ.श्रुचिश विस.इट.श्रुट्ट्रवेट्ट्रवेश ग्रुश मक्टेट्रस झ.क्ट्रस. वे मुखायर सहर। र क्षे ये से के य गु वे मुखा है नारा सक्ष्याद्वसाहेते. मार्ट्रा र्यासान्ता प्रवासानी सावस्त रत्। शःरवशःरग्रेवं मह्नेवा वास्त्रमः व स्वा रतः लेखः सः र्दा मार्मर्ट्यं मुक्रर्द्रा र्मोर्ट्रंभमा र्वट्र त् स्विटः इषः द्रशुदे स्वापट द्रान् द्रथः द्रवः त स्वः मुन ने लगकेममाओ मेम न्या में त्या वलना ने भी मिलेना देर सर्भार दशा रे रे में ने ने ने ने ने वसामर्केन्द्रेवाम्बेन गुरायलेटस। देरावर्षकार्यसा नुम रवट स् इट अर श्वानक्षमा वर्गातालट खर् मूट नु वर्ते । रव नु चुर व अद्ययस केंस् मुदे ह्वेंच द्वेंद दूर। १ अर्थ होत नर्वे न में स्वा व नाम न मान में स र्श्वेरा रेटाल्यस्यात्वातारे मियापनुराख । देशापारी शूर्य रत्त्रे त. श्रम क स. के । क्रम श्रीय माना पढ पारे माना मान

नु नक्द। अन् गुष्ये ने सन्दर्भ में सन्दर्भ स्वर यस। र्गोद्रमहेन् मे हेद्राध्य र माद्रमाय हेर्रु न्गिंश्यकेनानी हैबाय प्रवाह्य से विसावता। यह दे देश वात्रवासासे विसाम्युकाम्युकार् रावर् । विवासास देश च त्या हु देश द्वर से हु वर कर् देश | द्वर द्वी वर्षात्मभूरावस्था अत् हेताते वहिंदाता संग्रासाया थे मेश द्वार विभागि कर पा गुरु से सके द्वार सके नस । भे चेश रेचट तु. तुंश वंश. हैं. येचे शहर कि नव वे ही सेचे सेचे. र्रे.श्रुट्र। होती.ज.च.च.च.च.म.स. चस.चाद्यचाम.हे। सुरा. चत्रिश्राच नुष्या र् ताप्यमाच स्रूर प्रमम । विम्रस मूर्वास यानु हेर अद् से मनुव। रेवे देव दुव नुप्ता रेवेटब इट लेबेब शि. वश्रुंब वस । येपु दे नेट घटे ल. ब.चे.च.चैट.बन्ना विन्न.टच.चे.क्रून.श्रुंट्र.टचे.च.चेन्न. यस सम्बा भे मु । द्वाय सेन् वेट भेन् या से नेन्य सेंस तश्रसदश् मु नेर दश | स्थापश्चरायश | त्रेर र म. मुम विवे क्रम मार्श्विव। नम्म प्रमाय महर्पा पर्वे वर्ष। श्रेंव मार्रेर दर सुस न्या मी द्वी श्रेंद वर्षे वर्ष श्रद्भाद्भा। वे रें वं वंद्भा प्रवद्भाव द्वारा विद्या वा स्वाहा या कुट नहा हैन होंच र्वे के हैं के न्दे केंस होंच ले यात्रा भरीय प्रायहर्त तर मीर । वाश्वर रव रूप त केव नद्या स्वामित्र । हेव सेव मुन्तर लुक्तमा चूर् सिर् टे.कुची चक्र च.रट. हुस. मुस.च.चे.व.. भेर-विश्वद्य । यद् र त्र्रा चेर्ट ह्र्य प्रस क्र्म पर् सेर वेश.वेश.वश हेरे.भुर.व.२.वर.वे । यट.शूट वर्जूर वर्जूर वर्जूर वर्जूर वर्जूर तिश्रामाश्री सिरावश्वामाष्ट्र्याचरा विष्यावश्वा श्रमशास्त्र व्याच हे. यते ही वस है न यश न यामा के प्रसायश वह व व व ने तिश्वात्रात्र्यं विद्वात् त्वकु त्वाद् त्याः कुल कुष विष्य विष्यात्रया यहेब में ब पर मानाय। ए पर पर होंद या वह मानद हैंस लवे.चर्म कूस.चडुवे.भुवे.ततु.कूस.केर.लुवे.चेस.चरा । र्वेर भेर न लेर करे न लेर नियम नियम । अहर नियम र चैं.चं.चंडर । ह्मं.इबं.च्. कुं.दट.भवेंच.चं.भक्ष.रह.चे. र्थे मक्षर्वत्त्र । कुरे क्षेर् वस्टानी मर्गिया मे प्रा माल्ने दमस हैं मीं रेमार्चमार दसम्बद्धार देशमा म्बद् वस देद गुद वियावदे देव कु दके दे वेर। दे दर्व चे दे दे के व रे के दे निया है हे र में प्राप्त के स है। वव दे हेंद्र हेव मार्थव नहींदा दे भे लेख न्यह दे ता कु नही वर्द् के सर वर्ट नस स स्वास दस हुँ वे नम न वर्ट BE. D. W. JA. LAC. D. BA. ZEN. A. SEN. 39. J. विन्नर वेद। अन्तन्य द्राच्याद वर्षेत्र 4세 | 건요건 전화 줬었다. 라.다. 보다. 도. | L. H. 건의 निवासिसिरानगरिसिम्निरान्तिर्भाति वर्षा वर्षाः वर्षा वर के नार्ट विश्व रास । सहै वर नार हे विय सहता वृक्ष यन्न देश नहिन्द ने वेद द व निन्द निन्द । अ वृत्रत्यत्वा प्रमुक्त प्रमा वद्मा वना व्यक्ति हैं। दमुम्मार्गे लेस नुस्यम्। दर्गा वर्गा वर्गे वर्गे य दिन वर्दम है। हिंद मुँ श्रेंन नहें न महादश दश द व्रेट मी र देन तम् देन देन न न न न न में न में र मामस म देना र क्रिस दस वि चेट रे. वर्ष रे. व् हु है है रे विश्वा वर्ष वे दे वे व मुद्राः दशः में इ नक हुना देद दश थे भेश द्वरा हो हुद इत्स है। स्विट्न वह बर्च या सुना विलेख ब्रा वह व त्स पर्वेष त. प्रसिवा तप्र, मू मिस बुव, रे. चाशिरस. तस । स्रे विश्व द्वार विश्व दे । दे स्य प्रमा द्वाम में क्या मानव सं हैं दे सर्वे लया के समार्नेन नद्ना क्षेत्र यर पर कर म मुक्ष व के है है है। वर्ष में पर भु के र्द्राया द्रमापरे क्रमगुराद्यवासाय पुत्रसायाम पुत् यदे वर नु निद्ध य भेद य य। वर्ष य स्राय यस सक्ष। सम्बर्धित्त्राम् तर् स्त्राम् वर्षाम् शरश मुश में केंस नार दर य देर सु हेनास मुंश द्र्याय नरे न्या ने न्यान नु वेद न भेग ने । वेद अव नु व पर्येत्र श.सर. चैर. तश. शटश.येश. ग्रे.क्ट्स. रेट.ग्रेट. श्र. नेनासामी स्नियन दे से दें दें। दूर म शहस मुस्य वर क्ष या सामग्री व वसा वहुँद् वर व्युक्त वस दे व व दि होंच सामा सामा में या मु न महे न हर म हेना नय सुवा न परि दे. पिना ज. भूत में . न भूते . चंत्र . चेना स. पट्टेनस. श्रे . क्रिय . कुने .

त्रुर. त. पूरा. त्रीतास श. परेश.तर. प्रमीर रू. मशिरश। लेश-पार्राम वहा। दर् व प्रांची माना माना हुव पर्दे व ३ पर्टा पर्टा व्रेन पालुमानुसाय हुन रहमा है दशक मार्राची - रे से नहमश वश् ते व वले वे पर रे प्राय श्चि। सर् द्विद्धाः यादेषाः यर द्वियाय स्वाप्ताः वसा द्विया 8€. पर्टे. ष्ट्रश्र. शुवे. प्रष्ट्रश्र. वेश. उत्रा टेड्. तर दे ला. प्रेश. र्यट येंश सम्बर्धे रूट न पट न के स में हैं न रूट र मेंट्स थ हिन्दर क्षेत्र य। नवत राम क्षेत्र नामा दस नव करात. र्नोट्स च मूंज दस द्वोस के है। ले मेश द्वट चे दे ब्वस लासिवा वक्ष्या ब्रिटा मिर्टा त्वी ला क्रेट्रें डेश लटा लटा चोशिटका विक.सेक.प्रा.म.प्रा.प्रीट.क्वांश ही वेर खेश.स् 3.4. 3E. 4. 2C. | E. B. A. M. M. PA. LET. 081.4. W. B. 4. CA न निर्मित्र दर वड्या वाया हव विर वुँद् । गामाया क्रम य मा बुका मुद्दे प्रामी हुरे हैं मारीरश वंश क्रवाश (विश्वसः विश्वसः दे द्वसः विष्ट् विः वरः) विः र्वे.ज. जर्मे विशेषायश्चर तथा थे.चट्री (विशेष्टरी मार्थेश ग्रे.जर.वे.चर) क्रव व्हर मा ब्रश वर मी.वी.व.मार्थेश. वस चंडिट वस स्त्रीत । ट्रेस प्रवे.चरेच. (चोड्रेश.बांस. म् वरः) पहुन्यश्चान्त्रम् निमान्नीन्त्रश्चरः। देवसः निम् किया ही मार्थ हो। पर के में मीट या मार्थ मार वस । हुव नहव निर्मासन्तर्य पर निस वस। व निर माभक्षः माभः नुः नुन्ति हो। विद्रि हे से मुद्र हिन हिन शुः भटः द्वाद्यः वदः देः त्यः गः वः स्वसः वः मायः इट मुंचैट। ला २२ मा शासामालूब्र मोषा रे नबीमांश. है। विक्रित्वयान्त्राह्मा वैर्श्ते विन्द्रा रहै.ज.स्र्रे त.वेट. चंत्राचाश्ची.चैट.चद्दे.त्र्स.ह्रेरे. हुद.रु. रेरे सुना नु मे नेंन नगर से दे छेट न रे रेखुय ने नगन कुल व । द्वे सद्द रेश वेंद् ग्री मुल विस्तर पदेर ! र्वेद् म्बस्यसः हदः देवः द्वाः वित्यः द्वादः नवे द्वाः हु। अर्वेदः मी मैकात् इ.व ह है.स.रे शिंब ट्रांस बंश जूर वंदर स कुटः वश हिना हेंस वा नगेरि। इन य हन मा नेना रव नु नुदा। न्यों व सकें ना ना कुम मी हे व ना ह्या स

यद श्रेयम श्रिमु देना से दे हा निष्य हु आव हुई राह्य हुई म वर्ष्यायाया हर है या श्रेव वर मुर। हैं है सर्दर श्चित्रयर निराद्य केट प्रसार्थ मार्थे व मार्थे व वस । हेव. हेदानु कर्। दे नार्वसम्बद्धान्यस्य वहेदायर नुरायाय। दश विमार्कर चन्द्र-चन्ना मार्गरमा देश । सार भी में देर। ह्नि रटा केश रट मालिश वादाक रहिर। ये नट में दर्भ रहानी अस वासे निहार वस । नह द में सं म्पिर्क्षर। दर्हे है सन्दे त्रिक्रमा सन्दे ना सन् यस । विद-निष्मासुमीस त्यासुमानुद हैं ना नमा न दे **॔**ॺॱॺॖॱढ़ढ़ॱय़ॱॸॆॣॺॱढ़ॺॖॱऄॖॸॣॱय़ॸॱऄॱॸॖॕॺॄॱय़ॗॺॱॺॗऄॺऻॖॱढ़॓ॺॱ नग्राकुषा देलक्षक्षेत्र । हान्वेषष्ट्रानशा दश ट्रे.वस.लब.चार्चा नांश्वरस । गाःसःलद्रे.खेल.बस । मिर्-ग्रेश-देर्न्ट्स.त.केर-चित्रस. मुच. ब्रुचा-चीश्वटस.त.रट.। न निर्देश वश्वराख्य से सम्मा में द्वाराम हें नी राम वक्केर्या न्याव स्वीत न्यावी प्रमान्यो स्व क्री-द्रमेश्वरवि देश-द्राद्ध-श्रीतः मी प्रवरानु स्ति पर्वेषः

त्रिंद य द दिन है। भार हिना है वादर है सेहास है. वाक्षरकेत्व मे हेत्यादे विक्राचावमार्केट्सु वर वर मुरारी देख पराय है आदा से प्रथम से। हैं राय वा स्विमानदे स्थानह सुर म दै। सु वे द्वी नदे नसे मेर या में विदाय द्वार द्वार सुकाय क्रम्माय वस्तर या भिदा र्शेन में ब्रिट्स य नवट वें वें के वें नवा वा ब्रेन नाम नवा नाट म्राय है स ही व व कर देने हैं ना महिल गरा ही व वस्ता है अद से से सस से देन से होंदे पर दे से दसेनास परें। महिना कर पहना चार्ने सामक चार्ट पर देनिहारस। सा व्यास्त्रात्रा श्रीयाचा देखर के लाट भ्रास्त्रेशय हराय देश श्रास्ट्रेन्स्य पदे क्षेत्र रच सदस्य च खेन हो। पट न्नायदे भी नेश में इय दे। र्स स्र हेन्स यदे नेस र्व प्रीर् प्रमा दे श्राम्य प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा यदै केश रव गुट सुद्ध य भेद दें। र सं र दें पति नेश रव सेर्'वर इवादर्वेर व ववस नार मेश इस यर के हें नाम या या नाम । नाय हे के मा माम उर्दर

यासेदाहिताया होदायासेदाया भित्रामा असम निया है निर्मा मी केश नहन पर से मु अर्प का में मुद्र क्षेत्रच । दे ने व रे रेव च लेर मा उका चर वर्षीर. अद्भुद्र नु व दे नार्डे श ह्युद्र दर्नो स दे। सेद य वे कुर भै दिए। इक् या भेदाया सम मुख्य द्वाया भी हें ना यर मुर्व । यमुयाय द्राप्तेमा यदे द्रश्र सुद्र इद्यास्त्रेद्रायर द्रमायर मे द्रिया यर द्यार देश अद द्वायदे के कर देवाय के द्व इसक के देव पर वहना यदै वयस सेर हैं। इद रें रस वें याना गुर अर रन्न यदे र्श्व र्श्वर हुनाय सेर् क र्हेश वश्रश उद्देश मेर् याय है दूर पहना वृद्ध । ह्रेंद्र स हेन सर्हेन यर ह्रीन म श्रिट्य पर से त्युर म मिंद में। सेंट म हेन स हेनाय गुट-द्व-य-भेद-यस-धर-यर-प्रनुर-व। विस्रस मेटि-सदै-झ वसस उर् वर पर प्रमुर री। 54 व उर सेर परे

श्रीद्यायस व इता प्रमुद्द नु है स्वर प्रमुद्द । दे पे हो व यव्याम्बेर व्यवायान्दावर्षी देवस्य राषदान्ता नदे र्स स्ट्रिन नदे निम रच ग्रे होन है वे निन में हुट न मुद्र श्रेद्रायाध्येव वें। देन्यश्च विव विव देने विव विव मैं उद्दर्श इब च द्दर भेर या केर या मेर या मेर न्यक्ष हेश शु द्वापाद्य। यसस्यद्यस्तिवापर हे सुर प्रमा क्रिंग में स्थापा अदाहे सूर हिंद्य। दे पर्या दे अप न्ना पर से सेर मेन पर मेसरम की रेंद देस पर में तपुरक्तात्वेद्र प्रमा द्रमानाश्वमानु वट श्रम वद कूट पर हेनास प्रशाहिता पाने प्रशाहित्या स्पादित च प्रमाय उद श्रीटल है। दे.चहेब.बस समस स्ट.मुझ.रच.ज.भाष्ट्य.चन ষ্ট্রীব- অ-ব্রমধ্য-রব- আধাস-ধন্ধ-ধ্বন্ধে-ব্রথ ট্রী- তুর্ধ-রমধ उद् विव पर विमुद्द हो। लेख नासुद्ध की। पहन वि वे विभाग्यानिरार्धेरावहेरान्तर यदानुया वर्षान्यान्या सक्रेर्-प्न ह्र्य-द्रमा द्रम-यगाद सुत्र-प्रम सामिद्र-मकेर्वस। मुंदे सुर व के मा कर द ज्ञा के द रे मा स मुद्रमामक्रमाव। यार्तान् मुक्रामानुनादह्रवामामक्रमा नवे सुरात्। क्षेत्रचरामेदारत्नाकागु निम्मकानत्त्वम। ल्ट्सास्य पहिंदा चासे द ही र धान दि न प्योत। से निस्त्र कनास इट चगन व दुवा मिस्र रेपे । मि च से द व नार्ने र यदै मर्केन रेमाम । ये ये पर्रे पाय पर्रे प्रमुख सु यन्त्रास । सेसस य न्योर व स सहस व वसस न्यान्त्र। 뿃선. xt. tr. 취공. 외역사 왕스년대 4. 성서. xa. md 1 क्र्रे, ता. पर्या. वस. इट बुचा रे. के च.भा, भविष. च.भा, भक्रुश क्ष्म द्वास्त्र क्ष द्वास्त्र क्ष विश्वस्त्र के ना उर ५ पहलासके स है। स पहलास हैं नहा यहा दे हिर मुर प्रता क्षे. त. रेट. मीट. शाटका में खातर ना कुचा। प्रतास । विषट मिडिया डेस र्व मी ही अध्य भ अर ही य। राजा नुदृह्य गुँ ह्याय मार्डमा उर तहमा मुन परे दह । ₹**%** रेस मुक्ष वहुन उरावर मुक्रैस हुर र्नोस है। मुक्ष.पहेचा.व में.श भक्षश.तश ट्रे.टेट.शु.पेटी कुचा.वट. पहनावानित्राच्या के नेता विकास के स्वास के स्वा केस दे प्रसाद के ता पहेंगा च मेंस्राच के स पहेंगा च नगत. म्लानाम्बेनाम्बेशः ह्वेंद् श्रेष्ट्रस्य प्रस्ट र विव य भर नगर व वसस उर सिन् य ह हे क्रिया हिन वा श्वाद वहन यदे विन्य दर्शेष। हेंद यहेद से से वर्ड है। देन हेन भेन य मुह्द रच गुन वश्चव। वेस रच इस न नश्चिम मानदेव। देशमार्देर मानेस । देश हुँदानकः त्र वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षः श्र द्रात्य वर्षेत्र वर्षेत्र । WE द्वा य रे क्रेंड से दार WE दहन दे बस स द्वा य लट.रेवा. वर्ष. मुझ.रव. ग्रीश रुष्ट्राचर श्रुट्य य र्जा. रं बुर त. चर्छ ज. चर्रीय। चिर सिंदश कू नाम चारेश ह्वांस रस. श्रद्भ में श्र अनेश जनाश थे। निर हिर केर क्रेमिश श प्रश्नाश म् अप्सुद्यापर। दहेना हे वामी या प्राप्त के वेश वससाउर्कमिर यदे देवायाद्या वेसामु वसस 91 **उद पाद**हिम् सरः हे खेर दिनुर । हे खेर के मासः भ. प्रमाश तर कु लट भ. पेश व. पीश वश. वर. लट. भु. श्री व हेर्नाक ने पके वा अपम मुक्त रूप मानव मी सुव

शुक्र क्रेनास य देवे कु अस मुरा हें र य महिना सुस र्ट अ.लंट भ्रे.संब ब.मीवर मी ट्रेस्डि.मी.लंडमी १ िटिश अरे कुर. बनसापुर्य रच.ल.चेल. चहुः कुश. ग्रीस शरम. मुकाल सुराव वहन हे वहासाव केवा विराह्म रोमसा **५**०२ वे सेसस उद मी रेंद्र र सेसस पश्चेर दस सेसस उद मी देव हुर इस वस। केंनाश रसनास वस घरस রমগ.এই স.খনিগ.লহ.বহাঁব i বৃধাহত প্রান্ত. नासुक्र य में सुद्य। भे ने स गु हैं नास दसन्स। श्चीताया इमाया मा अस्याय अस्य उद र्रोटश वेश भवे ह्वांश च र्ट शटश में संवेश वंश। हां संश करें. वंशका वर कारण मिला भी काला पंजीर. चरा भहरे. यतु. पत्रुव पाश र्ज्यूर.य.श र्ब्रूट्श. ग्री.यर. रे.डीवे. म्रीश. मुन य प्येद चर शिर र स देश माशुरुष र्स्या में सेमस प के र्रोट इट वर्डिं। मानन्त्रस मेंस पर्देरणुट हेन्सर नस्य हे हेंस नाय हेन्स। हेन्स ब्रामर्दे हे हे हि हिन पर नहींना है नावस रूप होना

मु मुर्थ जन्मवम नुम हर रे वर्षेम पर वर्ष्यम । द अर कर पर वेर में विषय है हैं व नाम पर केर है व इसस गुरेश वर्ष घर विव नु मुर व पर । रेना व बुर बेट रूट द्वार व सर है। केंस हेंना धर द्वार बेट अयः परः मीरः प्रथा में चीरः मीः श्राप्तसः यरः रयः नै मीनास य। मुयार्थेस सुद इत्स है। वे उ स्राप्त यस महद वास्तायादे वा वहना पर नुत्री। नुवार्येश स्र्रे वदना म पुरा वि र सामसापरा मित्राम स यव पदि हेंस मानाया लट.पट्टिनी.सर.श्रु.च नर्। न्याप.बब.रेना.वे.नाश्राप.बश्र । यगाय केंबा गी भे मो लेय से दे माश्रुस नु सकेश ने। बादेवा य शुर्र श्रेंस वैर.चोश्रज वेश्व.चि. ज.जैवोश्व.वोश्रज.वेश.हुद्रु. सुना सुवा र सकेश है। नार्रे र ही र स मु र ना र व यात्र । के व्यट मार्डिमा लट ह्यें द इससाया आट द्यां पर विस । देखान् निटासन्ते . मान्यानी स्थान विद्यान नविद्याद्यान्त्र मुन्दमानु ना भी नाय । नव द ने से सुन्स र्नोद्रश्मायात्रश किंद्रानुशासुन्द्रशास्त्राचित निवेद्धावया द्वार स्वामाद्दारा परे द्वारा प्रवास वस्थ उर्द क्रिन्य रा.र्टा न्वास वस्य उर् र्श्य प्रवहर हर रूस में रूप यह रायह हिए। 5वर्स मधव धमक ठर्र क्रिंच र्येन वर्जेका लम् क्रिंन की उर्क न्दः दर्धः में वस्रवः उन् गाया ये रे विना दस हरामा पश्चनः सुव र्युव गामाया ने वा वा करा वमय उर् व्यापकर गुरा पर्ना केर पर ना निता थे प्राप्त केंस है। **ই**'ঝুম'মেৰাধাম উলা ঐ'লীম'মান্বি'ম'জুঝ'মঝ। इस्राचन्द्राचे वहस्रस्य दस्यावहदायीयाम्बद्रा वहदायीया म जैनिसाधस देव दर्नोहसादसादने साहि। देवी देवाना मुठेमा भे वेंना रूपिक्रिंग के है हिर क्रिंग बुश प्रथा द्रमायर या यहमरा द्रमा वहा ने दे स्टर पर्से मार्थर दे लावत्र वाहाम वानक विकास । स्रेम रेमा वामा नश्चम् वर्षात्राच्यानु वर्षात्राच्यान् वर्षात्राच्या यादे हुई दुरावशानावशानावरा दे ता विकार्नावशाना । देवे देव वर्गेषा देश है स देवे दर्गारस याय वर्हेंद स मौता

य नुदः रू र्रेन्सः यदे देव न खिट दर देन्सः य द्वेत नर देवे. भ क्रिट न इस वंश वोबट । डे.वंश क्रुस डेट्रिट में मुंद रेस। वर्मु हा वर्ड हा दस वादा है। रेट स्वास ल. सू. इ. ल वंश विषा नरे रे हैं है। वं अ दे ती खें वी स्था ह्मेंश्रासर हार हुर नहिना नमुर। पक्रेयस देना हे नास या दे। वेवानाः सेवः वले। सूना कः धुनः नशुस्र। यदः कुं बर जुर । पद्मेर विष् क्ष्रिंग कुर है से स कि पा वहा मिया क्रेन्स पारे है। वृष्त्रत्र दुना खुना रे हे। क्रेंस मृदि र्श्चिन्द्रिन्द्र निर्श्चे नामक नश्चिम् वर्ष स्थाप्ति वर्ष स्था ति। य. पत्रतः देवा स्त्रेया देशः भरः श्रदः द्येतु र चर्मे.चर्मेट.चर्मे। अक्ष्मंत्र.ग्री.चर् ट्रे.४८.मी.स.ईसस. ल.चीट. चर्च. इ.ज. रंस. चित्र वर्चेर । र्ज्ना होव वाहेस । डूना कं खुना है। र्हेन महेर न है सु ह ह य। र.र.जय्मानज.हे.पे.६ क हा। स्थाशिम.सैंग. इ.डो विव.टे.चोबट वेश.झे.क्र्स टेर.चर.शह्टे.चस.

है रग्र देव के या वन्य। अद्यो प्रव व से अने द्वेव तर्शक्ष व्यत्ति दुर्ग गु. पर्ते शिकाता वा वेचारा मा क्रूम दश। वे से व व दरान्व दान बहु व लेना सम्मुव रहे ला दु निहर । श्चर वेनि पाया महे र म मुंद्रायम हो वामा महेस है। मुंदे क्षुवाहिते द्वार दुष्यावस् वे दे व व व त रेट नु क्षुत्। ग्याया में व्यासुरिष्याणुं म्यिन्यायर्टा द्या त्या से सु भे भेस देवर व्यवितिक्षाम् । वस्त्र व्यवित्र समास्य स वर्षाकः कार्यान्यम । दे स्रावः कर राष्ट्रमानः गुः स्थाः स्टार्ट्यः म् रेट. इ. चेहूब. रट. क्ष्म. में अस. रेट. हुच्. व स. चेश. मूर्यास्य ने ने साम्राज्य मान्य मान्य मान्य ने निष्यम्य नि मार्टित्यह अर्पदेव । मार्टितिहरिक्त से दूर अर हैन क्षेत्रकार्याचेत्रकार्याचार्या योजीसान्तरावे दे सुरसे शुक्र रक्ष मार्जेनाक गुरेका सदी सर्वेद है क मी हर र के सर्वेद है क हिन्यरेश्वयास्त्रम् देवे हे त्यक्ष्यम् व्यक्त *देश* देश्याञ्चार्या मुख्या <mark>र्श्वेर माने देश्या । अस्तरे मार</mark>ूक

नु वर्जे व हैस सर्हेर हैर वर्जे स. वर्जेर वर्र म र्सेर व वनुष्राभिना बेराव दरा । वर्ष के वर्ष कर है कि मुख्य दि हुं ते । वि वे वे हे गुर रेट यें से घुव हुरा,वैचोशात्र सह्ते,वेश । हुरू,वैचोशात्रशार्धेत्त है.ज. मुर्वेभावर वर्षेद्रक्ष वर्ष्ट्रै निश्चित पर्देश दु वर्द्र वर्ष । षा र्ड ने स'मे '5 र्डेन नहां क्षेत्र न्वेन एक सम ह सरे-क्र्यात्र्र्युं विद्याद्या क्रियामद्रायदे एका द्राया ल= **५**नु^{, हे}द्र.चर्र दार्चे .ष.चर्क्स चद्र.चूँस.५नु हेर्द्र चर.१०८. मी इ. मिट. थे. नुरे. कुट. च बैचीश द हूं भू . भु. ट्रेंची हुँसे. मीश. सर्वेट है। मुनास मानुस यस हेंनास वर्डाय बहा। कय होन इन्त्रायायाम्द्रिरावादेशः द्रुवादे। सुद्वीमा वस्त्रावे वा नाश्र्य नश । के श्रिश ग्रे.वि.हा ह्ये चर कि मीश नश्रात करा नगुरा ध्यव द रे चढव महिस मार सेंद हेश है न दा मु मिना १४ सूर १४४। वि.इट मिट इट सर शूर १४४ ४४। नर निरं ने से हिंदे मिना र में प्राप्त के विकास

हुन, सेचा सिन, था अप्रकार स्था विष्या सिन, या स्था सिन, या सिन, या

स्वास्त्रक्षं स

बः र्ष क्रियमिर बेर् क्रूर गुन्व्यस रेवा भवागु ब्रियः यह व न महिता प्राया स्वा न महिता प्राया महिता महित महिता महि क्षेत्र भे मान चट नहिना सना भरत दुःद्रश की अहेर् या हेर मुक्रमञ्जून खुक्मीर्द्धनम्यस्मायराम्बर् स्ट्र हेब[,] क्रेब **चें. चबे**दे**.च**र्नासार्टार्यं क्रेट्रे.चे.वर्च. झैनस. वना ने स हो या दशादश सम्तर दर यद मी स हो य। स मिले सद पहंस में दिस्य राजा मिले स्वाप्त में प्राप्त में मिल में प्राप्त में मिल स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्त्रीश तका नगरा ५३.६८ म्हें १६८ महें १ हरा गु निरस यर प्रमुख द्या अनाम रेंद्रे क्षेर्रेस मु क्षेत्र रावे दर्ग। न्वास व्रमस उद् कुर दृद करा मार्जे दृह्स दृद वर्ष है। हेर (मर सम्बर्शेय में रूप। करमा रूप। हैं मुन वार्सन्सायदे । में नेता पर्व वे पित्र हेरी स् दे वर्षा श्रेट हिदे सेट व्यामहेर्द रा देवया परा द्रायः श्रीशः वशः द्रवृत्रे त्यः व्रेर्टः द्राः व नः वन् नः सुर् ः वशः स्राः तः । व्रवा देवसावर्षस्य विषय्वस् हासी स्थापन सेदा

न्दःमर्द्धेदःकःमः पर्दिन्ययः यः वैकाउन् सुत्यः उत्ता उत्राचना न केंच. तथ । जनाश वधम . वर . ग्रे . हुंचू . तया द . हेंच याक्षराद्धभाने । विकिम् विस्तर म्हासुना सार्सेन्साया स्रिम। मि.कुचा वे.र.प्रीचा.रेट.च्रेश स्वेम स्रिम वंश। भक्टर. इस.मी.नवा.श्रयाक्षेत्राची नुहा। देरादर्गित् सर्हेनामी नाहेर य. पश्चेंस. ४स । गींब. मुक्तः सकूरे. प. २४ । सकूरे. पत्र. मि.च इत. त्व.च वर्ष व. तृत्रुं . वि.च वर्ष व. वृत्रुं . वि.च वर्ष व. वृत्रुं . वि.च वर्ष व. वृत्रुं . क्ट.िंदे.ट्र.कु। जाजशानुर.देट.तीची प्रतेज वेश्वा । जा मश्र-र ञ्चन्। द**म्न मध्य-३ त्र** अन् स्ट्र-च न्**रेश** नगद र सुरा। मे द्विन्। ग्वादादादे हे वे व गहा। हे न न न व कि यनाशाने । हेन्। प्रसाप्तियानी देन्यसासासहस्य । प्रनेता मु के न गुर्युन हर देर मके र वायनशासी देश हुद <u>र्नेम्लानस्य के मार्ट्</u>रभट्टर्स्सःस्य सामसाइस मूंश. १ अ. १ वर्षेर । य. जम . श्रेच . १८ वर य वर्षे. कृ.रूप्रशास्य पशिष्यायेश । जम्म मृ.पश्चेस,येश.२.वर्षे.

मुंगसन्ध्। वर्गेर स्वाधन्ध्रमधन्ते । दे दश हैं व पुरस्त के पा है । अहे व पर सके दें पा वनुसाने। विदायागुरावेदार्यराज्याक्षेत्रयायन्दरारेतानु वार्त्वा हेमा मेद विवा किए सा हेर् या हेर् प्राहेर प्राहेर रूर'वलेद'सळॅद्रस्थ'वडदरदद्युद्र'वस । अद'वर्षेद सैना,जर, कुने, क्षंत्रका। ट्रे,यंश,रेनेट, म्रि, उनुट, तु पृष्टीय. तहनानी'त्राच ता' सर्'र्सेदे"सर्ह्र्र्यायनीसाने । विद्या गुर्भुर'म् न्नेन्य्रस्थ अर्हेर्प्य उर्द्य अराष्ट्रर विक्रमहर्द्र हरा वाहर हर्वे दुरावस । अरावग्रे कर्सुण लक्ष्मा देवस स्कृत वा सर्भाग के वस्ता यायर्वा मकेर् पायमिषा । या मकेर् महा पाना ८५°५६ । रदःरदः मी'यसः सु'द्रमेंदसः है। पंचास कुंडे विवासिंग निश्च श्रेमश्र । कुट मार्ट सम्बूर र्रा तमानु कु न्या कुनामा से अविद्र मे न्यांस ने का नुम। र्श्वन् नार्दे च द्र मु वस दर्रे न नसून मे दर्शि धर वेर् वरे व वार मेर् ५८ ग्री र के वा भन्य हों। ह्वर

में इस क्रांट वडर मिल स्वद्धराता लय मिल स् विवाश ता पर्वाश पाया शुक्रा में विवाश ता पर्वा विवाश ता व वक्तरक्षेत्रं द्वायव वर्षद्वाचे यातु वरीर र कुवा यूवा वरमामर स्. लूट बाबर है .शंश की. मिय रे वर्ष श. कु.। चग्र कुता अवः भुः निनेषः चरे देनः नु केंसः र्सेटः मोजन स् लूट पंजन कर्मेट्स शिर्ज्र दशा स् लूट मोजन श्चे.चीशर.चम्रीश.वंश.चीर श.स्त्री.चर.चेरत । ट्र.ज. श्रद्भर विषय् र या में स सिना श्रुस र व श्रस ग्री निर्मेद न श्रेरी हे . म्रीं च व्य खेबाश देश । व्यव म्रीं टक्ष के छिट . सेवा क्षार श्री पश्चेश वेश । स्ति वि स्ति वि श्वेश व व वासर रवे दिस वस । सु वे वह व र्येश होन् ह्व व वह व र्यंश होन् ह्व व न्मुद्राक्षेत्वकुःवनुकाथायन्साने । यदाक्षेत्रीतुःसेसानुःस्क कुर्याक्ष रहा। कुर्य हिंद्र नावत ह्यू लूट नावतु दिवे तारता मु प्रथम न स्रुद् रास नास्स्य याद्र १ है दे रे या भाग में दे रे मन्य केट से द से स न्यू द दे मार्थ । दे न दशासु नेवा नव व व र भ दनद चर्म नर कर निस दश में व

थम मिन्द्रियान्यान्त्रात्रान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्यान्त्रान्त्यान्त्र बट. श्रु.श्रु.प्रचटा. बट. हुन दे-वशानवटशा भूटशा मूंश. यमुश्रह। इट हि हे हें पर व व नियम हुट वर नियम मिकेम्बरोमुयार्वे श्रुवर सर्वेद हे प्रवस्य ग्रै हेंस'से प्राप्त मुंदा महिमान प्राप्त में साथ हिमान हिमान हिमान म द्वन व.इ हूर मिट लय से पर्श पर रेश वर् रेश व में में त्र वर स सर्व वस । विष्कृत मुख्य व विस्तर मानुम्य मानुष् पर्य मिलसान कट चरमाने सामि क्साने वितान माने ने पाकर है। विया है . यूरे त्युट पर विसायस। कुया है दियह सुर ल. मुंबे अहट स. त वर्से स.ज. पंचटश. ग्रेबे मी. कुस. वर्मे... वर मुर्स्य वहा नुषानुसार्दे दिन में भेर यर मु वर प्रकेष मुभागु न्नुदः वे विले भान्यदः वस्तुरः क्स श्रीर मार्र रे। सर मानिक प्र मेनिक पर वैट. यस. मेल. वे. सर. व. जुनास. बुस. व । वहनास. य. ल्ला श्रु द्वर है वस ब्रूट वह क्षा लेंद लेश गुट मून है। क्य च द से बर संब बर । वर्चे वजव स से से के के मन नु नविषा नर्ने मिना कें नि नक्षेत्र ने केंग्रेस है। मुन

चें देवे लया क्या प्रदेश सुदे सी एक चेंद्र गु सुवा चें हर कु यथ। ट.जच इश्र.क्षे. १८ . ३.श. १ श. बारु वा . इ.चा. ची. बुंश वर्गाव सुंधा दे श्रुव रवेंद्र सहूर सम्बर्धा हैश दश । म्र-द्रम्मा स्रेन्ष्ट्र पर्यः सः महिम् ॲन्डे शायम । मुःस वःमानुःसंस्मान्दानस। देन्त्रः त्रान्तरस्र के ना देन मिश्चरमार्द्रे त्याचीर देवना क्षेत्र वह र्ल्ट्र हम यह । द् व भ्रूर हे ब रहे स दिना है नास नो दिस दगाय सुन्। जामिर सेवी अब् यमिर जूर कुरा राम । निर पर्येची मा लदारकार्ट्य इंग्रहा के मा के सा नामदा खुर्या हों वे चे गुर निया महीद्वया इ.स्वर गुन नि मिट्य सुद्द द्वस श नेद यश्र भ्रे.चिट.ह्रंट.चर.तीश्र श्र.चश्र ग.चश्र विट.ट्र क्रेचेश.ह्ये. मिशिटश.वश रू. मिट.वेंट रेश दुर्मा हुंडे तर् हुश नोवेंट. वस । मुःह्रेरान्नरामान्द्रराद्वारहेनान्द्रेनायराक्षरानुसा वका श्रेर छिट हो निट चलेटम से नार्श्य है। विर निटश स्वाम हैन य नहिन सह सेस'य द्रा वर्षे वे समस हो नामात्रक्ष है। हैनासामान्य दारे हिने या मेर् दानाहा

שביקגיא יםקַמיםאיביקצי ב׳ ישבן קנים בֹים׳ क्रेरेप्टरे विदावों सेत् क्रवादा नुसामुदावीं सेद्रायस मेर्ड म् . द. मु . मूर मु . माम द द र द मु . मु र द. र्देशमेर्'यस दःनार्डे के बेर दस । दह दार गाँद हैंस. वस । होर हैं वसुयाव विरान्त विद्यास्य मार्थे । दे दशामा नश्रमा दश्रमा द्वारा विवश विमाय। दे दश है नाय या. बु.र.जा.वजुर्य.हे । अर.श्रेर बुबार्य तथा.विर.वर.रे. व्यवस्थात्वास । मुलाचे देशालवासेस गुःस्व स र्वेर वर महर्। भन क्षेत्र के मुन्म एम गुर के बेना रवामार्थेच दरः। नुत्रपदेनायान्दरः। रासदे निविध्यात्र त्रे वर्षेट्य प्याया स्ट्रिंग तास्त्र हेथासट दासद्र। रव रु कुट वदे सद्य प्रद हुई। यवदशं रु द केंस विके नुःसहन्यसायगान देव के चायम् सार्था देवे सुसाष्ट्रा है। मिन्निश्च से पर्वा है स्थानिह सा मि द्र सातु दुस वर्ष । द्वाहे झाळे न्यु । पाढे द हि नाइन हे वर १ था में वह मेंद व १ द दूर वहुर इस कव शेर महर । यह रहे मंचर नेवार मी दर खेता छ । ल.श्र्यकातावद्वक्रांतिवारीतवेश । स्रिक्टाह्राक्षेत्र गुः खें खें र नुष। वर केर वें द्यम गुः भें र न्य गुष केंब. के में र वे के र वे की मारी में में प्राप्त के मार्के के प्रदाय देवे विश्व रहा स्वाय देश देनी. वर्डे वीश वर्डे दिशाय कर् यह देश श हर्द विवायमालय मेम गुर में हराव मह्य म्य पान मार्थियात्र मार्थियात्र है। विश्व मार्थिय मिंद्रिम तम मिर चलेरम स.रटो चेर् नेवटम चर्ने मान वर्नेर्य दरा श्रु यारे व वाद्मानाद्वा वर्षे भवः श्रम द्रम्म गुर्म य यस रे रे रं सम महिन । व यस महिन मिकेश कर्दर । यायसम्मुख्याम् सर्दर्भः रेमायर सहरा हान्स्रमान्सान्देनायानुराहितात्राम् वस्य मुन्नाम्बर्मा त्यम्पान्यः मी सार होतसः सर पुरा र व। झ स समर दर प्र । वसम अस मूट दर प्र । भर कृतः वक्षद् यः वर् । तः भ्राम्यः नायवितः सः हेमा होदः देः कुश यम्पर क्रियान्य । मिर्मार विवादर। यवार्

र्वास्मान वास्मस उद् वर्गुन है। मुदे ह वलन सहस मानिक्रमानिक्षासाम्बद्धानिक्षा विक्राहितुः भेनिक्रे में भिम्म-त. बुच हा. ते अ. केंचिम र . श्रीच . त्र्रे एर्ट तर ह्यू म्ना व नार्वेन स्नाम के ने नर नर्ना वर्ष पर वेंद् कु नवर द वें दे सेंस कु मार वें भेद पस पदे पहेंस न। वि ह्यूर्यत् मुगर्यः वेशन्य व्रें प्रमाम य विन स्र् عَد بع عَمْ سَمْ عَمْ مَ مَرْ هُ عَلَيْ اللهِ الله मेर्याय नावराय लु.मु.म.र्रा देखानावराव वहव से पे विचाल हिंस, वंस रंभवा उट्टेब. ब्. चे. चंट्र. झेंस. वे श्रेर. वंस. स् ३. मर्ट. । स् ३. मश रे. मृ. हे. म स्मा मश । मृ हेश माप मुस्मान्त्रेन्यसायस। स्रिसाग्रीमाटार्ट् दे छ दट द्वारमः र्द्धर कर हों से खु नुष्ट प्रसाल है ने वा प्रदास हो सा पर वा में दे नगत संक्रित दस्ता अवर वहनास दस। नगद शुर्भ वंश वैट.व.र्जर हूट.वर.क्र वंश । यु.श्रुंट.वर्ष मैज. न् न्रे.त्रीता.रे.षष्ट्रमा.पष्टाता नर स्त्रीत्रमा ट.प्रायाटपु. **नु** मा**शुः मर्यक् भे** दे ने सुना नु प्रतुत्व के के के स्वस् । Ê: 4' 2' BG XEC 48 4 TÃ YEC 45 X MEA 4' A' YAN' 5' यह बार्च दे दसमा वेटा हेंबागुट वेंदागु पर बार्च साह दलना दूरक दक्ष में कमाया यय देश हेर दक्षामें है। ये ब्रॅंद्र पदे मुक्ष र्य वमाद्र मुक्ष गुर कर्ने वर्द दे सुनारु सुत्रामहेना हेम। नुःश्रे महोरः महिट। धैःमहोरः देंद। वे मार्थ र 'र्नेन मासुम' वेर्न नु वर्जे चेन नु हत्य। त शुक्राचर्सेर वंशालर (रूटा) वार्सेर चर में या में स.चीभ.चर. चय्ये. सू.रेट. ७४. भहत्र। वह्म.चे. म्रीट व रें पर्जे भावशाया यवा में हें भाववाया खेंग्या यथा वज्ञ वर्गुस है। देन मिट माधुम हो दे रहेव क अव कर्मा कर दें मानुका है। दें पञ्चा निरायम त्यम्का है। यु**र** र सरे नादुना यना मिट र सेस कु हेंस सुंव महिंद पस नगीरके नमा दें रेटरे हे वे खेल द खेल। रे में दे स्र-देशका वर्षे कार्य वर्षे कार्य वर्षे वर नु क्रिस मा दिर । मुल के द ना है सा महित्स सु ना क्रिया

विवासय स्वर हर हेर रा द्रिय विदे खेल र सुया। वर चिट.चीश्रि**भ. श्र्रात्रची.पास.चेश।** हुंट.चिट.चीश्रीभ.पुंट. राज्याकार्याचायानुसाने। रमु हेना पुरानुसा मु क्रवशः ग्री त्वाष्य यर श्रूट वीश विद्रावेश वर्श्वर है। रव न्युट व सद व वर्षेर व नेत्। नुवद्य तस सुविश यहैर सुनास वनाः यहैसः सर्हेर् हेर हेर वेर यहैर्। चिंदाके व त्रिवायम जात्मा यह है। निर्मे सेवास खना हुर्ल मे नुजया नर्टे ल्यु शानम्। विदानर देश व्याद्य वः वृतः ग्री 'ख्रुनाक्ष प्रमा' झेँद त्य । मु 'बैनक' वृतः तु ल्याचा राज्याचा हे त्यावात्रका नुस्य प्राप्तः मी मिटाशन् जार पर रहे महे रहे महे ने प्रेन पड़ेटश हु मुस्य। द्वार्थं यदे वात्राद्वेद्वायापाः अस्दानिसः दममीमानदे न दे प्रस्थान नदे नरान्य व। अगन यदे यदे क्षा हेंबा वा वर्गे र यदे खेर दे यहेब माने गहा यदे म्रोनस यम हियायर नाजेनास परा। हेसायाय मुन्ना चॅ वे अद द हो। केंश्र याय मु दगर चेंदे अद दु हो।

\$\and and \frac{1}{2} \\ \frac{1} \\ \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} \\ ୵ਸ਼.ਜ਼ਫ਼ੵ੶ਖ਼.ଞୂ୶.ଔ୶ଖ.೭୯.୭ୂ୶. ଅଧ.୭.୭ୂ୯^{ਖ਼}.ଔ.ଔ.୰ୖ व.वृ.भ.जुन्ध.दे.। शटश.मेश.मी.र.त्र. वृत्रसा क्रुंस.रेट.जू.ची.रेपोर.रे.चेश्वेटस.उ लूबे.तथो टवट.क्रुंस. कु दगार वे दे खनाय हा अने य नहे ना नु ने दे रहे य नग र " कुत्र दश वेद खुना हो है व वह दुनाया नारेर वसूर वस.ज्.य.धून.२.७५८ हो। जालस झैं भ.जेला जालाय. यश्रम्भा भाग्यश्यः ५ दश्यः गश्चिमः सः यनुत्रा। गाःयः न्याय हेनास। (वयद खायाना) न्या श्रूपकार्या भीसा हो। (दस नेर्ने, न) रट हुन र प्रीट्र में जान भक्त। (लर. ୍ରାଦ୍ୟ) **୍ଟ୍ୟା ସାଧିକ ଶୁକ ଅ**ଷ୍ଟ୍ର **ଅଧନ୍ୟ ସ**୍ଟ୍ର ପ୍ରଥି ପ୍ରଥି । यहै र हैं व से इर्दा में वैव येव इर्च है र्दा है व. जू. ज. नश्चिम् श्चिष देव र द्वार । श्चि नश्चिर श्चि नार श्चीट र व गुरहादलक्षिरद्धा में भे गुरहास्टा (प्रमा लस.) व.चलियाश.च.रेटा चूर्जे क्रीमार्थ लूरे.चडु. 리용도의·소리·회·수리·의·임·의·리·필리·5도의·숙제 |

नह्युर हे ह्य वसका ठर कु रणर वे दे वर्गुर ह वर्डेका अर नासर वडद मु नाइद या स्वादश क्रम श्रमास वजह स्र मर्दि । य अ ने दि द्यार दि दि वि भ से निहा न समस्य उद मिट मि.चीर देट चर्डिय वर्ष । हीर जूर जूर जूर अरूर बीरेब त्य स्व । वर्षव ये न्न या है वहा सन्व या है वहा सन्व न न.किट.हेर.रन रें वैट.न ल.सेंज.नश । जू व.नहें लेज वसान्त् त्वरस नानुषान्गार वसक्रन्याय हेव वस हिर न्निंश यस। हेन्-रवः नु हुद वः स्वेंन्यदे वनारः वलेन नुः यमुर्द्रियायम । उर्द्रियायमायम् इत्रिया नार्सेय नस । नासुदस निवेद से निवेद स स दस वृद हुँ द इसस्य प्रमुद र र दुः । क्र हो द र विस् पर जुलेस सुमा हेदे य वेद्रसुद् केट रच मु चुट नदे महत दु पदि । रवानु नुष्य वनामाने ना मी पर लयस ही वेर प्रेम । मास श्रेर में दे स्वर मा ही में दे ते सुश्राय प्रमुन मा सर्वे ए गुप्त हो यामुमार्चे धुनाः सहत्। विष्कृतं नार ने सहते सुमार्का हिंद सेन ३ में इ. बेट्टन सिंग क्रिंट सेने ज़र हा नेवट । जूर ल्ला हरी नाहार पर पर्म थ है। हिंदे ने पर्ने पर्ने व वर्ष्ट्र.वर विष । रव विदर्भ र जाला विवर्ष विष वर्षे पर्वे के. इ.स.स. १८ से अ.वंश अस.रेट. व.च व उ.सें.रो प्रा विरंभी, म्रांश क्षेत्र.च. १४- मा इमाश वर्षेश वर्षा, दुव क्षेत्र ह्या नग्र-इन-दु-न्हिंय। हु-ने हिम-नदे केंद्रा-गुर-दन-दु-वैदानद सर्वे राष्ट्रा २.चबुब क्रार्टा वर्तेब बना सुब रे. नरे हीर चर महर्पम हे नगर देश है। वह व में र्वेड ल्ट-नाकेश (श्रु-य-नर्-न-य-न्त्रन इट-न) **८६म**. नुमानु नम् कर् नमान्य कमान्य । वर्षे नुमाने नि रमन बूट बे पड़े र की पड़े र की पड़े र की पड़े र की मिर्स पि सेना प मिर वसः मु ध्रुतः नृ द्रमन द्रा मुद्रे न्त्र में वस्र उद् नगुमान्यानु कमाय येत । १ नदे १९४ यम वर्षे व्यस पर्भ। कुरे ज प्राप्त वर्ष वर्षे के प्राप्त वस । यर सिट सहरे वस रेवेर लेट रेसस सहरे वस मिने मिन मिने के देश में हेरे नाईन सनामिन देश। वर्षन त् र्रमिद्धनात्मनामिट. इ. चब्रेटश श्री माश्र्म । देवे नर.

नुस्र य वर्ष द र्य द्वेद् ल्दाम्द्रमाया के सान्द व्यायसा श्रेन्यर मिट वस । व प्राया के मिट माइनामा पुरा में मिर्मे के प्रवास्त्र मुंदी रसमा से द्रार का दे सद नु चेंद्र की दरमा भे द्रम्या सर्वे सक्त सुस सर्वे हैमा द्यम नुःक्षः ग्रामकेवः ये यलमा नवेंब लिर हे सुर कर्यारे हैंस. र्वे ब्राटमी अपूर्व पूर्व देश यो मेर हैश। महिमा दे 日香日· 町 日· 本日日· 男下下一門 田丁日 5· 美元·四日日 मिडमान्त्रित देश देश देश हैं है है है है से से से से से वह के हैं से सर्वायक्षर हार्य दृ मुद्रायास्य वस । क्यार्थेर क्ष-१८ नमुभ्दत्र दनो ततुष-यायुव्य नमः ह्युष-वन द्वा **५१२** न गुरको नु ५१ नु ५३ ५ ५० से ५। सुर म ने द ५ मु र्ना यस हिने क्षुन नु लिंद हिने नगाने निम्हार या गान पर्सेत.त.ज.क.जू.रेश टे.पर्हेव वरा। अंटरा,रच,रे.चेंट. न'ल' त्रुल'न्डन'लन्स । देन'ग्रै' र्झेन खुना हैं . भु इ. चडिच. १व.८८. कम. तर. वेम. ग्रेट. प्रांच. म. चारट. यर। श्रीच्या श्राम्या पारवा नु वृद्धा वाया खराला द्वीया वर्षेष-रे.सेचाक्ष्यं नाचरिषात्व वेषाचाया श्रेष्यं मार्चेषा यद-पात-र। यत्र-चेंस-चेंद्र-प्रचर्स ही-मर्द्र प्रेट्स पर्वेश विश रवा ने चिराय सहर वह वहेंद वस । महोर श्रम भी व की है समाहता विस्तर कर में **भें**ना झ द्वीस दद दूटा। झ साद्ना उप उदार्टा। बेट्सा त. ही पूर्वाश पर देः। चोशट. व. त्रेचा. की. व ८. देः। हीय. र्चे वर्ग व नवदार्य भे भूषा रद मिक्ता नके माने र जा लव। रामाल सूर्याम तामुन सूट यद्ध मी सीमटाईशन. न्ता वनान्सरान्ता अराद्धायार्थन्तराय अयासेसः गु.रीचाश रेश चंबुटश चंदु ह्यू र र समक क्टे.गीट.श.जील चर. श्रुटका लेगारवाणुटामार्के झेंट रुमावा द्रवटमावमार्चे य रमाय वर्गाव मुँद्या देन यदे रखा मु ह्येंदाय देना य हुस जुं हुस मुद्दायस। सूर्य स् सिंश में श्रीट र मार्ट्स न्सिं दस्। वदे वर्ष वेंस्य कव हींद् ग्री द्वर वर्ष द्य वामान्द्रमान्द्रविदानेर । हुद् वाहितादायन्तादे वाहारमान

वब केर सुया वस । दे खानी गुन्ती अब नेर वर्ड ब माया त्रह्व में बाद्धवाय प्रमा दि रव नृष्टुर य त दर्ववायेर विभावता। अवदारु र विभावता विभन्न ता श्रीर मोड्रेम डेश:२गार उस्तेश दश:रईंग से वडर। 5. सक् कर्द्र देवी रूप र्युटाय व्य वर्द्ध्या मेर हिन् व वर्द्ध्या से केंद्र हेबर याप र हुया अर रेंद्र हिंद्र य देन य य ने गुर मुै। अब खेबा बक् के निवासका । दे रवा नु चुटा वाता मकु व्या मिक केंद्र केंद्र राम्य सुत्य। दे पलिक्तु भीना व्यन् पुरुष्य स्थान सुष्य पर्दे द पर्दे द मान क मुख्य पर्दा र्गोर मह्या वर्षा वर्ष क्षा वर्ष प्राप्त वर्ष ह्या मिमस मह्दे वर बेट मुर्दे वर्गा च्रापारनाय व देसका मुद्दा निसायका क्रिया मिन्नसामिना प्रति ग्रिमा में का मुकायका। दे वा होंब नु यह व यों स न्यों सा व केंबा हिसब से मानीमा हेरा मिक्नान्देर्भ्याय उदायाश्वर सेर्ग्णाः। हराक्षेर्श्वर নার্থ মে কুর্থা মে ব্লাব বর্ষা গ্রীব বেছবি দি দি কুর্থা শ্রীমধ্য স্থা मोरीमा चेर । नायर स्य वनीया तथा सूर्व अप्र वस्य दे न्यत् केंद्र में केंद्रा म द्यार ता द्यार के नवा केंद्रा विसरा भु.चार्चुचा.चुर । मुंश येश.रेश प्रुश प्रिश्न नाजुन नाजु. श्रेब सं पद्धना है। यब क्रिब सं दिए। ८८ खेल संबंध यस्य र्शे लेश श्रुव नुमार्शिय वहा कर् य के मा के मा मा पर के ब. ज् लाट कि बार में ही बार व. व. वी व. व. या मी व. वर । श्रुवः स्याप्तरं व परः प्रवार हे चणुम । दे साम्या हु सुर्यः मुन् सर्- न्यन्। न्रिन् वर्ष्- वस्य अस्य पान् पडे श्रेक गुक् सर्ग मेंद्र पश । से क्या में गुक् से में मार्श्या वेश । वेंचा में हो व्यव स नमान वश्य । पर व त्. चीर्. प्यास. कट. चीस्या. यद् । देच च. चश्क. वस. लिय हैना तर पहेरी हिंचा रू. ज.चे. से दमीश वंश चर्मीश नावना तस मुंब चॅर नम्भेश वस । वदव में हि दर म म्बिन् नुमार्थे द्ना व न्वदः वसुर दशक्व से द ना नि वस में रे.च्.में र.में स. कूस. मिसस रटा प्याप न सटा रे. नेस । ल्या विषय है सद्यापन्य प्राप्त कर मुक्ता द्वाद मा मु हैंस सर्दर्या २६ मुरायनास लेस ले वार् मार्से या वस । वर्ष व त्याक्त मिस्रा चलेव र सा ग्रीटा रेर रव र गुरूरा ग्रामुक्ष सद्भाग्यन्त्र स्थाय उद्गाया स्था से सद्भारत हुट सु ४४. थ. श्रु. तश. ष्ट्र्स. प्रिमश. ३४४. श्रु. ३. ७ स. २५. ५ श्रुस. मुंब र्च गुब मुंब पर वर वर चे भु वर स संब पर । प्यद्याः चर्षु रायाः गुरानीः सर्वः ह्यः यम्प्रवसः स्राह्यः यस । वह द व े ने द नु सुद सुद स्ट्रिं। देर वि वह मुक्ष सु वहुर वदे वर्षे सम्हा मर्ड हमारी मुल में हार वास न्द्रमः चत्रे के इत् वे सद्। सुद्रमः मृदः सुना हुदः च प्येट्सः शुनुश्य देनियाय केंद्रायं। यथ ये के मान्य कर सर्भित्र में निप्तिप्रिया विष्य विष्य निष्य निष्य हेर्दे प्रुमास दस दम् परहेमास दर। हेर्ने दे प्रुमास दस यर्ष यर है मिट यः विया हैं सम्मुय यर युक्ता हिन् ग्री. वर्ष व च स्मु वर सेव मुनास सु वर्ष नासेव वस। हेस विष्यायाञ्च क्ष्रद्रम्बर्धायाद्वर्षायाद्वरः वक्ष्रद्रायाच्छेत्। सङ्के

२ ८.४.च प्राप्तारम् २४. घष्ट्यस् तक्ट. यसायह्य त.स्. रस्रेयकारकामीयावन। व्हे मुस्रीलार् हामीय पना नाश्रेर के दे पिट दे हो व व व व व । हे व के व के हे । हा नहिंद बिनाया ग्री हे अलेट्स ही मार्सियान । सुद्धा हे अपर्देश स्रायत्रा मर सरायत्रे महारमी हेवाहै छेत् महासा ह्मान । बुनाय गु देव दिया न तिम न देव। हे न्द्राम से स्ट्रायस। ५६ म ने निससं याने दिस दश दशुद दुख की सर्केद या यह नहा । दुख देर हा इंगर सन् न्दर्रं न्दराह्यानी से बन्दान्य है ता वर्ष र्यस क्षेर.विस.वस । तयहरा ग्रीव.म.स.स.स. १ बराम श्रीमारा पुरा। पर हैशायन वेशासमादेश पर। भ्र. प्रेश. डेर । एश. प्रेश. हे कुं में में हर य ये मार्बर ब्रुव में नाड ना नोबर ब्रुव में स्थाप हा के र नेर न चर्मा अ नेश नहन हैं। ट्राय रेश । इ रच में हे स्प्र. ट्रस्य थेथा. झे. प्रसिंग. ता. तथः तर . तेश ,थेश झे. तीट. वर . तेश । दे वस अ मेरे ट्रेट्स दस देन मेन सिर पर नेस है देस

मन्दर्दरमञ्जामनान्युद्धरपरः नुसा मुष्मा यर व्रावसामु दमा या सारा तर । दे दहा त्रें लिल रे प्रस्य स्था मा मा में में में जिस है। अपन्य अपन्य में से दानी दगार से नादसाद वर्द्धित्तान्द्राचात्राक्ष्मित्रे क्रिन् हेन्। र्षु मुर्स मुहेनानी अं स यहन ही र्वर अहेर् हेन ्रवार्यः हि , ययदः द्वा , यह्य , स्रवार ह्वा , स्टि , हु । स्टि , हु । स्टि , हु । देश हेर्राय सद्दा रे स सद्दान मुन्तर प्राप्त द्वार में - 4.mg1 - 24x.g. 2.8d.g.Er. 2.48m.4.42 वेदे श्वरंत केट श्वरंति सुराय वत्ता । ते से वत्त्व मु द्वासद्र द्वार याभेद । अर सद् में द्वेदें ณ-ราคุสุด ที่าผู้เาะเาคุรา จาพัสาสา ราที่สาสา สอง I दे अ वर्ष कर्त दे दे दुर में भे बेर व भेषा सर के कर के म दर स्मित्रवाय वर्षाय अर् देवे वर वस्ता देः सावस्त दर्चेर तार्पन दें कुर संकर्पन देंद पारित । दें ख्वा सेट निवेश गुरे सहना साय ब्रें या ना स्प्रें या दे यह देश यह है

रर्देते सर्हेर् हेव मुझासक्ष। दे साववर् व वर्ष द चे वसुव र्ट मुंद र्रे रेमाय छन मुद्र संस्टर्यर देट पर प्रेरी इट हेट श्रीव मु द्वा क्षा कु वना सूर श्राट मार्डेस गुरे नर व रे दी भी मी मुन्दिन प्रतित्व व स्थित व दे त्य द्वा द्वा व्यावत मी स्थित व मुन्म कर्पार विद्यापिता हे वार्मेश मिन्द्र वर मुन्दर मानुसामसार् दुरामुनामा कर् पायेना वेर् प्रारम र्वेस डर्'रम:रु'खुर्'। सुर'सेर्'र्णान'वना'र्केस'सेर'रें डेर'द्स रवस वड्ड दस्। वॅर्गु कवार्षेट्य सेट वानान्द्र वर्दे याध्येष् वर्त्नुं सम्मानुष्यम् वर्षः वर्षः वर्षः मानुसः वर्षः श्रूरा पा शह विट वंश रू. के शर वंबत है वटश श्रूर भूटे चयर दे दिवास प्रव । मु वार मु अर स र से द यह त न्ति सेन्यस क्रेंस ननुन च के ता वेट। वे कना नर्ड क्या वसरा उर विम नर यन पा केंस पा सु नहार नह पा न केंस मिसस निवित्त देश मिट वस्त मिर्दे ने निर्मेश वस्त निर्दे ने न वस्य उर् नेन्य रूट स्था न्यस दर्दर नु स वर्त्त पातु क्षामद्यानानु दृद द्वान्तर मञ्जूर व्यक्तियाय वर्गेर्। दे

म.चर्चारा गुरार्थेग १८ त्यूष । सुर्ने स्वयाहर हा सदै ज्ञा है ज उद त सुर । ज्ञा ज्ञा ज्ञा हिन ज्ञा स्था पद्र है पट ग्रेश हैं जा पर्या हैं . येश चि हैं . येश श. च. त्र्या च प्रमः । अश. तर व्रिम याञ्चर सर सुवा वर नुषा सेव वे न्तर या उदावदद लय. भुश्र. मी. चर्नेश. चर्षा भूश. मूट. पर्व. हुंट. लेग. श्चिमायर पर्वेच दे हेश या मुत्राची त्युवा वृत्त सार त्रेश सुरस्यामयान्तर तास्रे चर्मा यास्र गार सर-र्नुद्वर वरे हेनास सर-र्नु होर दस। इ. मूण खरी वॅद्गी वदे हीदण्य वनुदावर विष्ठि। ह्युव से दूर चर्त्र-वचर्त्र-वद्या र.स्. कुर्त्र-में सेपा, चर्त्र स.येस. लेश क्षेत्र नुमार्थिय पद्म । हेदे लेश लय दसमाह च-क्रियो-ज.सूर.बुरा.तश्चे.चर्छा विट.स.चे.श्वस.चर्याट. वसामात्राच्या हिंदे हुद् मार्थद् य हेप पाय यद्या हे वस प्रमेट पर दे पर द्या प्रमा वश्य वर्ष हैं र पर विक्रानिमार्थ देरावनायाणुकाळद । े व्यक्तानालामाल्य नी भुं बाचेसमा सु वहना ने सहसा करा। भुं ने रेटिन म्रिया र अद्भी भर मुँच केश नभू चर्या दिशस. 지수, 월, 취소, 소설 회, 취대 역사 원, 성도, 필펀고, 퇴소 근소. चर.चेश.वंश र शर् होट.रे.क्. हंश.ररेत तथ.रव्य. यं हिं त्व गु दगु भ दिन्द मु हे द व में द्वे पि मह वक्र-नसः ह्यावया छ हेया हेर। वण हा हेरे देन। वस मिया त्रा मि अर्थेट पट रेमा उर सर्व रवरा पर्मा रेस रहा भी किर ज्या था मूर्य चरा भी किर हुए भी है। कर ही सन्त्रनानमः लेखः नर्सेयः र्वसः देखाः देः प्रनादेन्द्रमः वस्त्रेस हर। विमे शे दुर् नवेबश धर नुः भश हर्ष। है वन्न यस वुनास कुतार देनार रे पते रे में पर्व पर कर पर्वार पर्वे माल्लाकायाः अवाकायाः मेका ने प्रकार पार्खेर स्थित र्येटक । शुन्दियः चः चार्चियक । चर्ष र स्थान् विषयः इ.स. श्रुप्रचार व विश्वराज्य श्रुर स्मृत् र सारे प्रस्ता क्रिक्र जुन र क क मुक्त विद्युत्र में दि श्वा माणुक कर्। मु

לב של משבי בב בא שא מא בר בר בר של מא מים אי वनसासु द्वारा दे सकर वेर द्रशानास्त्राच वन्य पर दे हे हाना प्यत्र देश । इ.स्या खाने हर वर निराम्या रे.चैर.रे.एतका इंटा वस्यान हैर रहेट्या रकार्ये प्रवेट क्यार राजके कुराक्षेटाराक्षेटा क्षेट्राचिकासक। यद्वाजूका न् नाहेनाश्रास्त्रा । विर्ताने १५ के विरावेर। श्रुप्तिकेर विरा · माम्बर्गानः के तर्ना हुस इस इस हर नस । देखिनः क्षेत्रदेग्भवाका हेर वाचिवा वृद्धाः देवल रहेद विवा व लेर प्रते खन तेत्र । इ.स. न्यम में रे. हे ही मायरे वृद्दानुसम्भेराख्याता न्यायाद्वासंनित्तेन्तिः च विवास सि निर्देश । नुर्देश मित ह्य वृ मिर् प्रसा सुर व। मुलार्स ईस्व उद्यासन् रदा नेराम उद्यानित। दे वित्तर्य में तमारे वैदाय सेट वेश तथ। के. य स्थर ्गु केंस म्झूनस पदे ह्यार से स्थ लेव नु होर प्रमा रामा मि दें हि क्रिट्र हे क्रियान्य। . रे.पा. प्रत्या प्रस्तय।

नुसावविराद्भार देवावन्य हैसा दे दान्यार वे वास्वा व चिनाहा। चेर वट रेगर ज ही देन य मूर्ग सेनाहा सद्वः भ्रुवाशःवाबुः विविदः वस । द्वःश्वरः खेवः धवे नुसः व । वर्ष क्रें क्रें म्यासमार्वेन सन्दे । सन्दर्के वस्ट यान्विना गुर हैस। क्षेर निक्र ना गुर स न्वित र्-रेट-भी-भी-मी मूर्मि द्याय मी रे हे हि दूट में पाठेमा त्युर्यक्ष। हे ते के वनार वना ठव नर वर्ने वेर। द पर्व में भाषा मुन् नेदाय भीव ने । हे ना व म बुनिस नुस मस। हें रेट में भी में भारत है पर्ना में बेर। वर्ष र्मस न्यता में हे हे मुद्द न सर्वेद नस। सर्वेद में समा स्रा विष्युम् अस्य। महिमायमा मिट दट दमाय स्र यर मी अर्केर् हेब या श्रु हेब नुस वस वतुन्स पदे सहुद 5। न्याय भी हैं है न नमस वस हुस में ता महेव वस मालु यर्ट्रास्था यद्यं च्यानेर्यं यर म्यानेशाले सानुता बेर स्वा द्वा के दे दे ते निष्य महित्य । महिन व के दे स्त्रम् र व्याम् व्याः वित्राः वित्रम् वात्मान्यः वित्रम् अवेदार्ग्वयाम्बद्धार्द्धार्यः नुम्बद्धार्यः क्षेत्रारुद्दे दे दःवर्षु स्थानिक वना व वि व से के वे मे मर्से । मित त् सेवा सर्वः व नहस वस । ट ल् वाश्वस मे वासर - र्मस-प। प्राप्त नाश्चम मी. नाश्चर होस-प चेर वस मुद्रमा देव द्वाद्रम प वर्षेय प या। म हमा स्म. ट्रस्य न द्रा श्रम्य सम्बन्धा मा त्रा ने द्रा मा सम्बन्धा मा त्रा ने द्रा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम क्रमाक्ष्य केश में नुव। क्षेत्र केश डेर छ वासिय केर। के.शर.पथ्य.त्.च्यूर्स.चैत.दुश.र.वर.व्रीय तस । ज. षाः क्षेत्रसः म् मुन्द्रन्तसः सरः चिद्र। वाः वारः ख्रे च्रिटः द्रसरः म् वसालर हरा वर्टे ल बंबर मी अष्ट्र विद्र भाषा मान्द्राच्या क्रायादेवाक्रयानुबादासाद्वे स्थियानु दिन कुर-वर्ध्वता सैनाश वालि ए सेर हो र क्षा हे र्यार हो है व . भेदानेर दश स्ट्रा दिए प्रमाय मार्डम प्रद य दे दें हेद याता । या वित्र होत् होत् नु द्वार मार्थित वहा मार्थित वहा र्जूर म ड्रेर । वि. द्वेना मूच चर् हुस मुक्ष सुर स वर्षेश वश वर्षेट्र व वेंट्र बेर । विकेषा व रे वर्षे र् रटाश्री.स.पर्तेश.वंश.भ.भंतूट.वंस.प्र.प.च्या । वाश्येभ. वेर या वह द्वाम में हे हिये सुभाग स्वि वर देश वह मासर रे अर रेस । र म र नेसर नेसर रे कियास न्गर की प्रता नदे बर ने ब्रिट ग्रुन न्तर के नेर्न की मुनान वलन नगर मिट कुट समारेना ने मि हिर या मु हु हु ने नुसन्दर्भ मे प्रदेश महित्य महित्य । प्रदेश म त्रे स्व रूटा वस्त्रम् म म स्य प्राप्त महिम् द्र नासु इ.स्ट.मा.रमर भग स्ते। हें न्नन नाम देने यदे विविध्या द्रार्थ नम्मर्द्रा द्रमेश्चर माशुमान्यमारु र्चे दे त्यार्श्वेमायदे नुषासु। वर्त्वेदायः B. विष्टे. इ. नवट वर्टर स. चुर अम्. त. चे. मु. चें चें वें वें स. वेंस. व्यथ्य सं ल्या है ज्यू में चेश वंश है र मेश मा शर्य वंत्र र त लूट.च.भहेट.चरा ट्रे-म.म.च.वंश.चवं.च्ये प्रमित्तातम। पर्व व. त. हीं. चेर । है मिलेमें हैं स. प्रस सर्वेट प. पहेंवे.

हारा। ह्यूर,रेत्र, व प्रिमा प्रथित, प्रथित, प्रामी प्रामा र्वेश केश वश्चवरा परी में कुरा लेय पु प्यापन पर । वेर्ष नर्द्ध न प्रेर ने प्र ने प्रेर ने प्र ने प्रेर न यस विदायाय कर गारी मा खेना यामर है। के हर। पर्द्धवः च नाक्षुमः चूका-चूका-चूका-चूका-वका-बूदा-कका-सु-बुद्धाः दशाम्ब्रसासु में श्री देश देश । दुर हैना भी व्यामी दिनों वर । हर में मूंश मूर्र प्रम । डे.ब. नवस पर में गीर व.री জেন ক্রুম বঁ ই নশ্ব শ্রেম র শ্রী র দ্রব বই র মান্ব ই मके प्रमा ने द्वार वनाय है कि । पर्के प्रमेद वस सर क्षेत्र देश क्षेत्र भारत । स्वित है दिवाय त्वर वेद वे दे दे युःख्याई द्वीय वयर र वर्ड वसामर्थे हो। विद् दे वर्ड नित्रक्षात्रम् हेर् रहर्ष्ट्रस्य भेषात्रेर । नित्रके त हुस. तस । रू.कू.वट्ट.च चुर. एश.र. तर्वा. ज. चर. संटर्भ. ज. विष्टेर देर एक उस धार्मा हेर् वर्ष कर्ता वर्ष वाया श्चित्र प्रमा देश अद्भा श्विद राम अत्य में मीम प्रमा देश हर नसर् है हिर प्येष हर। यन्य नदे केंश क्य है दिएय

व-वर-विश्व-वश्व मिर्दर-वाश्चेश-४श-रवाम-मि-र्ड-हे-ब्रेर-वर्धः नार प्रमार्ट्स यस । रहिन रेगम वेट र द र पर पहर्राया व्यापद्धंद यामाश्चर्य पर्देरा वेदासह पर्दारे गुद पर्रः गुप्तः व पर्रे पार्रे केमा बेर वंबा ही है माश्चमा प्रविता दश मिंगूर सेंट क मेद देर। ही दे नासुम र्व दिर श्रिव ट्रिंट्स प्रसा भ्रमी विसाधसा मुद्दा है सहूर दि है सहूर है गरःसः वः नस्यः नशुस्यः दुष्टः वेर् द्रावः सीः स्रोष्टः स्रोष्टः वनाः हेः ः नुसायस। र है द रे प्राप्त पद द द पा ने द होर। हेंस पर वस विद्मानविव वेद वस्य व वद्गा नदे हेंस नेग इस यसः मिं र रेदे वसः प्राना कुवे र्श्वर प्रशन्द वसः है। चेर हिर् हे.कि.स वैदार्थम । तदेवीकाद्याचिमावसम्बद्धिमारयः रे.रेचेट.रे.मांस्का शटक्ट.तर.ट.५४.थस.चेट.व.र्डर. चुद्दर्भ द्वाद चेर प्रथा वार्ष्य द्वार की सम्बर त् विश । नायद्र रच नामवा ग्रीम श्रुच द्वे पुरा वस । द्वे द्वार ने हिंग व हिंद वस किए मुद्द द्वे कर व वस्तर

न नन्नारा। दे नशाला श्रम् सामान्या हर मुदानसा वर दने द्वा मुंभ दर में द्वा वर व व व व व व य केर देनिक कर प्रमा हार्ने हिंद हैर है हैर। दे ल खेल न्वसं खु नेने हिंद नक घट हिन ने होंद ह द्रमासारे पर वाश्वस्य स्थान द्रित प्रसारा हार वैद मी हर्सा वित्र मुद्दा चारे वर्षेत्राच्ये चिर वस्र । दे पर्वत्र यस मुल दर हे दे केंद्र वर्ष । द्राय में हे हे दी वस गुःमिक्सेंट विमायमाद्या में नित्ति है। दस मुल ही हीना उर् नासर प्रस दाय होंस पा से । देव गुर दस विंदि गुन्न में नाम निःदे । हेर दश सेट पन । मुजना चे दश्य न निर निष्य दर मी साम निष्य देनी होर माहेश न्हिन् । स जेंन् के नमे क्वेंट्गशुम न एक हों स पार्वेच है । द्वी श्चेंट दट रच चुट मविद अट मट दु नुस सी। दे दस ज्रिया क्रियम पर पर पर मुक्त सक्दरव नु मुद्दरी सम्बर्धिय बुस पर्या दिस् मिंद में वृष्य । वर्डम स्व 'वद्म'णे लय वर्ष मार वें हींव

यर मोर्याया । र.च वाय पर्वी अ १० विश्व परा श्रीरका वर्षेकरो अंधिर प्रवास्तर वर्तीर में पर नस । मुस द्विद प्राचा ७ र छ। चर ज्ञानस । दस दे **४ ५-५ तुस्र दार्धेस्य य ५६ च ५५ च**र्षे जार्स्य मी नी ना ३ **८०८ वस मार अर ।** मार्च मार मार श्रम ४५. गु.र्ज भूम बु.पश्च मानेमाश्च माश्चम स्थित स्था स्था स्था स्था म्रित्य क्षामुद्रिय द्वा पर्वे सानु । स्रित्य पत्रम् सामा वहें द् वनाय रे दे हो सेना स्वासार र ५३ मु मुद्द में मेना से रहे र हुर त.वंबर.तूर. हुँर. चर्र. मूंश.नी.विट. भर्मा खेवला. मर्थिगा. वंश. यन्त्रस्य। त्यम्प्रैंपर मून्यायायसः वृहेत्। दके नसः बदः खुवः ञ्चर् वं केव में कुवः नः दा। देवे ः र्श्वेन सः बट्र केट में भ.व.च.च.केश.ग्रेश.ग्रेश.ग्रेच. खेश.चश.श.च. १. ८०. द्यो वर ब्रोन्थावसार्भेनाचाथानुसाय द्राप्तु कृतिकाया माश्रम वनु य नर्ति। के मे मे न य य मरे के पर्ति। दे मार्केश भीव पुर्नेश रया के यह द मानुद के व में दे स पर्वेत. देशस. ज. वर्डेश. रेख । यीचर . त्. शुर. त् वैवास. व व व वह्रमायर वर्षा रेपे में व अन्य में र वलक्षयत्रे वत्तुन बेराह वर्षेया हेव वेस। सम्ब र्वेश-द्रिश्क:निविधायय। अमा-कुट-प्रकृद्-वस-प्रद्रस-यस दे खें के श्रेम में गुन के हेद दे के प्राप्त र दर्ग है। देवे था में न सेन्स संसहद पर में सेन हा दे हैं वर्ता चेर वश्चार्य वहीव रहा सेना हुते हा वनिर वन रे त्येता रूपारे व व मर् भ्रुर गु ममस व मानुव भ्रुत कु यम् विराम कर यर पर्वा यर मुनाय । वेर रह त. १व. कुस.चै. ८४, ८८ूरे. त. में में कुंच. त. निमंत श्री. जुरे तर रम् द्वीस (५८स मार्ट) य सेसाय सेनास प भ्र. पश्च नोडे म. जम वस जूनी त नोडेनी रेट पश्च नोशिम पुट. । मीम. (मिमस.त) ल.पुंस.मीज.भक्षे.ज.झूं म उड्ड व्यू ट्र.ज.प्री.भुस. (च.जभाव) चुस रच थ्रजामुशका श्रम म (मासमाम) भे ने मही गुर्म विदेद (हम्नार्गर व) व्ये क्षा व्यव पूर्व पूर्व रव (क्रियं ते) वृत्र विसंत निर्देश हैं। उर्देश हैं । त्रु हैं। वेद द्वी व के ब न्दा अद वेद के ने स नासुद दुदा से हुंद्र (मद्गारा) रे हिंद्यार सुन हिंगि (नाद्गाय) क्रार्यक्रामी यन्त्रित्नो क्रिवा मुमा वेंद्रमान का प्रमानु सु हों माञ्चट प्राप्त प्रमान मुसः दटः रमा प्रेसः धूंसः यः स्वा वस। स्रोटः प्रांसः शु वन्त्राया अर्दे श्चर न स वेंद्र वस दे ता श्वर वा से द यर माना । निराधर मार वस वेर वमा ने सु धुर सेना व्यक्षित्रस्य द्वेत्रः यह्नेत्रा स्त्रा द्वार् ह्वेत्रा ना उद्य यर् . लु . मुक्त त्या मिंद वस। द्वस सु . सू . सु . सु . स् . सु स निस्तम। कुस्र विप्र के व न न न व न मिन न चलियास.इ.ज.झ.चारेट. घर.चेश.ह। चश्रम.तःश.श.सेचा. न्यत्य । वर्ष व र्यस इ निष्य वस हिन के वे नियं नार लेब देश चराती श्रंत लेब हो राज्य । रेजे हुँ हुँ हो स्रा दे वय.तियातायार मारेटी ठीपूर शर् ही. ही. वशायर पर् हूर. इट्सिट्रियम्भुश्चारा देवे अवानादे हुशारे में वसवाक्त्रे। सद्य निद्वार्थितः सर्वे निवार्थितः मार्डेश बर्देन वर्द्ध मार्थ स्वता स् दे मान्त्र। प्रविद्राक्षाचरायदे वदाव वेदाव करा न्यु <u> इत्रु. ब्रेस क्रु व्रु.सिनो रहा रवि. म</u>िवा समका वरा वि स्टाप्यका न्तु'कुर वसस वन् नु सन् ग्री दुवा श्रु सेस ग्री क्रिंट सहित्। र्ना भाषा ने ने कार मार्थ । क्षेत्र देर मी मार पर मीने पास दस ষ্ট্র্যমধ্যত্রস্থা প্রত্যাধ্যমধ্য প্রত্যাধ্য প্রত্যাধ্য বিশ্ব क्षेत्रावयायाया क्षेत्रमायद्वरायायाम् । ५ ६ भिष्य ग्रं ही प्रश्नासम्बद्ध हैं है ल वर्षास्त्र वर् भ्रात्रहरम्बर्गा द्रायाम्बरम्बर्भान्य विश्व राश्रस्य वर्षेश्वर्षा वर्षेटः वर्षिय। वर्षे र सुवरं वर्षे । निति दुर प्रभ मिनानि पर् निविद्य निश्च विश्व विश्व हिं रमा महिसाय प्राप्त मुखासुय। ५५ हे परामहिता ५५ क्यार्थ के महिसामायुक्त नस् । से पर्दे मानुका त म् र स्वाप्त इरक्यानिक्टर पर्वर । श्री अस ग्री रवु है। मार्से पर भे जुर दायमा सर ये विहर देटा यथ। स रना महेश ग्रीश नाशेर स हेर परंद पेंस नर निस्ति। श्री होता मुक्त निस्ति है व पार्ट हो

मेनास्य मनामार्वसायामार्द्रापमानुसामा मुस्सिसायामान्द्रा **छ'सट'र्-युट'रेक्टां रव'र्-**यानश'य'वले'युट'रेशे **र्वेन**' हर्ट रूपाव युरामादस । मु सेर प्रे प्रेस प्रयुरामादस । मुन्भानिमान्य। इत्रमार्टे हेन्द्रपर खुन दे देशस मु मारसा नव नविद्यात दे। श्रमान नद स्रिक्ष गुरा में नाशर हिट पहेटश। ह्रेंन नेस गुर द्वाद र च ५८१ भेर या पर्ट विदेश। मुका सेश में भेर देना वट क्षे.वर्षे:श । कै.वेश. मुना मेग अवाम अटिस वर्षेट्य। ने देशका ग्री. भ. मची. चोवंश. चोवंश. मोवंश. मी. श्रेर. श. व्या महमान्नुनाय स्रा देवे मान्य वे दे कुरमवे। इ र्ने मुश्र व व व हैन ए भूत रूप है रवे वा वेर केर्न श्ची या ध्रमाञ्च रहा देश नामे रिने नादे विनुद्राना स्था देश म हेर वे देने रच नासम। देश नुमाले मेस मुल महरू। देश क्रें मन वह दी। देश ग्रु मेश मेश रव देश विमय। देश-मु सेर | देश-सुन्यश्रादा देश-महरू रे हे नुपा मर्का। दे या महरू गी पु पति या

र्शित्राचा मार्चे विक्राम्यसम्बाचा देव हेवा श्च.म । रेश.मे.परेंका वार्ट्स वार्वा स्वा क्या मिलम । रेदे मान्यत्रत्रात्राञ्च मार्श्वराश्चर्तात्रम् वर्षः यव वृत्त वै सेर्पन के शिष्टें की है हर व सदय रखा वेर की की मिसस व र्सेस मार् नगाव वे स करे। वन्तर पर नारस त्वा ,रेट. श्रेव. मैंर में बार श्राम्या हु मिल न्स् क्स मर्सेवस. यस नगर करे। ह्रम हेर्चास ह्रम ह. पर्रोण नालेची. ग्रेव:रट:वीश जैस:रव:ग्रेस:विश्व:वंस । श्रेव:र्वर शुक्र वर्षेक्ट मानुद्र चन्तर नेत्र अस्य सेव विक् लक् नवर देश हो। अटर इश की नव के से खेट हुन । ॶ**ॖॖॖॖॸॱॸॖॖॹॱ**ॻॖऀॱक़ॗॖॣॺॱॺ॔ॣड़॓ॱॻॱॿॱॺॱॺॱॿॖॱॻॱॺॖॗॺॱढ़ॺॱक़ॕॿॱॿॖॖॺॱ नम् म मुन क्षर् गु र्केट हे दे सम् स् नह द न नि हिन हे न दे र गुस्तर्र गुर्मितामहास गुरमे तर पर्मानिमा सर पत्रेर वस् विन्तर के वसमस्य प्रसार के किंग पर्नास के भ ज नुक्क वस् से वर्षा वस्ता महे न वस्ते व नहेन सुक् रास ब सब के पर हर्ने हमा बमा हिना खेंद्र है अ हिम सुभ स

य **र्भेर** नदे से कि.ज.चं सुर सेंदा श्रेस नखे ६ चीर्र सा नसेंदर दश सं १९८ में १ मु नहुद द ना सार नेश पश न्यंद्र मुक्त द्वा वेंद्र मुन्दर र वेंद्र नुस्त हम संस्थान्य हैंदि र्वेद रु लुस पर्या यहै रु है प्यमागार लेस अन पर्वेगा माता चु. म.ब.राष्ट्रे.रे.सीमा १. स. पाड़ेश विके वार् वर वर वर मानता र्भटामुवायस विमुश्याचार्रमा व्यादित वार्ये वार्ये विद्यात स्था मिश्रिटक्र,रेख । ट्रे. जोर.मी.के. प्रट नी. भागर वर्जे शका. चूरे.ज.वर.सू गरान्य जिट.यहरेश हु भू सूँग भर खिन. वसागुदाखायास ग्राम्बेनाथायहेद वसार्चेद ग्री सेमस उद् जातव ह्यामा सर जूट नाकुमा मशिटश वेश तुर, रे. श्रीर. 554.31 42.0.3.4.0c.84.52.0.824.24.24. निश्चम में प्रवादश से वर्षे म.रे । वर्षे रे स्वीता के ब्रुट में नायु ता अना कि है है से सार प्राप्त के लू नाड़न हुन है न्ते हेन द्वासे अप् इवास्त्र स्थापस्य । अर्थे विस्तर त् वर्षेत् नावरा अ वर्णे हैं। अहा से हिंद किया अहन हैं

सेमस पहुद्। क्षु पे मद पे वार्म के महिद्। विभूवः यदै मिद्रमः मिन्दिरं। क्षु नुदः हुव दें द्राद्रा व्यं र रेक केव पत्रदार्थे वास्त्रीकाराये सामदार्थे या स्वर्धे लय मुडेन्स । सर् रेदे इट रेदे मी र्मेट्स य स नेस यर । सेंत्र हेस शु त्रम्य दस । हैंद पा संग्रस म सनशामी क्षेत्रानहीय में निर्माश हिंदान हैर महिमा स्था श्रद्ध में ड्रेर.चर्.कूस लूचे ही च.र्टा हैं भ.सिंद्स. ग्रेट ह्यां ग्रे केंद्र लिया य प्रमहा छ न वेया य केंद्र य थेइ नम् । वेन य देन माय देन से पक्षेत् वेर पक्ष श्. श् वर तर् हेंश्य य सर तथा वित क्यारेसस द्वर र्ह्रिय.प.मु डेर.च.रटा क्यांश र्ह्नट.है.क्यंश र्सेट् इट.हैया यानुका गुट देन या भे होता या भेद बेर या या संनास हैंस व्यन् भूत्राच म्रम्य उद् शिर दर रेमाम प्रमा कर परद्र श्रिद गु. क्ष. येट. क्ष्य पूर्. ग्रीस. बेस . दंस. में स. रच ग्री. स. रूच. मुं सुर नद स्रिवायद्र निरमात्म हिर रह में विनमा अस स्र वर्व श व महिम कुर दक्ष माट त्रमा मी मुन् केंन् न्य श्वर दक्ष

अमरा श. जुर तर् . मेरम. हमा . सूचा . रे. होट कूरा श . मेरटा रेंद्र मिन रे नहेंद्र न जातिहमा नद्र इसाय मंदर । दे सिन वनसामर् द्रमान् भी नोर नगर्न दस नुहाल्य यमा में र नावहा שליאר. לשלי.אריַבַ,רוּפַאַי.אר בַ,רוּפּֿלּיבּאלי.טעי אַ װּ প্রব, এর এই রের প্রাম্প পর ও তুর । বরপ श होत. रहस, थ्या . पि. हूंचा तर्हे भन्ना श्रेय पा सूच था रा ल.चग्र.ट्री.कुंब.विच.बंब ि चन्द्राचीर सैंच कीर चार्य. ह्मा केर में श्रीम पर्याप्य देश के माम्याय हो। न कुरा ग्री में र भर् निमल सीट वस शिट न नीमल। हुए. न्त्र दन शे न्यु नर्दा । न्यू न्यू क्रिक्र संदूर नर्ह त् हे हे ने वे ने ने अपने में मिल्ला ने अपने ।। ã€N. पर्वेदः ज्ञो स्.मृक्षः स्रोत्यः स्टार्गः स्टार्गः स्टार्गः स्टार्गः लर्द्रश्चर वा वा बेद पर्टी वा वा वहूरा वा वा वा वेह लाला पढ़ें सामा भवाहे। यह में वर्ष मी पर्व में हे हों न <u>१८.की जूर की जून कुष जून की संबंध की संबंध है। संवंध र</u> नीक्ट:ची नीक्षिता जानी निट.कुष. त्युष्यका क्री. वर्षेत्रका क्षित्र

विषयः प्रतिषयः पर्ता ह्यासः स्ता ॥ विषयः प्रतिष्यः प्रति । विषयः । विषय

क्रमाना त्राप्त क्रमान निष्य क्रमान क्रमान

सक्षात्मा के मासा क्षेत्र के निर्देश नाय हुत्। ॥
सक्षात्म के मासा क्षेत्र के निर्देश नाय हुत्। ॥
सक्षात्म के मासा क्षेत्र मानु मासा के मासा क

